दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 ▸▸ अंक 216 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, मंगलवार 05 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 04, विक्रम संवत् 2083
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

जनादेश: तीन राज्यों में बदलीं सरकारें, असम-पुडुचेरी में सत्ता बरकरार

5 राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे

पश्चिम बंगाल : भाजपा पहली बार सत्ता में

पार्टी	सीट (अंतर)
भाजपा	206 (+129)
टीएमसी	81 (-135)
अन्य	6 (+6)

बहुमत : 148 — 293/294

तमिलनाडु : अभिनेता विजय का उभार

पार्टी	सीट (अंतर)
टीवीके	107 (+107)
अन्नाद्रमुक+	53 (-22)
द्रमुक+	74 (-85)

बहुमत : 118 — 234/234

असम: एनडीए की लगातार तीसरी जीत

पार्टी	सीट (अंतर)
भाजपा+	102 (+27)
कांग्रेस+	21 (-29)
अन्य	3 (+2)

बहुमत : 64 — 126/126

केरलम : 10 साल बाद यूडीएफ की वापसी

पार्टी	सीट (अंतर)
यूडीएफ	99 (+58)
एलडीएफ	35 (-64)
एनडीए	3 (+3)

बहुमत : 71 — 140/140

पुडुचेरी : भाजपा की पकड़ और मजबूत

पार्टी	सीट (अंतर)
एनडीए	18 (+2)
कांग्रेस+	6 (-2)
अन्य	6 (0)

बहुमत : 16 — 30/30

प. बंगाल में ममता की विदाई तमिलनाडु में विजय की एंट्री

● केरल में यूडीएफ की वापसी ● असम में हिमंता की हैट्रिक ● पुडुचेरी में बदला संतुलन

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी, जेएनएन। सोमवार को आए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे कई मामलों में ऐतिहासिक रहे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस 15 साल बाद सत्ता से बाहर हो गई, तो केरल में यूडीएफ की 10 साल बाद सत्ता में वापसी हुई। इसके साथ ही देश में वामपंथी राजनीति की भी सत्ता से विदाई हो गई। अब देश के किसी राज्य में वामपंथी दलों की सत्ता नहीं है।

खास बात यह भी रही कि जहां-जहां भाजपा की सरकारें थीं, वहां सत्ता विरोधी लहर नहीं रही, लेकिन गैर भाजपा शासित राज्यों में एंटी इंकम्बैंसी ने सरकारें बदल दीं। असम और पुडुचेरी में सरकारें नहीं बदलीं, जबकि तमिलनाडु, केरल और बंगाल में सत्ता परिवर्तन हुआ है। हालत यह हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और एमके स्टालिन अपनी सीट भी नहीं बचा सके और सीएम रहते हुए सीट हारने वाले दुर्लभ नेताओं में शुमार हो गए। तमिलनाडु में अभिनेता विजय की टीवीके की जीत भी चौंकाने वाली रही।

सबसे बड़ा उलटफेर पश्चिम बंगाल में देखने को मिला, जहां भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 207 सीटों पर बढ़त या जीत दर्ज की है। यह परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2021 में तृणमूल कांग्रेस ने 215 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। इस बार टीएमसी 80 के आसपास सीटों तक सिमटती दिखी।

तमिलनाडु में इस चुनाव ने इतिहास रच दिया। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने अपने पहले ही बड़े चुनाव में 100 से अधिक सीटों पर बढ़त बनाकर द्रविड़ राजनीति के दशकों पुराने वर्चस्व को चुनौती दी। डीएमके का प्रदर्शन अपेक्षा से कमजोर रहा, जबकि एआईएडीएमके भी निर्णायक भूमिका में नहीं दिखी। ऐसे में विजय का उभार केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि एक नए राजनीतिक विमर्श की शुरुआत माना जा रहा है।

अपने परिधानों के लिए चर्चा में रहने वाले प्रधानमंत्री पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद जब भाजपा कार्यालय पहुंचे तो वे बंगाली धोती और कुर्ते में नजर आए। ऐतिहासिक जीत पर मोदी ने कार्यकर्ताओं को बधाई दी और पांचों राज्यों की जनता का अभिनंदन किया। (विस्तृत खबर पेज 11 पर)

दिग्गज जिनकी हार-जीत ने चौंकाया

जीते

प्रादुत बोरदोलोई
असम
49667 से जीते

उदयनिधि
तमिलनाडु
7140 से जीते

ममता बनर्जी
परिचम बंगाल
15105 से हारीं

एम.के. स्टालिन
तमिलनाडु
8795 से हारे

अग्निमित्रा पॉल
पश्चिम बंगाल
40839 से जीतीं

पिनाराई विजयन
केरल
19247 से जीते

अधीर रंजन
परिचम बंगाल
17548 से हारे

वीणा जार्ज
केरल
18985 से हारीं

ए. जोन कुमार
पुडुचेरी
2371 से जीते

निशिष्ठ प्रमाणिक
पश्चिम बंगाल
57090 से जीते

हारे

एल. मुरुगन
तमिलनाडु
14627 से हारे

गौरव गोगोई
असम
23182 से हारे

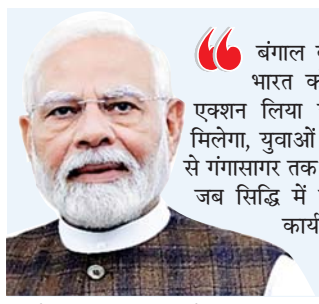

> बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी। घुसपैठ करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा। महिलाओं को सुरक्षा का माहौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा। गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। सालों की साधना जब सिद्धि में बदलती है तो जो खुशी होती है वो खुशी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं।
>
> – **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

> भाजपा ने 100 से ज्यादा सीटों की लूट की है। भाजपा ने धोखाधड़ी की है। चुनाव आयोग अब भाजपा आयोग बन गया है। हमने समय-समय पर इसकी शिकायत की है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था। भाजपा की जीत अनैतिक है। उन्होंने जोर-जबरदस्ती से एसआईआर किया। काउंटिंग एजेंटों को गिरफ्तार किया। हम वापसी करेंगे।
>
> – **ममता बनर्जी,** तृणमूल प्रमुख

> पश्चिम बंगाल और असम में ऐतिहासिक विजय जन-जन के विश्वास और राष्ट्रवादी सोच की जीत है। अंग, बंग और कलिंग हर दिशा में भाजपा का परचम लहराया है। पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और फिर टीएमसी शासन में बंगाल देश में पिछड़ा। पश्चिम बंगाल में जो दुरवस्था थी, यह उसका प्रतिकार है। ममता दीदी को उनकी निर्ममता की कीमत चुकानी पड़ी।
>
> – **डॉ मोहन यादव,** मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) दस साल बाद सत्ता में वापसी करता दिखा। 140 सदस्यीय विधानसभा में यूडीएफ 100 से अधिक सीटों पर बढ़त बनाकर स्पष्ट बहुमत की ओर बढ़ा।

दूसरी ओर लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) को बड़ा झटका लगा। कई मंत्री अपनी सीटें हार गए और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) को अपने पारंपरिक गढ़ों में भी नुकसान हुआ। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन हालांकि अपनी सीट बचाने में सफल रहे, लेकिन गठबंधन की हार ने उनकी राजनीतिक रणनीति पर सवाल खड़े किए।

असम में हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में एनडीए ने लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखी। भाजपा और उसके सहयोगियों एजीपी और बीपीएफ ने मिलकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। सरमा ने अपनी जालुकबाड़ी सीट पर भारी बढ़त बनाई और लगातार जीत का सिलसिला कायम रखा। कांग्रेस के लिए यह चुनाव निराशाजनक रहा, जहां उसके प्रमुख चेहरे गौरव गोगोई भी हार गए।

पुडुचेरी में भले ही सीटें कम हों, लेकिन यहां के परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के संकेतक माने जाते हैं। इस बार भाजपा गठबंधन ने बढ़त बनाकर सरकार बनाने की स्थिति मजबूत की।

स्थानीय दलों और राष्ट्रीय पार्टियों के बीच संतुलन के बावजूद भाजपा का उभार यह दर्शाता है कि छोटे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी उसकी पकड़ मजबूत हो रही है।

पश्चिम बंगाल

2021 में भी भाजपा ने पश्चिम बंगाल में जो आधार तैयार किया था, उसे इस बार और मजबूत किया और जीत हासिल की।

- **सत्ता विरोधी लहर:** 15 साल के शासन के बाद ममता सरकार के खिलाफ व्यापक असंतोष दिखा, खासकर स्थानीय नेताओं के व्यवहार को लेकर।
- **विपक्षी वोटों का एकजुट होना:** कांग्रेस और वाम दल कमजोर रहे, जिससे टीएमसी विरोधी वोट सीधे भाजपा को मिले।
- **मजबूत संगठन और माइक्रो मैनेजमेंट:** बूथ स्तर तक फैले अभियान, घर-घर संपर्क और आक्रामक प्रचार ने भाजपा को बढ़त दिलाई।
- **सामाजिक ध्रुवीकरण और नैरेटिव:** कुछ क्षेत्रों में धार्मिक व सामाजिक ध्रुवीकरण और 'बदलाव' का नैरेटिव भाजपा के पक्ष में गया।

तमिलनाडु

द्रविड़ राजनीति के बीच बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के विजय ने तमिलनाडु समेत देश को चौंकाया है।

- **एंटी-द्रविड़ राजनीति का उभार:** द्रमुक और अन्नाद्रमुक से अलग विकल्प की तलाश में मतदाता द्रविड़ राजनीति से जुदा नए विकल्प की ओर गए।
- **विजय की लोकप्रियता:** फिल्मी स्टारडम और युवा कनेक्शन ने उन्हें तेजी से तमिलनाडु के हर हिस्से में जनसमर्थन दिलाया।
- **नए और साफ-सुथरे चेहरे:** टीवीके ने स्थानीय और गैर-राजनीतिक चेहरों को टिकट देकर भरोसा जीता।
- **आक्रामक और नया कैम्पेन स्टाइल:** टीवीके ने डिजिटल, ग्राउंड और इमोशनल अपील का मिश्रण किया और इसके जरिये मतदाताओं को खुद से जोड़ने में पार्टी सफल रही।

असम

हिमंता सरमा नार्थ ईस्ट में भाजपा के नए पोस्टर बॉय हैं और जीत की हैट्रिक ने उनकी राष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया।

- **मजबूत नेतृत्व और स्थिरता:** हिमंता बिस्व सरमा की व्यक्तिगत छवि और निर्णायक नेतृत्व बड़ा फैक्टर रहा।
- **विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर:** सड़क, कनेक्टिविटी और निवेश जैसे मुद्दों पर सरकार को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।
- **गठबंधन की मजबूती:** असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) जैसे सहयोगियों के साथ भाजपा का मजबूत सामाजिक समीकरण बना।
- **कमजोर विपक्ष:** असम में कांग्रेस आंतरिक गुटबाजी और कमजोर संगठन के कारण प्रभावी चुनौती नहीं दे सकी। खुद गौरव गोगोई भी चुनाव हार गए।

केरलम

पांच साल में सत्ता परिवर्तन का जो सिलसिला पिछली बार टूटा था, वह इस बार फिर सामने आया है।

- **एंटी-इनकंबेंसी फैक्टर:** दो कार्यकाल के बाद वाम मोर्चे की लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) सरकार के खिलाफ नाराजगी साफ दिखी।
- **कांग्रेस का मजबूत कैम्पेन:** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने संगठित और आक्रामक प्रचार किया, जिसने सत्ता के खिलाफ लोगों को एकजुट किया।
- **सामाजिक गठबंधन की मजबूती:** यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को मुस्लिम लीग और अन्य सहयोगियों का मजबूत समर्थन मिला।
- **सत्ता परिवर्तन की परंपरा:** केरल में हर पांच साल बाद चुनाव में सत्ता बदलने का ट्रेंड रहा है, पिछली बार यह टूटा था, अब फिर लौट आया है।

पुडुचेरी

केंद्र शासित प्रदेश में केंद्र और स्थानीय सत्ता के समीकरण ने अपनी पकड़ और मजबूत की है। यहां विपक्ष बिखरा रहा।

- **सत्तारूढ़ गठबंधन की पकड़:** स्थानीय स्तर पर सरकार की पकड़ मजबूत बनी रही, जिससे मतदाताओं ने विकल्प की तलाश नहीं की।
- **विपक्ष का बिखराव:** विपक्षी दल एकजुट नहीं हो पाए, जिससे वोट बंट गए और इसका सीधा फायदा भाजपा नीत एनडीए सरकार को मिला।
- **छोटे राज्य का समीकरण:** कम सीटों वाले राज्य में छोटे अंतर भी बड़ा फर्क डालते हैं। इसलिए यहां कई सीटों पर जीत का मार्जिन कम रहा है।
- **केंद्र का प्रभाव:** केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चूंकि ज्यादातर योजनाएं केंद्र से जुड़ी हैं, इसलिए सत्तारूढ़ भाजपा का असर स्थानीय राजनीति पर दिखा।

कैंपेन इंजीनियरिंग: बंगाल में भाजपा की जीत सुनियोजित, बहुस्तरीय और माइक्रो अभियान का नतीजा

कमल मेला, घर-घर बैठक में चला 'बाचते चाईं, बीजेपी ताईं' का नारा

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत महज बड़े नेताओं की रैलियों या प्रचार तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह एक बेहद सुनियोजित, बहुस्तरीय और माइक्रो स्तर तक फैले अभियान का नतीजा थी। पार्टी ने इस बार चुनाव को एक 'कैंपेन इंजीनियरिंग' की तरह लड़ा, जिसमें हर कदम योजनाबद्ध था और हर गतिविधि का सीधा लक्ष्य मतदाता तक पहुंच बनाना था। भाजपा ने इस चुनाव में 'कमल मेला' के जरिए राजनीति को एक उत्सव का रूप दिया। हर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित इन मेलों में स्थानीय संस्कृति, संगीत, संवाद और राजनीतिक संदेश का अनूठा मेल देखने को मिला। यह केवल राजनीतिक सभा नहीं थी, बल्कि लोगों की भागीदारी वाला सामाजिक कार्यक्रम बन गया। इस पहल का मकसद साफ था- राजनीति को मंच से उतारकर आम लोगों के बीच ले जाना। पारंपरिक रैलियों की तुलना में कमल मेला ने लोगों को सीधे जोड़ने का काम किया और पार्टी को एक अलग पहचान दी।

फुटबॉल मैच: भावनाओं के जरिए पहुंच: बंगाल में फुटबॉल महज खेल नहीं, बल्कि भावना है। भाजपा ने इस भावना को समझते हुए राज्यभर में फुटबॉल मैचों का आयोजन कराया। इन आयोजनों के जरिए युवाओं को जोड़ा गया और पार्टी ने उन इलाकों में भी अपनी पकड़ बनाई, जहां पारंपरिक राजनीतिक गतिविधियां सीमित थीं।

घर-घर बैठकें रही असली गेमचेंजर:

इस पूरे अभियान का सबसे प्रभावी हिस्सा 'आंगन बैठक' मॉडल रहा। फरवरी में परीक्षाओं के कारण जब बड़े स्तर पर प्रचार सीमित हो गया, तब भाजपा ने इसे अवसर में बदल दिया। एक महीने के भीतर 1.65 लाख से अधिक घर-घर बैठकों का आयोजन किया गया।

नारा जिसने बनाया माहौल: 'बाचते चाईं, बीजेपी ताईं' (जीना है तो बीजेपी चाहिए) नारे ने चुनावी माहौल को बदलने में अहम भूमिका निभाई। यह सिर्फ एक चुनावी स्लोगन नहीं रहा, बल्कि लोगों के बीच एक भावना बन गया।

नुक्कड़ सभाएं और चार्जशीट अभियान: जनवरी से अप्रैल के बीच भाजपा ने 12 हजार से ज्यादा नुक्कड़ सभाएं कीं। इन छोटी सभाओं ने बड़े मंचों की कमी को पूरा किया और सीधे संवाद के जरिए स्थानीय मुद्दों को उठाया। 'चार्जशीट अभियान' के जरिए पार्टी ने राज्य सरकार पर सीधा हमला बोला। 220 विधानसभा में इस अभियान में 150 से अधिक नेताओं ने भाग लिया और 80 से ज्यादा प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए सरकार के खिलाफ मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

ये वजहें भी रहीं निर्णायक

- **ममता सरकार से नाराजगी:** बीते 15 सालों से सत्ता में रहीं ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ इस बार स्पष्ट नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों की शिकायत थी कि स्थानीय स्तर पर टीएमसी नेताओं और कार्यकर्ताओं की मनमानी बढ़ गई है।
- **भाजपा का लगातार बढ़ता आधार:** भाजपा की यह सफलता अचानक नहीं आई। 2016 में महज 3 सीटों से शुरू होकर 2021 में 77 सीटों तक पहुंचने वाली पार्टी ने पिछले एक दशक में लगातार अपना जनाधार मजबूत किया। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का वोट शेयर 40 फीसदी के पार पहुंचा था, जो बढ़ा है।
- **कांग्रेस और वाम दलों की कमजोर स्थिति:** इस चुनाव में मुकाबला मुख्य रूप से बीजेपी और टीएमसी के बीच सिमट गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और वाम दल जमीनी स्तर पर कमजोर नजर आए।

वोटों का ध्रुवीकरण: चुनाव के दौरान वोटों के ध्रुवीकरण को लेकर भी चर्चा रही। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि हिंदू मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा भाजपा के पक्ष में एकजुट हुआ।

चुनावी नतीजों से जुड़ी खबरें यहां भी सुनेत्रा की 2.18 लाख वोटों से ऐतिहासिक जीत- पेज-11 पर रियल लाइफ के हीरो बने तमिल 'जननायक' पेज- 12 पर

संक्षिप्त खबरें

डॉ. आकाश बने फाइमा के राष्ट्रीय प्रवक्ता

नगर संवाददाता, भोपाल। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन

(फाइमा) ने डॉ. आकाश सोनी को संगठन का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है। यह निर्णय देशभर के डॉक्टरों के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाने के उद्देश्य से लिया गया है। डॉ. सोनी लंबे समय से चिकित्सा क्षेत्र में सक्रिय हैं और डॉक्टरों के अधिकार, सुरक्षा और कार्य परिस्थितियों में सुधार के लिए काम करते रहे हैं। उनकी नियुक्ति से संगठन को सरकार और समाज के सामने अपनी बात मजबूती से रखने में मदद मिलेगी। फाइमा एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है, जो डॉक्टरों और मेडिकल स्टूडेंट्स का प्रतिनिधित्व करता है और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्य करता है। अपनी नियुक्ति पर डॉ. आकाश सोनी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा से डॉक्टरों के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत बनाना है।

चना-मसूर का उपार्जन अब 28 मई तक किया जाएगा

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 कर दी गई है, इससे वंचित किसान भी पंजीयन कर अपनी उपज बेच सकेंगे। इसी तरह चने और मसूर का उपार्जन 28 मई तक किया जाएगा। सीएम ने कहा कि प्राइस सपोर्ट स्कीम वर्ष-2026 के तहत लगभग 600 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। चने के लिए 6.49 लाख मीट्रिक टन एवं मसूर के लिए 6.01 लाख मीट्रिक टन उपार्जन का लक्ष्य है। तुअर के लिए 1.31 लाख मीट्रिक टन का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपार्जित उपज का भुगतान समय पर किसानों के खातों में सुनिश्चित किया जा रहा है।

अब रात 10 बजे तक बन सकेगी तौल पर्ची

विसं भोपाल। गेहूं उपार्जन कराने वाले किसानों की तौल पर्ची अब रात्रि 10 बजे तक भी बनेगी,जबकि किसानों को रात 12 बजे तक भुगतान कराया जाएगा। यह जानकारी खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने दी। उन्होंने बताया कि अभी तक 7 लाख 48 हजार किसानों से 39 लाख 2 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। अभी तक 14 लाख 75 हजार किसानों द्वारा गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक कराए गए हैं। किसानों के हित में गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा स्लॉट बुकिंग एवं उपार्जन की मॉनिटरिंग की जा रही है।

एमपी ट्रांसको ने नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया

विसं भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने इंदौर मेट्रो रेल परियोजना को विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति करने के लिए 220 केवी सब स्टेशन मांगलिया, इंदौर में 200 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया है। उन्होंने बताया कि चुनौतियों के बावजूद इंदौर जैसे शहर मे यह कार्य मेट्रो परियोजना की आवश्यकताओं के साथ ही शहर की विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। घनी आबादी वाला शहरी क्षेत्र होने के कारण खजराना में अतिरिक्त विद्युत पारेषण अवसंरचना विकसित करना तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण था।

2160 शिक्षक होंगे आनंद सभा के प्रशिक्षक

भोपाल । राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश में शिक्षा को मानवीय एवं मूल्य-आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत प्रदेश के शासकीय स्कूली शिक्षकों के लिये 6 दिवसीय आवासीय कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित की जा रही है, जिसका शुभारंभ वाल्मी, ईटीसी सेंटर नीलबड़ और राज्य आनंद संस्थान में मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशीष कुमार ने किया। प्रशिक्षण कार्यकेम के अंतर्गत कुल 18 कार्यशालाएं आयोजित होंगी, जिनमें प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 2160 शिक्षक सहभागिता करेंगे।मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार ने कहा कि आनंद सभा के अंतर्गत हमारा लक्ष्य है कि विद्यालयों में आनंद सभा के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन के गहरे मूल्यों से जोड़ा जाए। यह पहल शिक्षा व्यवस्था में एक सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रयास है।

झालमुड़ी खाकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया चुनावों में जीत का जश्न

पटाखे, मिठाई लेकर पार्टी मुख्यालय पहुंचे कार्यकर्ता, ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचकर मनाया जश्न

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा मुख्यालय में सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने झालमुड़ी खाकर तीन राज्यों में पार्टी की जीत का जश्न मनाया। नेताओं ने दावा किया कि राज्यों में पार्टी को मिली जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और विकास का जनादेश है। पांच राज्यों में मतगणना का रुझान सामने आते ही प्रदेश भाजपा दफ्तर सहित राज्य के जिला मुख्यालयों में कार्यकर्ता पटाखे, मिठाई लेकर पहुंचे और ढोल नगाड़ों के बीच उन्होंने जीत का जश्न मनाया। दोपहर बाद वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं को उत्साह बढ़ाया। कुछ नेताओं को झालमुड़ी बनाते भी देखा गया, तो कार्यकर्ता भी झालमुड़ी खाते देखे गए। इधर शाम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भाजपा दफ्तर पहुंचे। जहां उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल,कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और सांसद विष्णुदत्त शर्मा के साथ कार्यकर्ताओं के जश्न राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत का जश्न मनाया।

जहां गए सीएम,वहां मिली जीत

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने से लेकर चुनावी प्रचार में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सहभागिता रही है। जानकारों की माने तो डॉ. यादव ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण में आने वाली विधानसभाओं के अलावा हिन्दी भाषी और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में प्रचार किया। इन सभी सीटों पर भाजपा के प्रत्याशियों को जीत हासिल हुई है।

नेताओं ने ये कहा

- केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जीत केवल बंगाल की नहीं, बल्कि भारत माता और देश की विजय है। क्योंकि टीएमसी ने वहां की डेमोग्राफी ही बदल दी थी। सुरक्षित बंगाल विकसित बंगाल की यह जीत है और यह केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से ही संभव हो सकता है, क्योंकि मोदी है, तो सब संभव है। उन्होंने कहा कि इस जीत से एक संकल्प, एक सपना पूरा हुआ है।
- नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि उन्हें कितनी खुशी हो रही है, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। विशेषकर पश्चिम बंगाल में उनके खिलाफ कई प्रकरण दर्ज किए गए थे, जिनमें गंभीर आरोप भी शामिल थे। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने संघर्ष जारी रखा और आज परिणाम सबके सामने हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि यदि केंद्रीय मंत्री अमित शाह नहीं होते, तो उनकी फोटो पर माला टंगी होती। बंगाल की जीत देश के लिए एक बड़ा तोहफा है। विजयवर्गीय अपनी प्रतिक्रिया देते वक्त भावुक नजर आए।
- प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि कांग्रेस देश के नक्शे से गायब हो गई है। झालमुड़ी मेरे लिए नई नहीं है, क्योंकि कोलकाता में मेरी ससुराल है। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में राष्ट्रीविरोधी ताकते पीछे हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी को सफलता मिली है। एक ऐसी पार्टी एक ऐसा नेता जिन्होंने हमेशा आम लोगों के हित में काम किया,भारत का मान बढ़ाया हैं।
- खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि यह आनंदित होने का क्षण है कि गुंडे, अपराधियों और घुसपैठियों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल को खत्म कर दिया है। प्रधानमंत्री गरीबों के मसीहा हैं। न केवल पश्चिम बंगाल व असम बल्कि पुडुंचेरी और केरल में भी भाजपा ने इतिहास रचने का काम किया है। यह देश की जनता का प्रधानमंत्री मोदी के प्रति विश्वास का प्रतीक है।

अब नगर निगम-पालिकाओं से जुड़े छोटे विवाद भी ट्रिब्यूनल सुलझाएगा

दो साल में निपटेंगे विवाद, कोर्ट का भार होगा कम, नहीं रुकेंगे विकास कार्य

मुख्य संवाददाता, भोपाल। नगरीय और ग्राम निकायों से जुड़े छोटे-छोटे विवाद अब न अदालत पहुंचेंगे और न इन विवादों का साया विकास कार्यों पर पड़ेगा। सरकारी विभाग, निगम-मंडलों व आयोग की तरह नगर निगम, पालिकाओं से लेकर ग्राम पंचायतों से जुड़े विवादों का निपटारा भी अब स्पेशल ट्रिब्यूनल में किया जाएगा। निकायों द्वारा कराए जाने वाले निर्माण कार्यों के अलावा सड़क, बांध, पुल के साथ ही विद्युत लाइन, सीवरेज सिस्टम और सामग्री सप्लाई जैसे ठेकों के उल्लंघन के मामलों का निराकरण भी अदालतों की बजाए इस ट्रिब्यूनल में ही किया जा सकेगा। विवादों के निराकरण को लेकर इस बदलाव की वजह है मध्य प्रदेश माध्यस्थम् अधिकरण अधिनियम 2025 में किया गया संशोधन। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद 17 अप्रैल से इसे लागू भी कर दिया गया है। संशोधन के बाद अधिनियम की परिभाषा बदल गई है तो इसका दायरा भी कई गुना बढ़ा दिया गया है। विवादों के निराकरण की समय सीमा भी तय कर दी गई है। अब इसमें सिर्फ बड़ी सरकारी कंपनियां ही नहीं, बल्कि नगर पालिका व नगर निगम, यहां तक कि ग्राम पंचायतें भी शामिल होंगी। इसका मतलब है कि इन निकायों के निर्माण कार्यों के विवाद भी अब इसी स्पेशल ट्रिब्यूनल में भेजे जाएंगे।

पारदर्शिता के लिए कार्यकाल घटाया

ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के लिए अब एक सर्च-कम-सिलेक्शन कमेटी बनाई जाएगी। इस कमेटी की अध्यक्षता हाई कोर्ट के जज करेंग और प्रदेश के मुख्य सचिव इस कमेटी के सदस्य होंगे। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कमेटी चेयरमेन और सदस्यों के पद के लिए दो-दो नामों के पैनल की सिफारिश करेगी, जिस पर अंतिम फैसला सरकार लगी। अब ट्रिब्यूनल के चेयरमेन और सदस्यों का कार्यकाल 5 साल से घटाकर 3 साल कर दिया गया है। यदि कोई सदस्य काम करने में अक्षम पाया जाता है या अपने पद का गलत इस्तेमाल करता है, तो उसे हटाने के नियम भी अब काफी सख्त कर दिए गए हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी सुनवाई: डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देते हुए अब ट्रिब्यूनल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी सुनवाई हो सकेगी। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव डेडलाइन में किया गया है। अब ट्रिब्यूनल को नोटिस मिलने के 2 साल के भीतर अपना फैसला सुनाना होगा। अगर बहुत जरूरी हुआ तो स्पेशल केस में ही सिर्फ 6 माह का अतिरिक्त समय मिल सकेगा।

इस कारण कानून में बदलाव

ट्रिब्यूनल में अब तक केवल निर्माण विभागों जैसे पीडब्ल्यूडी, पीएचई, जल संसाधन और निगम-मंडलों जैसे सड़क विकास प्राधिकरण, आवास संघ एवं हाउसिंग बोर्ड से जुड़े विवादों की ही सुनवाई होती थी। ऐसे में नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद और ग्राम पंचायतों में छोटे ठेकेदारों और शासन के बीच होने वाले विवाद सीधे कोर्ट जाते थे। कई बार ठेकेदार अदालत से स्टे ले आते थे और विकास कार्य सालों तक अटक जाते थे। अब दो साल की डेडलाइन में न केवल मामला सुलझेगा, बल्कि निर्माण कार्यों पर भी रोक न लगे, इसके लिए इंटरिम ऑर्डर जारी होंगे और किसी अन्य ठेकेदार से काम करवा लिया जाएगा। सरकार को ऐसी भी शिकायतें मिली थीं कि ट्रिब्यूनल में सुनवाई के बाद फैसला आने में पांच साल तक का समय लग जाता है। यही वजह रही कि निपटारे की डेडलाइन भी घटाकर दो साल तय कर दी गई। ट्रिब्यूनल के सदस्यों और चेयरमैन का पांच साल लंबा कार्यकाल भी बाधा बन रहा था, क्योंकि वे एक ही पद और स्थान पर पदस्थ रहते थे। अब उनकी सेवा अवधि को भी घटाया गया है।

कोर्ट से ट्रांसफर होंगे केस

इस बदलाव के बाद सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि जन सुविधा के विकास कार्य अब निकायों और ठेकेदारों के बीच विवाद की स्थिति में भी बंद नहीं होंगे। ट्रिब्यूनल में सुनवाई के दौरान भी विकास कार्य जारी रहेंगे। इससे ठेकेदारों और सरकार के बीच लंबित पड़े करोड़ों रुपयों के विवादों का निपटारा जल्द हो सकेगा। अगर सुनवाई के दौरान दोनों पक्ष आपस में समझौता कर लेते हैं, तो ट्रिब्यूनल उस समझौते के आधार पर केस को वहीं बंद कर सकता है। नए कानून में अंतरिम राहत का भी प्रावधान है। सुनवाई के दौरान किसी सामान को खराब होने से बचाने, बैंक गारंटी को कैश कराने या किसी प्रॉपर्टी के निरीक्षण के लिए कोर्ट से तुरंत आदेश लिये जा सकेंगे। यह कानून उन सभी मामलों पर भी लागू होगा जो अभी कोर्ट में लंबित हैं।

नवाचार कर शैक्षणिक गुणवत्ता पर किया फोकस : मुख्यमंत्री

ग्वालियर में ऋषि गालव विश्वविद्यालय के भूमिपूजन कार्यक्रम को किया संबोधित

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में हमने उच्च शिक्षा में नवाचारों के जरिए शैक्षणिक गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया है। विश्वविद्यालय शिक्षा का केन्द्र होने के साथ ही राष्ट्र निर्माण का भी स्थल होता है। ऋषि गालव विश्वविद्यालय भी इसी दिशा में काम करेगा। मुख्यमंत्री का यह संबोधन मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित किए जा रहे ग्वालियर में ऋषि गालव विश्वविद्यालय के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की सुदामा से मित्रता की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करती है, यह इस बात का संकेत है कि गरीब-अमीर के बीच कोई परदा नहीं होना चाहिए। नालंदा, तक्षशिला विश्वविद्यालयों के माध्यम से मानवता के मूल्यों के प्रसार का उदाहरण भी भारतीय ज्ञान परम्परा में विद्यमान है। इसी भाव का अनुसरण करते हुए प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों में योग्यता, दक्षता और चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डॉ. यादव ने कहा कि ऋषि गालव विश्वविद्यालय सरकार और समाज के साझा प्रयासों का एक सजीव उदाहरण बनेगा। राष्ट्रवादी विचारों को समर्पित इस विश्वविद्यालय की पूर्ण गौरव और गरिमा के साथ स्थापना में राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, इसे आधार मानकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार किए हैं। इस क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति को कुलगुरु का सम्मानजनक और श्रद्धापूर्ण संबोधन प्रदान किया गया है। संपूर्ण प्रदेश में गुरु पूर्णिमा का आयोजन भी इसी क्रम का नवाचार है।

परिवेश का विकास ही वास्तविक विकास है:सोनी

मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य सुरेश सोनी ने कहा कि सड़क, भवन व अन्य अधोसंरचनाओं का निर्माण एवं आविष्कार केवल परिवेश का विकास है। वास्तविक विकास वह होता है जिसमें मनुष्य के साथ परिवेश का भी विकास हो। मनुष्य अधिक संवेदनशील, विचारवान व व्यापक दृष्टिकोण वाले हों। इसी पुनीत उद्देश्य को लेकर मध्यभारत शिक्षा समिति द्वारा ऋषि गालव विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा रोजगारपरक शिक्षा के साथ-साथ मनुष्य के चरित्र निर्माण पर भी जोर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि खुशी की बात है सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति भी इसी भावना के साथ बनाई गई है कि ज्ञान, चरित्र व संस्कार के साथ युवा अपने पैरों पर खड़े हों। साथ ही दूसरों को भी रोजगार व नौकरी देने वाले बनें। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ मध्यभारत प्रांत के संघचालक अशोक पाण्डे ने कहा कोई भी देश केवल सैन्य शक्ति की बदौलत महान नहीं बन सकता। महान बनने के लिए शिक्षा व संस्कारों की जरूरत होती है। ऋषि गालव विश्वविद्यालय की स्थापना इसी भाव के साथ की जा रही है।

आंदोलन से पहले किसान नेता नजरबंद

मांगों को लेकर फंदा नाके पर होने थे एकत्र

विशेष संवाददाता भोपाल। अपनी मांगों को लेकर प्रदेश व्यापी आंदोलन की तैयारी कर रहे किसान संगठनों के नेताओं को नजरबंद कर लिया गया है। उधर कांग्रेस ने भी 7 मई को किसानों की मांगों के लेकर नेशनल हाईवे जाम करने का एलान किया है। 15 सूत्रीय मांगों को लेकर किसान सोमवार को सीहोर भोपाल मार्ग पर फंदा टोल नाके के पास एकत्र होने वाले थे,लेकिन उससे पहले ही प्रशासन ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया और उनके नेताओं को नजरबंद कर दिया। कई किसान नेताओं को उनके घरों में ही नजरबंद किया गया है, ताकि वे भोपाल नहीं पहुंच सके। किसान मजदूर महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि लगभग 30 जिलों के कार्यकर्ता भोपाल आने वाले थे,लेकिन पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर उन्हें रोक लिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से सरकार के सामने रखना चाहते थे। यदि उनकी मांगों पूरी नहीं हुई तो भविष्य में किसान बड़ा प्रदर्शन करेंगे। उधर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी एलान किया है कि किसानों की समस्याओं को लेकर 7 मई को बड़वानी से से मुरैना तक राष्ट्रीय राज्यमार्ग को जाम करेंगे।

राजधानी में एसडीएम कार्यालय के पास किसानों ने प्रदर्शन किया।

कैबिनेट की बैठक आज, कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित कई अहम फैसले होंगे

विशेष संवाददाता भोपाल। मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की 5 मई मंगलवार को बैठक आहुत की गई है, जिसमें कई अहम फैसले लिए जाएंगे। बैठक में कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़े प्रस्ताव पर मुहर लग सकती है। जानकारी के अनुसार कैबिनेट की बैठक मंत्रालय में पूर्वान्ह 11 बजे प्रारम्भ होगी। जिसमें कर्मचारियों से जुड़े कुछ अहम प्रस्तावों पर चर्चा होने के बाद सहमति बन सकती है। इसके अलावा मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों के साथ गेहूं उपार्जन सहित किसानों से जुड़े दूसरे विषयों पर भी संवाद कर सकते है।

दो संतान की बाध्यता होगी खत्म : इधर राज्य सरकार द्वारा दिग्विजय सिंह सरकार द्वारा राज्य के अधिकारी कर्मचारियों के लिए दो संतान वाला कानून की बाध्यता को खत्म कर सकती है। इस कानून में प्रावधान है कि यदि अधिकारी कर्मचारियों की दो से अधिक संतान होती है,तो उनकी सेवाएं समाप्त हो जाएगी। इस पर जमकर विरोध हुआ था। इस कानून को निरस्त करने को लेकर कर्मचारी संगठनों द्वारा पिछले एक साल से अपनी मांग तेज की गई है।

कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना

इसी तरह कर्मचारियों द्वारा लंबे समय से कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना की मांग की जा रही है। पूर्व सीएम कमलनाथ के समय इसे लेकर कर्मचारी संगठन सक्रिय हुए थे। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान सरकार के समय भी इस विषय को लेकर कई बैठकें हुई,लेकिन कोई निर्णय नहीं हो सका था। कर्मचारियों ने पिछले वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी अपनी दोनों मांगों को लेकर मुलाकात की थी,तब सीएम डॉ. यादव ने कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना की घोषणा भी कर दी थी। जिसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग और कर्मचारी संगठनों की कई बार बैठकें भी हुई,तो दूसरे राज्यों की इस योजना का अध्ययन भी किया गया। ऐसी उम्मीद है कि सरकार इन दोनों विषयों पर मुख्यमंत्री की सहमति के बाद कैबिनेट में लाकर उस पर निर्णय ले सकती है।

पदभार — मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष रेखा यादव ने संभाला कामकाज

शिकायतों के निवारण तक सीमित नहीं रहेगा आयोग: यादव

विशेष संवाददाता भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष रेखा यादव ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर उन्होंने अपनी प्राथमिकताए गिनाते हुए कहा कि आयोग केवल महिलाओं की शिकायतों के निवारण तक सीमित नहीं रहेगा,अलबत्ता महिलाओं के वैचारिक और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में भी काम करेगा। पदभार ग्रहण करने के उपरांत पत्रकारों से संवाद करते हुए रेखा यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि मध्यप्रदेश की हर नारी आत्मनिर्भर और सुरक्षित महसूस करे। मेरा प्राथमिक दायित्व उनके इसी विजन को साकार करना है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि आयोग महिला अपराधों को लेकर संवेदनशील है और उन्हें रोकने के लिए कड़ा रुख अख्त्यिार करेगा। अध्यक्ष ने कहा कि कानून अपनी जगह है, लेकिन समाज की मानसिकता में बदलाव लाए बिना स्थायी सुधार संभव नहीं है। कानूनों के निर्माण से अपराधों पर पूर्णतः अंकुश नहीं लगाया जा सकता, इसके लिए मानव की सोच और सामाजिक दृष्टिकोण को बदलना नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक पुरुष प्रधान सोच और महिलाओं के प्रति समाज का नजरिया नहीं बदलेगा, तब तक

अपराध की प्रवृत्ति में स्थायी सुधार संभव नहीं है। आयोग अध्यक्ष यादव ने महिलाओं का आह्वान किया कि वे स्वयं भी जागरूक बनें और अपने अधिकारों को पहचानें, क्योंकि एक जागरूक नारी ही अपने खिलाफ होने वाले अन्याय के विरुद्ध मजबूती से खड़ी हो सकती है। उन्होंने कहा कि अधिकारों की जानकारी ही बचाव की पहली सीढ़ी है। अक्सर जानकारी के अभाव में महिलाएं शोषण सहती रहती हैं। राज्य महिला आयोग अब एक मित्र और मार्गदर्शकको भूमिका निभाएगा। हम हर जिले में महिलाओं तक पहुंचेंगे ताकि वे बिना किसी डर के अपनी बात रख सकें।

शर्मा ने भी संभाला दायित्व

सोमवार को महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थाने के नवनियुक्त अध्यक्ष कौशल शर्मा ने भी पदभार ग्रहण कर लिया। इससे पहले उन्होंने भाजपा दफ्तर पहुंचकर महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भेंट की। इसके उपरांत वे अपने कार्यालय पहुंचे और विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर शर्मा ने कहा कि वे संस्थान की कार्यप्रणाली को समझकर मध्यप्रदेश की उन्नति के लिए काम करेंगे। संस्थान केवल शैक्षणिक संस्था नहीं,बल्कि भारतीय संस्कृति,परंपरा और संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन का महत्वपूर्ण केन्द्र है। सरकार के मंत्री विश्वास कैलाश सारंग,राव उदय प्रताप सिंह,प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल सहित दूसरे नेता मौजूद रहे।

स्थापक ने भी किया पदभार ग्रहण

महिला आयोग की सदस्य बनाई गई साधना स्थापक ने भी अपना दायित्व संभाल लिया। अध्यक्ष और सदस्य ने बाद में सदस्य सचिव सुरेश तोमर सहित वरिष्ठ अधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

10 लेन सड़क परियोजना की मंत्री ने की समीक्षा

विसं भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को अयोध्या बायपास पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की 10-लेन सड़क परियोजना एवं जल निकासी व्यवस्था को लेकर नगर निगम और एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सड़क निर्माण कार्यों के कारण स्थानीय नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। राज्यमंत्री गौर ने कहा कि अधिकारी संयुक्त रूप से प्रभावित इलाकों का सघन दौरा करें। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए बारिश के मौसम से पहले जल निकासी और नाली निर्माण की सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद कर ली जाएं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए इन्हें समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।बैठक में बताया गया कि एनएचएआई द्वारा 52 मीटर चौड़ाई में सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

वर्ष 69 ▸ अंक 216 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, मंगलवार 05 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 04, विक्रम संवत् 2083
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

सोच का ही फर्क होता है,
वरना समस्याएं आपको
कमजोर नहीं बल्कि मजबूत
बनाने के लिए आती हैं।
- अज्ञात

ऑफ बीट

मां के रिटायरमेंट पर की नोटों की बारिश

जुलाना, जेएनएन। जींद के जुलाना में इन दिनों एक रिटायरमेंट पार्टी के चर्चे हर नुक्कड़ पर हो रहे हैं। जैजैवंती स्वास्थ्य केंद्र में तैनात नर्सिंग ऑफिसर शान देवी ने अपनी जिंदगी के करीब 40 साल मरीजों की सेवा में लगा दिए। जब उनके विदाई का वक्त आया, तो उनके लाडले बेटे ने कुछ ऐसा जुगाड़ भिड़ाया कि देखने वालों की आंखें फटी की फटी रह गईं। आमतौर पर लोग नई गाड़ी को फूलों और रिबन से सजाते हैं। बेटे ने अपनी मां को जो नई कार तोहफे में दी, उसे 10-10 रुपये के नोटों से ऐसे ढका गया था जैसे गाड़ी को रुपयों की चादर ओढ़ा दी गई हो जैसे ही शान देवी केंद्र से बाहर आईं, उनका स्वागत किसी रानी की तरह हुआ। ड्राइवर के शीशे को छोड़कर कार के हर कोने पर नोट चिपकाए गए थे और बीच में मां की प्यारी सी तस्वीर लगी थी। यह सिर्फ एक महंगा तोहफा नहीं था, बल्कि एक बेटे का अपनी मां के संघर्षों के प्रति रॉयल सलाम था। शान देवी ने बताया कि उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि रिटायरमेंट का दिन इतना यादगार होगा। उनके मुताबिक, बेटे-बहू ने जो सरप्राइज दिया, उसने तो कलेजा खुश कर दिया।

आईपीएल में आज

दिल्ली बनाम चैन्नई
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारणः स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणामः मुंबई ने लखनऊ को 6 विकेट से हराया।

ईरान का अमेरिकी जहाज पर मिसाइल अटैक

अमेरिका बोला- ये झूठ ट्रंप ने कहा था जहाजों को सुरक्षित निकालेंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक अमेरिकी नेवी शिप पर दो मिसाइलें दागीं। हमले में जहाज को नुकसान पहुंचा, जिसके बाद उसे पीछे हटना पड़ा। ईरानी न्यूज एजेंसी फार्स ने इस बारे में जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला तब किया गया जब अमेरिकी जहाज ईरानी नौसेना की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए होर्मुज से गुजरने की कोशिश की। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड सेंटकॉम ने होर्मुज में अपने किसी भी नौसैनिक जहाज पर हमले की खबरों को खारिज कर दिया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अमेरिकी सेना होर्मुज में प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत काम कर रही है। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिकी सेना इस इलाके में फंसे जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद करेगी और किसी भी रुकावट का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

अमेरिका ने जहाजों पर हमले का दावा नकारा

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने होर्मुज में अपने किसी भी नौसैनिक जहाज पर हमले की खबरों को खारिज किया है। कमांड ने एक्स पर कहा कि अमेरिकी सेना प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत काम कर रही है और ईरानी बंदरगाहों पर लागू नौसैनिक नाकेबंदी को मजबूत कर रही है। ईरानी प्रेस ने दावा किया था कि सेना ने होर्मुज में एक अमेरिकी जहाज पर मिसाइल हमला किया है।

लेबनान में जमीनी लड़ाई शुरू

लेबनान में हिजबुल्लाह और इजराइली सेना के बीच जमीनी लड़ाई शुरू हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान के वादी राज इलाके में दोनों पक्षों के बीच झड़पें हो रही हैं। नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस जमीनी लड़ाई में मशीनगनों और सीधे दागे जाने वाले गोले का इस्तेमाल किया है।

यूएई के एमिरेट्स एयरलाइन की 96 प्रतिशत उड़ानें फिर शुरू

यूएई की एमिरेट्स एयरलाइन ने कहा है कि उसकी लगभग सभी उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं। अब वह अपने 96 प्रतिशत रूट पर फ्लाइट चला रही है। पहले अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध की वजह से कई उड़ानें बंद या प्रभावित हो गई थीं।

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीता!

ट्रांसजेंडर संशोधन एक्ट पर सभी राज्यों, केंद्र को नोटिस

छह सप्ताह में मांगा जवाब, संवैधानिक वैधता को दी गई है चुनौती

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार और सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस मामले पर 6 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। अब इस मामले की सुनवाई तीन जजों की बेंच करेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने संशोधन पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह संशोधन ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से सेल्फ आइडेंटिफिकेशन (अपनी पहचान खुद तय करने) का अधिकार छीनता है। यह 2014 के ऐतिहासिक एनएएलएसए जजमेंट के खिलाफ है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने खुद की लैंगिक पहचान चुनने को मौलिक अधिकार घोषित किया था। जस्टिस बागची ने इस दौरान टिप्पणी की कि विधायिका किसी फैसले के आधार को बदल सकती है। नए संशोधन के बाद अब ट्रांसजेंडर पहचान के लिए व्यक्ति की अपनी इच्छा के बजाय मेडिकल इवैल्यूएशन यानी डॉक्टरी जांच को आधार बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट अब मेडिकल बोर्ड की सिफारिश के बाद ही पहचान पत्र जारी करेंगे, जो निजता और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है। एक पक्ष हर्ष असद ने बेंच को बताया कि यह एक्ट अभी लागू नहीं हुआ है, क्योंकि केंद्र ने इसे नोटिफाई नहीं किया है। उन्होंने दलील दी कि याचिकाएं समय से पहले दाखिल की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय के कुछ लोग सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि इस संशोधन को लागू न किया जाए।

सीजेआई का सवालः क्या लोग फायदा नहीं उठाएंगे

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सेल्फ आइडेंटिफिकेशन के अधिकार को लेकर कुछ चिंताएं जताईं। उन्होंने पूछा, क्या इससे कोई खतरा पैदा नहीं होता? क्या ऐसे लोग नहीं हो सकते जो ट्रांसजेंडर होने का दिखावा करें ताकि उन्हें इस समुदाय के लिए तय आरक्षण या विशेषाधिकारों का लाभ मिल सके? इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि उनकी जानकारी के अनुसार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अभी कोई आरक्षण लागू नहीं है इसलिए गलत इस्तेमाल की संभावना नहीं है।

सीएम बोले- प्रदेश में गांवों के विकास में डेयरी सेक्टर बनेगा मजबूत आधार

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गांवों के विकास में डेयरी सेक्टर मजबूत आधार है। हमारी सरकार पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों को नवाचारों के जरिए आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दूध का कोई विकल्प नहीं है। इस दिशा में हमारा देश और प्रदेश तेजी से चहुमुंखी विकास की ओर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री सोमवार को ग्वालियर में राज्य स्तरीय पशुपालक एवं दुग्ध उत्पादक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दुग्ध उत्पादन एवं इसके जरिए स्वावलंबन को ग्रामीण विकास का प्रमुख स्तंभ बनाकर प्रदेश को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास कर रही है। किसानों के घर में खुशहाली लाने में हम कोई कमी नहीं रखेंगे। पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन के लिए सरकार नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ाने की ओर बढ़ रही है। दूध के दाम बढ़ते ही जा रहे हैं। इसका सीधा लाभ पशुपालकों तक पहुंचाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रही है। सीएम ने कहा कि बीमार पशुओं के मौके पर ही समुचित इलाज के लिए प्रदेश में गौ-एंबुलेंस का संचालन भी किया जा रहा है। एक फोन करने पर गौ-एम्बुलेंस सीधे पशुपालक के घर पहुंच जाती है। यह गौवंश के प्रति हमारे सम्मान, आस्था और संवेदनशीलता का भी परिचायक है।

सीएम ने की राज्य स्तरीय पशुपालक एवं दुग्ध उत्पादक सम्मेलन में हिस्सेदारी।

पशुओं का केयर एंड वेलनेस सेंटर खोलने की घोषणा

डॉ. यादव ने कहा कि सरकार डेयरी क्षेत्र में नवाचार करते हुए निवेश भी बढ़ाने के लिए सभी प्रयास कर रही है। निवेश आयेगा, तो इस सेक्टर में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। हम हमारे युवाओं को गांवों में ही रोजगार मुहैया कराने के लिए सभी बेहतर संभावनाओं पर फोकस कर रहे हैं। हम प्रदेश को देश का मिल्क केपिटल बनाकर रहेंगे। डॉ. यादव ने ग्वालियर में पशुओं का केयर एंड वेलनेस सेंटर खोलने, ग्वालियर के पशु स्वास्थ्य एवं उपचार केन्द्र का उन्नयन करने तथा डबरा में नया पशु चिकित्सालय खोलने की घोषणा की। पशुपालन राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि प्रदेश में पहली बार पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों का इतना वृहद समागम हुआ है। यह समागम डेयरी सेक्टर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। सरकार प्रदेश में पशुपालन उद्यमिता को लाभकारी, टिकाऊ और रोजगार सृजन मॉडल के रूप में स्थापित कर रहा है।

आत्मनिर्भर भारत
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
सहकार से समृद्धि

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
"दुनिया के लिए सहकारिता एक बिजनेस मॉडल है, लेकिन भारत के लिए यह हमारी संस्कृति का आधार और जीवन जीने का तरीका है।"

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के
मार्गदर्शन में नैनो उर्वरकों से हो रही है भारतीय कृषि सशक्त

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री
श्री अमित शाह जी

नैनो उर्वरकों का कमाल, हर खेत-किसान बने खुशहाल
नैनो यूरिया प्लस • नैनो डीएपी • नैनो एनपीके • नैनो ज़िंक • नैनो कॉपर
धरामृत • सागरिका • जैव उर्वरक
उत्तम खेती के लिए स्मार्ट समाधान

मिट्टी की उर्वरता बढ़े
कम लागत में अधिक उत्पादन
पर्यावरण के लिए सुरक्षित
फसल की गुणवत्ता में सुधार
कम मात्रा में अधिक प्रभाव
भंडारण एवं प्रयोग करने में आसान

इफको का है यह अभियान
स्वस्थ हो धरती, खुशहाल बने किसान

इफको के नैनो उर्वरक सम्पूर्ण स्वदेशी हैं | इफको द्वारा विकसित नैनो उर्वरक, आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर कृषि की पहचान हैं

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
इफको सदन, सी-1, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत प्लेस, नई दिल्ली - 110017
दूरभाषः 91-11-26510001, 91-11-42592626 | वेबसाइटः www.iffco.in
ग्राहक सेवा हेल्पलाइन नंबर (टोल फ्री): 1800 103 1967
इफको के उत्पाद और सेवाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें और हमसे जुड़ें

संक्षिप्त खबरें

पूर्व कर्मचारी निकला चोर, साथी के साथ मिलकर चोरी किए थे 13 कूलर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हनुमानगंज इलाके में कूलर और अलमारी के कारखाने में पूर्व कर्मचारी ने चोरी की थी। उसने साथी के साथ मिलकर 13 कूलर, 22 कूलर की मोटर और एक अलमारी चोरी की थी। यह सब सामान एक वाहन में भरकर चोर ले उड़े थे। सीसीटीवी फुटेज में आए संदेही वाहन के आधार पर आरोपी पकड़े गए। पुलिस ने उसने चोरी का माल और वाहन जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत 5 लाख रुपए बताई गई है। हनुमानगंज थाना प्रभारी अवधेश सिंह भदौरिया ने बताया कि 2 मई को फरियादी अमान उर रहमान (26) पिता हिबजुल रहमान निवासी पीजीबीटी कालेज के पास बैरसिया रोड ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। अमान ने बताया कि मेरा जय भारत स्टडी के सामने कूलर और अलमारी बनाने का कारखाना है। 1 मई की रात साढ़े 10 बजे वह कारखाना बंद करके घर चला गया था। अगले दिन आया तो कारखाना का शटर का ताला टूटा था। अंदर जाकर देखा तो कारखाने से कूलर, अलमारी समेत अन्य सामान चोरी हो चुका था। इस पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले। रात के समय एक वाहन संदेही दिखा। उक्त वाहन के आधार पर आरोपी शहबाज (24) पिता सलीम निवासी जनता नगर करोंद को दबोचा। पूछताछ में शहबाज ने अपने साथी तोहिद बक्श (18) पिता राजा बक्श निवासी 80 फीट रोड जनता नगर करोंद के साथ मिलकर चोरी करना कबूल किया। पुलिस ने तोहिद को गिरफ्तार किया।

सड़क पार करते समय दो बुजुर्ग महिलाओं को वाहनों ने रौंदा, मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी में रविवार को सड़क पार करते समय दो महिलाओं को वाहनों ने रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। घटना के वक्त एक महिला दवा लेकर घर लौट रही थी दूसरी अपनी बेटी के घर जा रही थी। एक घटना मिसरोद और दूसरी श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र की हैं। मिसरोद पुलिस के मुताबिक मूलतः गंजबसौदा विदिशा निवासी 88 वर्षीय पुष्पा बाई शर्मा पति शिव प्रसाद शर्मा यहां अपनी बेटी-दामाद के शीतल धाम कालोनी घर में रहती थी। रविवार को पति-पत्नी गांव से लौटे थे। शाम करीब साढ़े चार बजे वह बेटी के घर जाने सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने पुष्पा बाई को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद उन्हें एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां कुछ देर चले इलाज के बाद शाम करीब सात बजे डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना पॉलीटेक्निक चौराहे की है। श्यामला हिल्स पुलिस के अनुसार, 77 वर्षीय सावित्री बाई ठाकुर पति स्व. चांद सिंह ठाकुर बाणगंगा प्रताप नगर में रहती थीं। रविवार रात महिला दवा लेने के लिए गांधी भवन के पास स्थित मेडिकल स्टोर गई थीं। जहां से साढ़े आठ बजे वह ब्लड प्रेशर और सिर दर्द की दवा लेकर पैदल लौट रही थीं। तभी स्मार्ट सिटी की तरफ से आ रहे बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। महिला के हाथ-पैर में चोट आई। बाइक चालक ने उन्हें स्मार्ट सिटी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां देर रात करीब पौने दो बजे महिला ने दम तोड़ दिया।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी का 5वां दीक्षांत समारोह मनाया गया

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी का 5वां दीक्षांत समारोह रायसेन रोड स्थित एलएनसीटी कॉलेज के आर्यभट सभागार में आयोजित किया गया, जहां छात्र-छात्राओं के सपनों को नई उड़ान मिली। मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगु भाई पटेल गआयोजन में बतौर मुख्य अथिति रहे। साथ ही विशेष अथिति मध्यप्रदेश सरकार की राज्य मंत्री कृष्णा गौर एवं मप्र फीस नियामक आयोग अध्यक्ष डॉ खेमसिंह डेहरिया एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति जय नारायण चौकसे, एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ एन के थापक वाइस चेयरपर्सन पूनम चौकसे संचालक डॉ शेवता चौकसे संचालक पूजाश्री चौकसे संचालक धर्मेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे। समारोह के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच व्यक्तियों को मानक उपाधि से सम्मानित किया गया। वर्तमान सांसद रवि किशन, कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा, पूर्व सांसद राजीव शुक्ला , गुजरात के सांसद देवु सिंह चौहान और सेज यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति संजीव अग्रवाल को मानक उपाधी से नवाजा गया। साथ ही 31 छात्रों को गोल मेडिलिस्ट 86, पीएचडी के छात्रों एवं यूजी-पीजी के 1000 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गई।

एआईबीओसी मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण बैठक हुई, ज्वलंत मुद्दों पर हुई चर्चा

भोपाल। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) मध्यप्रदेश स्टेट की महत्वपूर्ण बैठक आज आयोजित की गई, जिसमें बैंकिंग क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों पर व्यापक चर्चा करते हुए आगामी आंदोलन की रणनीति तय की गई। बैठक में प्रदेश के पदाधिकारियों ने भाग लिया और संगठन की एकजुटता को और सशक्त करने का संकल्प लिया। बैठक में प्रदेश के विभिन्न बैंकों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव के माध्यम से अधिकारियों के बीच विभाजन पैदा करने के प्रयासों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। साथ ही 5 डे बैंकिंग को अत्यंत आवश्यक मांग बताते हुए इसे प्राथमिकता के साथ लागू करने पर जोर दिया गया।

एक महीने पहले रची थी आईएएस एकेडमी की संचालक को लूटने की योजना, घटना के रोज ही एम्स में भर्ती हो गया था आरोपी

प्रियांक ने 5-5 लाख रुपए में बुलवाए थे पांच लुटेरे

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। दिल्ली आईएएस एकेडमी की महिला संचालक शुभ्रा रंजन को लूटने की योजना मुख्य सरगना प्रियांक शर्मा ने एक महीने बनाई थी। उसने अपने कर्मचारी दीपक भगत के साथ मिलकर लूट की साजिश रची थी। प्रियांक ने दीपक को 4-5 लड़कों की व्यवस्था करने को कहा था जो लूट में शामिल हो जाएं और महिला को डरा-धमकाकर खाते में पैसे ट्रांसफर करवा सकें। लुटेरे 5-5 लाख रुपए में तैयार हुए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद ही प्रियांक रात आठ बजे सेंटिंग से एम्स अस्पताल में भर्ती हो गया था। उनसे बताया कि उसे कोविड के बाद से सांस लेने में दिक्कत आती है। मिर्गी जैसे दौरे आते हैं। पुलिस ने उसे 30 अप्रैल को दबोच लिया था। इधर, क्राइम ब्रांच ने फरार आरोपी रामू उर्फ रामेश्वर उर्फ शिव को गिरफ्तार कर लिया है।

शेष आरोपी अभी पुलिस की रिमांड पर हैं। जानकारी के अनुसार, प्रियांक के कहने पर दीपक ने सबसे पहले अपने रिश्तेदार विक्की उर्फ विकास को इस योजना में शामिल किया। विक्की वर्तमान में भोपाल के अंजली भोजनालय में खाना बनाने का काम करता है। पूर्व में वह दतिया में भी होटल व्यवसाय से जुड़ा रहा है। विक्की का आपराधिक रिकार्ड सामने आया है। वह दतिया में लूट व अवैध शराब के मामलों में जेल जा चुका है। लूट करने के लिए विक्की ने अपने पुराने साथी पंकज अहिरवार निवासी दतिया से संपर्क किया। उसे बताया कि भोपाल में एक बड़े व्यापारी के साथ लूट करना है। इसके लिए प्रति व्यक्ति 5-5 लाख रुपए मिलेंगे। पंकज इसके लिए तैयार हो गया। पंकज ने अपने साथियों कुणाल यादव और रामजी प्रजापति उर्फ निहाल (शूटर) को साथ मिला लिया। इसके बाद वह भोपाल पहुंचे। साजिश के तहत सभी आरोपियों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद फरार हो गए। क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया है कि विक्की ने अपने एक अन्य परिचित जो नादरा बस स्टैंड में महाकाल ट्रेवल्स में बुकिंग का काम करता है को भी इस काम के लिए बुलाया था। विक्की की पत्नी बागसेवनिया स्थित होटल विराज में रिसेप्शनिस्ट का काम करती है। मामले में फरार आरोपी रामजी प्रजापति उर्फ निहाल (30) निवासी दतिया की पुलिस को तलाश है। उसकी तलाश में पुलिस की टीम रीवा और शिवपुरी रवाना की गई हैं।

हत्या के केस में जेल भिजवा दूंगा

दिल्ली आईएएस एकेडमी की डायरेक्टर शुभ्रा रंजन को आरोपी प्रियांक ने एडमिशन एवं सेमिनार का झांसा देकर दिल्ली से भोपाल बुलाया था। उसने बताया था कि सरकार से बड़ा प्रोजेक्ट हासिल करेंगे। शुभ्रा व उसके दो साथी होटल ताज में ठहरे थे। 29 अप्रैल को प्रियांक उसे बहाने से बागसेवनिया स्थित फ्लैट में ले गया। जहां पहले से हथियारबंद बदमाश थे, जिन्होंने महिला को बंधक बना लिया। पिस्टल अड़ाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने दबाव बनाकर सोसायटी जनकशिला एवं आरएस इंटरप्राइजेस के बैंक खातों में कुल 1.89 करोड़ रुपए आनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। साक्ष्य छिपाने और भय उत्पन्न करने के लिए पीड़ितों से झूठा वीडियो बनवाया। इसमें एक व्यक्ति को रस्सी से बांधकर बक्से में बंद करने और मरने का नाटक किया। डराया कि किसी को यह घटना बताई को हत्या के केस में जेल भिजवा दूंगा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बंधक बनाना, अगवा करना, लूट करना, पिस्टल दिखाकर भय कारित करना, आर्म्स एक्ट, आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। इसके बाद मुख्य आरोपी प्रियांक समेत दीपक भगत, विक्की उर्फ विकास, पंकज अहिरवार, कुणाल यादव समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया।

आफिस खोलने लिया था फ्लैट

लूट के मास्टरमाइंड प्रियांक शर्मा ने वारदात को अंजाम देने के लिए एक महीने पहले बागसेवनिया एक फ्लैट किराए पर लिया था। उसने आफिस खोलने के बहाने फ्लैट लिया था। लेकिन आफिस खोला नहीं था। फ्लैट तब से खाली पड़ा था। वह मकान मालिक को आजकल-आजकल कर रहा था। बुधवार 29 अप्रैल को उसने बताया कि वह आफिस खोलने जा रहा है। मैडम लोग (शुभ्रा रंजन) बाहर से आई हैं इसलिए सुंदर कांड का पाठ रखा था।

---

44 करोड़ के सीएसआर फंड की नहीं बंटेगी रेवड़ी शहर की जरूरत के हिसाब से ही कराने होंगे काम

पहली बार कलेक्टर ने लगाई फंड की फिजूलखर्ची पर लगाम, बोले-तालाब के कैचमेंट में तैयार करें मियावाकी तकनीक से जंगल

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर के विकास के लिए विभिन्न कॉर्पोरेट कंपनियों से मिलने वाले सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) फंड की फिजूलखर्ची पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सख्ती से रोक लगा दी है। सोमवार को विभिन्न कॉर्पोरेट घरानों के प्रतिनिधियों सहित एमपीआईडीसी के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि जिले में हर साल 44 करोड़ रुपए से ज्यादा का सीएसआर फंड मिलता है, लेकिन इस फंड को ऐसे कामों में खर्च कर दिया जाता है। जिसका फायदा आम आदमी को नहीं मिलता है। किसी जंगल में स्टॉप डैम बना देने से या फिर किसी अस्पताल में पहले से मौजूद एंबुलेंस के स्थान पर एक और एंबुलेंस खरीद लेना आम आदमी के अधिकारों का हनन है। ऐसे में आगे से सीएसआर फंड केवल वहीं खर्च किया जाएगा, जहां शहर को सबसे ज्यादा विकास की जरूरत हो। कलेक्टर ने सीएसआर का वर्कप्लान तैयार करते हुए सबसे पहले भोपाल की बड़ी झील को प्रदूषण मुक्त बनाने और इसके कैचमेंट को सुरक्षित रखने के लिए झील के आसपास सघन वन तैयार करने के निर्देश जारी कर दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन जहां जहां कार्रवाई कर कैचमेंट एरिया से अतिक्रमण हटा रहा है। वहां पर जापान की मियावाकी तकनीक के आधार पर सघन वन भी तैयार किए जाएं। बता दें कि

मियावाकी पद्धति जापानी वनस्पति शास्त्री डॉ. अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित एक अनूठी पौधरोपण तकनीक है, जो बहुत कम जगह (छोटे शहरी क्षेत्रों) में देशी प्रजातियों के पौधों को सघन रूप से लगाकर 10 गुना तेजी से (मात्र 3-5 वर्षों में) आत्मनिर्भर घने जंगल विकसित करती है।

कॉर्पोरेट भोपाल की बड़ी झील को बचाने में खर्च करें सीएसआर फंड

नई प्लानिंग के बाद बैठक में मौजूद उद्योगपति अपनी इंडस्ट्रियल यूनिट का सीएसआर फंड भोपाल की बड़ी झील को संरक्षित करने के लिए खर्च करेंगे। झील के आसपास मियावाकी तकनीक से जंगल तो बनाया ही जाएगा। इसके अलावा शहर की प्राचीन बावड़ियों, कुओं और हेरिटेज स्थानों को भी संरक्षित करने के लिए सीएसआर फंड का उपयोग होगा। इस पर उद्योगपतियों ने कहा कि इस बार के सीएसआर फंड से झीलों के संरक्षण के साथ शहर की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी।

फंड को खर्च करने के लिए बनाई जाएगी समिति

कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड को खर्च करने के लिए कलेक्टर ने एक समिति को बनाने के भी निर्देश जारी कर दिए हैं। पहले इस फंड को खर्च करने का कोई निर्धारित मापदंड नहीं था, लेकिन अब खर्चे की विभिन्न स्तरों पर मॉनिटरिंग होगी। एमपीआईडीसी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर विशाल सिंह चौहान की मॉनिटरिंग में ही सीएसआर फंड को खर्च किया जा सकेगा। साथ ही विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के उद्योगपति इसके सदस्य होंगे, जिसके माध्यम से राशि को खर्च किया जा सकेगा। साथ ही जिला स्तर पर योजना बनाकर फंड की जहां सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

मेट्रो और फ्लाईओवर के नीचे विकसित होंगे स्पोर्ट्स टर्फ

मेट्रो और फ्लाईओवर के नीचे खाली पड़े स्थान पर स्पोर्ट्स टर्फ विकसित किए जाएंगे। ताकि इससे खेल को बढ़ावा मिले और बच्चों के खेलने के लिए जगह विकसित हो सके। कलेक्टर ने कहा कि इससे न केवल बच्चों और युवाओं को खेल की सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि शहर के भीतर मौजूद स्थानों का सौंदर्यीकरण भी होगा। साथ ही सीएसआर फंड का उपयोग वृद्धाश्रमों के विकास, दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष स्कूलों के संचालन और ग्रामीण क्षेत्रों में मॉडल स्कूलों के निर्माण के लिए भी किया जाएगा।

सीएसआर से यह लाभ भी होंगे

- साथ ही सीएसआर फंड से जो भी विकास कार्य होंगे। उनके निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की प्रशासनिक स्तर पर जांच होगी।
- इंडस्ट्रियल हाउसिंग और स्लम पुनर्वास जैसे प्रोजेक्ट्स से उद्योगों को कुशल कार्यबल मिल सकेगा।
- एमपीआईडीसी के साथ मिलकर इस फंड का उपयोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट और शहरी नियोजन पर खर्च किया जाएगा।

व्हाट्स ग्रुप में निगम कर्मी ने लिखा, जनगणना जरूरी है या संपत्तिकर के फार्म भरना

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में चल रही जनगणना के दौरान काम में लापरवाही बरतने वाले व सोशल मीडिया पर जनगणना के संबंध में भ्रामक प्रचार करने वाले निगम के विनियमित स्थाईकर्मी अशोक शर्मा को आयुक्त संस्कृति जैन ने शो कॉज नोटिस जारी किया है। वर्मा ने जनगणना बीएमसी नामक व्हाट्स ग्रुप पर संदेश जारी करते हुए लिखा था कि आदरणीय श्रीमान जी अवगत कराएं जनगणना जरूरी है या संपत्ति कर का फार्म भरना जरूरी है? इस ग्रुप में क्या आयुक्त महोदय को एड किए हैं यदि नहीं तो क्यों? वर्मा नहीं रुके व उन्होंने लिखा कि सबके मुंह में लड्डू ठूसे हुवे हैं किसी के पास कोई जवाब नहीं है। इसके बाद इस चैट का स्क्रीन शॉट आयुक्त संस्कृति जैन को पहुंचाया गया, जिसे उन्होंने शासकीय कार्य में लापरवाही मानते हुए वर्मा को शो कॉज नोटिस जारी कर दिया।

आयुक्त ने जारी किया शो कॉज नोटिस, कार्यवाही भी होना तय

स्पष्टीकरण नहीं दिया तो 24 घंटे में कार्रवाई : शो कॉज नोटिस में वर्मा को बताया गया है कि उनकी डयूटी जनगणना 2027 से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य में लगाई गई है, लेकिन वे शासकीय कार्य में रुचि न लेकर व्हाट्स एप ग्रुप पर भ्रामक संदेश प्रसारित कर रहे हैं। साथ ही अन्य कर्मचारियों को भी शासकीय कार्य के प्रति हतोत्साहित कर रहे हैं। जो लोकसेवा नियमों के विरुद्ध है। आयुक्त ने इस संबंध में 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं।

चार दिन बाद भी कई जगह नहीं हो सका काम : प्रदेश में भले ही जनगणना का काम 1 मई से शुरू हो गया हो। लेकिन जिले में कई स्थानों पर जनगणना के तहत मकान गणना की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। इसका कारण सोमवार तक कई प्रगणकों को जोन में आईडी कार्ड न मिल पाना हैं। साथ ही जनगणना के लिए जारी किए गए एप के सही तरीके से काम न करने की भी शिकायत आ रही है। कई जगह पर प्रगणक डयूटी पर नहीं पहुंच रहे हैं।

भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाने ई-ऑफिस से ही होंगे शासकीय काम

कलेक्टर ने दिए एक्टिव मोड में काम करने के निर्देश, उपार्जन केंद्रों में उपलब्ध करानी होंगी सुविधाएं

जागरण संवाददाता, भोपाल। सीमांकन, नामांतरण जैसे कामों को पूरा करने में ढिलाई बरती जा रही है। लोगों को अपने काम करवाने के लिए भटकना पड़ रहा है। ऐसी लापरवाही और लेटलतीफी अब नहीं चलेगी। आपको जो काम दिए जा रहे हैं, उन्हें समय पर पूरा करें। इसके बाद भी यदि कामों को पूरा करने में लेटलतीफी हुई, तो कार्यों में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह बात कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सोमवार को समय सीमा पत्रों की बैठक के दौरान कही। कलेक्टर ने सभी को समझाइश देते हुए कहा कि सबको पूरी तरह एक्टिव मोड में रहकर जनहित के कार्यों को करना होगा। काम में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही प्रशासनिक काम को पारदर्शी व भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए सभी विभागों को ई-ऑफिस के तहत काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने अल्टीमेटम जारी करते हुए कहा कि सभी विभागों से फिजिकल फाइलिंग के बजाया सभी रिपोर्ट और जानकारियां ई-ऑफिस के तहत साझा होना चाहिए। इसके साथ ही सभी विभागों को अपने कामों का वर्किंग प्लान बनाने के भी निर्देश दिए हैं। जिले में चल रही गेहूं की खरीदी के दौरान कई उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाएं अब भी बेहतर नहीं हैं। ऐसे में कलेक्टर ने इस लापरवाही पर भी नाराजगी जताई और सभी जगह 10 दिनों के अंदर व्यवस्थाएं चाक चौबंद करने के

जाति प्रमाण पत्र बनाने में हुई देरी पर जारी किया शो कॉज नोटिस

बैठक के दौरान जाति प्रमाण पत्रों की पेंडेंसी पर कलेक्टर ने जमकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि प्रमाण पत्र बनाने का काम किस स्तर पर पेंडिंग है? इसकी जानकारी लेने के लिए शो कॉज नोटिस जारी कर तत्काल रिपोर्ट बनाएं। जिस अधिकारी द्वारा काम को पूरा करने में लेटलतीफी की जा रही है। उसे भी नोटिस जारी करें। आम आदमी का कोई भी काम प्रभावित नहीं होना चाहिए। ऐसे मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे।

निर्देश दे दिए। उपार्जन केंद्रों पर पानी, छाया और बैठने की समुचित व्यवस्था करने के साथ ही अन्य सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। किसानों को गेहूं उपार्जन के दौरान समस्या न हो। इसके लिए समय समय पर सुविधाओं का फॉलो अप भी लेने को कहा।

10 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे अस्थमा के मरीज, वायू प्रदूषण सबसे बड़ा कारण

विश्व अस्थमा दिवस आज: भोपाल, इंदौर व ग्वालियर में स्थिति चिंताजनक

नगर संवाददाता, भोपाल। पूरी दुनिया आज विश्व अस्थमा दिवस मना रही है। अस्थमा एक ऐसी बीमारी है, जिसमें मरीज की जरा सी लापरवाही जानलेवा साबित होती है। इस बार डब्ल्यूएचओ द्वारा जो थीम निर्धारित की है, वह ' अस्थमा की दवाओं तक सभी की पहुंच, अभी भी एक अनिवार्य आवश्यकता'। इस थीम के साथ स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई आयोजन किए जाएंगे। जानकारी अनुसार भारत में अस्थमा मरीजों की संख्या 3.5 करोड़ के आस पास है। इनमें सबसे बड़ी संख्या बच्चों की है, लगभग 15 प्रतिशत। इसके अलावा दुनियाभर में अस्थमा से होने वाली कुल मौतों में 42 फीसदी हिस्सेदारी भारत की है। यानि अस्थमान से मरने वाले हर 100 लोगों में 42 भारतीय होते हैं।

मप्र में प्रदूषण से हो रहीं मौतें: मध्य प्रदेश में अस्थमा के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में हर साल 8 से 10 प्रतिशत की दर से अस्थमा के मरीज बढ़ रहे हैं। इसी के साथ यहां हर साल होने वाली मौतों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। मप्र के भोपाल, इंदौर व ग्वालियर क्षेत्र में तेजी से बढ़ते औद्योगिकों और निर्माण कार्यों के चलते वायु प्रदूषण में वृद्धि हुई है। इससे अस्थमा के मरीज बढ़ रहे हैं। भारत में हर साल 2 लाख मौतें अस्थमा के कारण हो रही हैं। भारत में अस्थमा की मृत्यु दर प्रति 1 हजार मरीजों पर 13.2 है। यह वैश्विक मृत्यु दर से तीन गुना अधिक है। मृत्यु दर की यही स्थिति मप्र में भी है।

सीओपीडी और अस्थमा में होता है फर्क: गांधी मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर और टीबी अस्पताल के श्वास रोग विशेष डॉ. पराग शर्मा ने बताया कि अक्सर लोग सीओपीडी और अस्थमा को एक ही बीमारी मानते हैं। जबकि यह दोनों अलग अलग हैं। सीओपीडी का मुख्य कारण आमतौर पर लंबे समय तक धूम्रपान या प्रदूषण के संपर्क में रहना होता है, और यह अक्सर 40 साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसके विपरीत अस्थमा की शुरुआत अक्सर बचपन में होती है और यह मुख्य रूप से एलर्जी (जैसे पराग, धूल) या आनुवंशिक कारणों से ट्रिगर होता है।

अस्थमा क्या है और यह क्यों होता है

जब हमारे फेफड़ों की नलियों में सूजन आ जाती है, तो वे सिकुड़ जाती हैं और उनमें अत्यधिक बलगम बनने लगता है। इससे हवा का प्रवाह कम हो जाता है।

इसके मुख्य कारण हैं।

वायु प्रदूषण: गाड़ियों का धुआं और धूल।
एलर्जी: फूलों के परागकण, पालतू जानवरों के बाल और धूल के कण
धूम्रपान: एक्टिव और पैसिव स्मोकिंग दोनों खतरनाक हैं।
आनुवंशिक: यदि परिवार में किसी को अस्थमा है, तो बच्चों में इसके होने की संभावना बढ़ जाती है।
बदलते मौसम: अत्यधिक ठंड या उमस भरा मौसम।

अस्थमा के मुख्य लक्षण

- सांस फूलना, विशेषकर चलते या काम करते समय।
- सीने में जकड़न या भारीपन महसूस होना।
- सांस लेते समय सीटी जैसी आवाज आना।
- रात में या सुबह जल्दी तेज खांसी आना।
- जल्द थकान महसूस होना।

गौहर महल में सदाबहार गीतों की प्रस्तुति

हैंडलूम एक्सपो में सजी सुरों की महफिल

जागरण, भोपाल। गौहर महल में चल रहे स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026 के तहत सोमवार शाम संगीत संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें रास रंग म्यूजिकल ग्रुप ने अपनी प्रस्तुति से माहौल को सुरमयी बना दिया। सुमित शर्मा के निर्देशन में कलाकारों ने पुराने फिल्मी गीतों को सजीव अंदाज में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में 'लग जा गले', 'अजीब दास्तां है ये', 'पल पल दिल के पास' और 'चुरा लिया है तुमने' जैसे गीतों की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। हर गीत पर दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। प्रस्तुतियों की खासियत केवल गायन नहीं, बल्कि भाव और अभिव्यक्ति का संतुलन भी रहा, जिसने संध्या को

यादगार बना दिया। पुराने गीतों ने जहां वरिष्ठ श्रोताओं की यादें ताजा कीं, वहीं युवाओं को भी संगीत की परंपरा से जोड़ा। 10 मई तक चलने वाले इस एक्सपो में देशभर के बुनकर अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं। ऐसे में संगीत संध्या ने इस आयोजन को और अधिक जीवंत बना दिया।

रवींद्र भवन में में शास्त्रीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

नृत्योत्सव 2026 में दिखा लय, भाव और तकनीक का संगम

जागरण, भोपाल। रवींद्र भवन में सोमवार को श्रीयलयम् नाट्यश्री कला समिति द्वारा आयोजित 'नृत्योत्सव 2026' में शास्त्रीय नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश स्तुति और पुष्पांजलि से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। इसके बाद महालक्ष्मी अष्टकम, महालक्ष्मी कौत्वम और नटेश कौत्वम की प्रस्तुतियों ने मंच पर लय और भाव का संतुलित संयोजन प्रस्तुत किया। छात्राओं ने कुचिपुड़ी तरंगम और 'अलैपायुथे कन्ना' के माध्यम से तकनीकी दक्षता और अभिव्यक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वहीं शिवप्रसाद पंचकम और

'बोलो बोलो' कीर्तनम् ने भक्ति रस की अनुभूति कराई। हनुमान चालीसा की प्रस्तुति ने दर्शकों को विशेष रूप से भावुक कर दिया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि हर प्रस्तुति में अनुशासन और आत्मविश्वास स्पष्ट नजर आया। दर्शकों ने भी तालियों की गूंज के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

1999 में हुई थी संस्था की स्थापना : श्रीयलयम् नाट्यश्री कला समिति की स्थापना वर्ष 1999 में श्री शाजी और कलामंडलम कथिता शाजी द्वारा की गई थी। तब से यह संस्था भरतनाट्यम, मोहिनीअट्टम और कुचिपुड़ी जैसे शास्त्रीय नृत्यों के प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। यहां से जुड़े कलाकार खजुराहो नृत्य महोत्सव, दीपोत्सव अयोध्या और महाकुंभ प्रयागराज जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। संस्था भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन में निरंतर सक्रिय है।

दैनिक जागरण
भोपाल, 5 मई 2026

राजधानी जागरण

05

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 40.4°c न्यूनतम 22.4°c
राजधानी में गर्मी शबाब पर है। आज भी तापमान बढ़ने के आसार हैं।

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

आर्ट कैंप
- स्थान: ध्रुपद संस्थान
- समय: सुबह 9:30 बजे से

कला प्रदर्शनी
- स्थान: मानव संग्रहालय
- समय: शाम 5 बजे

स्टेट हैंडलूम एक्सपो
- स्थान: गौहर महल
- समय: दोपहर 12 बजे से

'माह का प्रादर्श'
- निंगला पा-थोई: एक अनुष्ठानिक परिधान
- स्थान: मानव संग्रहालय
- समय: दोपहर 12 बजे से

72 शलाका चित्र प्रदर्शनी
- स्थान: लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- समय: दोपहर 12 बजे से

हमीदिया में मुर्दों के लिए टूट रही 65 साल पुरानी जेडीए कैंटीन

8 करोड़ का है एडवांस मर्चुरी प्रोजेक्ट, बढ़ेगी हर दिन होने वाले पोस्टमार्टम की संख्या

नगर संवाददाता, भोपाल। हमीदिया अस्पताल में 65 साल पुराना जेडीए कैंटीन भवन जमींदोज किया जा रहा है। करीब 1960 में बनाई गई यह बिल्डिंग अब सिर्फ यहां के पुराने छात्रों की यादों में खड़ी रहेगी। इस बिल्डिंग को तोड़कर यहां मर्चुरी का विस्तार करने का प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। गांधी मेडिकल कॉलेज द्वारा लगभग 8 करोड़ रुपए की लागत से मर्चुरी का विस्तार किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ गृह विभाग का भी सहयोग है। क्योंकि जहां भवन निर्माण के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा बजट आवंटित किया गया है, वहीं स्टाफ की नियुक्ति के लिए गृह विभाग सहयोग करेगा। जानकारी के अनुसार पुरानी जर्जर बिल्डिंग को जेसीबी से तोड़ दिया गया है और उसी जगह नई

अत्याधुनिक मर्चुरी बनाई जाएगी। करीब 1.6 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली इस बिल्डिंग में आधुनिक सुविधाएं होंगी, जिससे न केवल पोस्टमार्टम प्रक्रिया बेहतर होगी, बल्कि समस्याओं से भी राहत मिलेगी। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि नई व्यवस्था से मेडिकल छात्रों और स्टाफ दोनों को बड़ा फायदा मिलेगा।

कॉलेज बिल्डिंग के साथ हुआ था निर्माण: उल्लेखनीय है कि गांधी मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग का निर्माण 1955 में हुआ था। इसे पहले जीएमसी कॉलेज की कक्षाएं सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलीटेक्निक कॉलेज में लगा करती थीं। वर्ष 1955 में जब जीएमसी की बिल्डिंग बनी, उसी के साथ कैंटीन के लिए भवन बनाया गया था।

कुल 8 करोड़ का प्रोजेक्ट

नई मर्चुरी के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। हालांकि, नए बदलावों के चलते फिलहाल टेंडर प्रक्रिया को रोका गया है। योजना के मुताबिक, करीब 1.6 करोड़ रुपए से नई बिल्डिंग तैयार की जाएगी, जबकि 6.8 करोड़ रुपए के आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। इस एडवांस मर्चुरी में एक साथ चार पोस्टमार्टम करने की सुविधा होगी। इससे काम की गति बढ़ेगी और लंबित मामलों को जल्दी निपटाया जा सकेगा।

एक साथ 40 शव रखने की होगी सुविधा: नई मर्चुरी में पारंपरिक डीप फ्रीजर की जगह चिलर रूम बनाया जाएगा। इसकी दीवारें और दरवाजे मजबूत और चौड़े होंगे, जिससे चूहों का अंदर जाना लगभग असंभव हो जाएगा। इस चिलर रूम में एक साथ 40 शव सुरक्षित रखे जा सकेंगे, वर्तमान में 16 शव रखने की व्यवस्था है। इससे शवों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था बेहतर होगी और संक्रमण का खतरा भी कम होगा।

मेडिकल छात्रों के लिए एडवांस लर्निंग स्पेस

मौजूदा मर्चुरी में करीब 150 मेडिकल छात्रों के लिए पढ़ाई की व्यवस्था है, लेकिन अब छात्रों की संख्या बढ़कर 250 के आसपास हो गई है। नई मर्चुरी में एक एडवांस थिएटर बनाया जाएगा, जहां 250 से 300 छात्र अलग-अलग बैच में पोस्टमार्टम प्रक्रिया को समझ सकेंगे। इससे मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता भी बेहतर होगी और छात्रों को आधुनिक तरीके से सीखने का मौका मिलेगा।

ज्यादा पोस्टमार्टम, हो सकेगा लाइव प्रदर्शन: नई मर्चुरी में पोस्टमार्टम के लिए पूरी तरह आधुनिक सेटअप तैयार किया जाएगा। इसमें नई टेबल, बेहतर वेंटिलेशन और ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था होगी, जिससे काम सुरक्षित और सुविधाजनक बनेगा। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, ताकि पोस्टमार्टम प्रक्रिया को मॉनिटर किया जा सके। जरूरत पड़ने पर इसे लाइव भी देखा जा सकेगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी।

> हमीदिया अस्पताल में रोजाना करीब पांच पोस्टमार्टम ही हो पाते हैं, लेकिन नई मर्चुरी शुरू होने के बाद यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। एक साथ चार पोस्टमार्टम की सुविधा होने से काम तेजी से होगा और परिजनों को भी लंबे इंतजार से राहत मिलेगी। नई मर्चुरी पर काम चल रहा है। इसका प्लान बन चुका है, यहां अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी।
> **डॉ. कविता एन सिंह,** डीन, जीएमसी

संक्षिप्त खबरें

युवक से चाकू दिखाकर ब्रेसलेट और पर्स छीना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। रविवार रात करीब 8:30 बजे व्यापमं चौराहे के पास युवक के साथ लूट की वारदात हो गई। बदमाश ने चाकू की नोक पर उसका सामान लूटकर फरार हो गया। हबीबगंज पुलिस के मुताबिक एमपी नगर जोन वन निवासी वीर सिंह टिफिन सेंटर चलाता है। रविवार रात 8:30 बजे व्यापमं चौराहे के आगे बाइक रोककर मोबाइल पर बात करने लगा तभी एक बदमाश उसके पास पहुंचा। आरोपी ने अचानक युवक से विवाद शुरू कर दिया और कुछ ही देर में मारपीट करने लगा। युवक के विरोध करने पर आरोपी ने चाकू निकाल कर उसे डराया। इसके बाद बदमाश ने वीर सिंह के हाथ में पहना चांदी का ब्रेसलेट और पर्स छीन लिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। वीर सिंह सोमवार को थाने पहुंचा ओर लूट की घटना बताई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

जनपद पंचायत बैरसिया में आज होगी जनसुनवाई

जागरण संवाददाता, भोपाल। ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आज जनपद पंचायत बैरसिया में जनसुनवाई होगी। जनसुनवाई में कलेक्टर सहित जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर नागरिक अपनी समस्याओं, जैसे राजस्व मामले, पेंशन योजनाएं, आवास योजना, बिजली और सड़क से संबंधित आवेदन सीधे अधिकारियों को सौंप सकेंगे और उनका तत्काल मौके पर ही निराकरण किया जा सकेगा।

घरेलू विवाद पर पत्नी गई मायके, पति ने लगाई फांसी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। तलैया इलाके में घरेलू विवाद के चलते एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। विवाद के चलते पत्नी मायके चली गई थी। 40 वर्षीय कमल रैकवार भोईपुरा में रहता था। उसकी पत्नी 15 दिनों से वह मायके में है। रविवार रात कमल ने खाना खाया और देर रात एक बजे तक टीवी देखी। इसके बाद वह सोने चला गया। सोमवार सुबह 10 बजे उसे पिता ने देखा तो अभी तक कमल नहीं उठा है, तो वह उसके कमरे में पहुंचे। जहां दरवाजा अंदर से बंद था। काफी खटखटाने पर आवाज नहीं आई तो उन्होंने जोर से धक्का दिया। इससे दरवाजा खुल गया। अंदर कमल फांसी के फंदे से झूल रहा था।

अरेरा कालोनी के दंपत्ति डिजिटल अरेस्ट, मुंबई पुलिस बनकर 37.60 लाख की धोखाधड़ी

सरकारी एजेंसी के अफसर बनकर डराया-धमकाया, खातों में ट्रांसफर करवाई आनलाइन रकम

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। ई-5 अरेरा कालोनी निवासी दंपति को वाट्सएप कॉल से डिजिटल अरेस्ट कर 37.60 लाख रुपए की आनलाइन धोखाधड़ी सामने आई है। जालसाजों ने मुंबई पुलिस अफसर और सरकारी एजेंसी के अफसर बनकर उनको डराया और धमकाया। बड़े मामले में फंसने की जानकारी देते हुए जेल भेजने का भय दिखाया। सहयोग करने पर उक्त मामले से निकाल लेने की गारंटी दी। तत्काल पैसे जमा करने को कहा। इस संबंध में उन्होंने ई-जीरो एफआईआर करवाई। प्रतिवेदन आने के बाद हबीबगंज पुलिस ने रविवार को आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में असल कायमी की है। जानकारी के मुताबिक, डिजिटल अरेस्ट अविनाश कक्कर और शशि कक्कर के साथ हुआ है। वह ई-5 अरेरा कालोनी में रहते हैं। उन्होंने

पुलिस को बताया कि उनके पास वाट्सएप कॉल आया था। कॉलर ने खुद को मुंबई पुलिस अधिकारी और सरकारी एजेंसी के अफसर बताया। कॉलर ने बताया कि आपके खिलाफ कानूनन गंभीर और बड़े केस की जांच चल रही है यदि आप जांच में सहयोग नहीं करेंगे तो आपको जेल जाना होगा। इसे लेकर जालसाजों ने उन्हें डराया और धमकाया। डिजिटल अरेस्ट कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। जालसाज बोले यदि आप तत्काल पैसे ट्रांसफर नहीं करेंगे तो इसका परिणाम भुगतना होगा। इससे दंपति डर गए। उन्होंने ठगों द्वारा बताए बैंक खातों में 37.60 लाख रुपए जमा कर दिए।

फेडरल और इंडसलैंड बैंक खाते में गई राशि

ठगी की राशि फेडरल और इंडसलैंड बैंक के खातों में गई है। इसके पूर्व जालसाजों ने भरोसा जीतने के लिए कुछ फर्जी दस्तावेज भी दंपति को वाट्सएप पर भेजे। इससे उन्हें यकीन हो गया गया कि उनके खिलाफ कोई जांच चल रही है। पैसे जमा होने के बाद कॉल बंद हो गई। कुछ देर बाद दंपति को लगा कि साथ ठगी हो गई। पीड़ित ने पुलिस को आरोपियों के मोबाइल नंबर, वाट्सएप कॉल की डिटेल, बैंक खातों और भेजे गए फर्जी दस्तावेज दिए हैं।

वीडियो कॉल कर घर पर बात कर रही एक्टिवा सवार युवती से लूट

भोपाल। हबीबगंज में युवती से लूट हो गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ लूट का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 25 वर्षीय शिवांगी ग्वालियर की है। वह यहां ई-2 अरेरा कालोनी में रहती है और प्राइवेट जॉब करती है। 1 मई की रात साढ़े 9 बजे शिवांगी सहेली जानवी के साथ फल खरीदने एक्टिवा से जा रही थी। वह वीडियो कॉल पर घर वालों से बात कर रही थी। वंदे मातरम चौराहा मेट्रो प्लाजा के पास पीछे से लुटेरों ने हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया। युवती ने शोर मचाया लेकिन तब तक आरोपी भाग निकले। अगले दिन पीड़िता थाने पहुंची और आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

भोपाल में चली आंधी, बिजली गुल, आज बारिश के आसार

नगर संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में मौसम लगातार आंधी व बारिश करा रहा है। सोमवार को भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश दर्ज की गई है। राजधानी में सोमवार रात अंधी चली, जिससे कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। इसके अलावा कुछ जिलों में ओले भी गिरे हैं। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार रीवा, आगर मालवा, सतना समेत कई जिलों में अचानक हुई ओलावृष्टि और तेज हवाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ। खेतों से लेकर खरीदी केंद्रों तक फसलें खतरे में आ गईं। वहीं रायसेन सहित कई शहरों में भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल रखा। इस असामान्य उतार-चढ़ाव ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। रीवा के भटवा, लालगांव और तराई इलाकों में शाम करीब 4:20 बजे अचानक मौसम बदला। तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि शुरू हो गई। कुछ ही देर में खेत और सड़कें ओलों की सफेद परत से ढक गईं। आगर-मालवा के नलखेड़ा क्षेत्र में तेज आंधी-तूफान के साथ 15-20 मिनट तक बड़े ओले गिरे। ओलावृष्टि इतनी तेज थी कि जनजीवन थम गया और किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। सतना में उचेहरा के पथरहटा और बारी कलां गांव में चने से बड़े ओले गिरे। गेहूं खरीदी के दौरान खुले में रखी उपज भीग गई। इधर गुना में तेज आंधी के दौरान कार्यक्रम की कुर्सियां उड़ गईं और यातायात थाने का बोर्ड गिर गया। अशोकनगर और मैहर में भी तेज हवाओं के साथ बारिश और हल्की ओलावृष्टि हुई।

दो दिन बाद बदलेगा मौसम

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि सिस्टम अब कमजोर पड़ रहा है। भोपाल में मंगलवार को और बारिश की संभावना है, इसके बाद 6 मई को हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश नहीं होगी। इसके बाद 7 मई से मौसम पूरी तरह साफ हो सकता है। इससे गर्मी में वृद्धि होगी। यही स्थिति पूरे प्रदेश में रहने वाली है, यानि प्रदेश में 7 मई से गर्मी की वापसी होने की संभावना है।

तीन घंटे के अंदर भोपाल उतरीं दिल्ली जयपुर और लखनऊ जा रहीं फ्लाइट

खराब मौसम में राजा भोज ने सभी को संभाला, सिग्नल मिलने पर रवाना

जागरण, हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। दूसरे राज्यों में बिगड़े मौसम ने भोपाल के राजा भोज विमानतल की व्यस्तता बढ़ा दी। जिसे भी खराब मौसम के कारण लैंड होने में परेशानी आई, वो सारे विमान भोपाल मोड़ दिए गए। इससे तीन यात्री विमानों की भोपाल के राजा भोज विमानतल में सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। तीन घंटे में आईं तीन फ्लाइट से भोपाल में खासी गहमागहमी बनी रही। जयपुर, दिल्ली और लखनऊ में मौसम खराब होने के कारण वहां के हवाई अड्डों पर विमानों को उतारना जोखिम भरा था। इसे देखते हुए सोमवार सुबह तीन घंटे के भीतर तीन उड़ानों को भोपाल डायवर्ट कर दिया गया। जैसे ही सूचना मिली दिल्ली एवं मुम्बई तथा बैंगलुरू से आने वाली उड़ानों के साथ ही डायवर्ट होने वाली फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग की तैयारी कर ली गई। साथ ही बिना किसी टेंशन के तीनों उड़ानों को सुरक्षित उतारा गया। बाद में तीनों हवाई अड्डों से सूचना आने के बाद इन उड़ानों ने सुरक्षित टेकआफ किया गया। बैंगलुरू से 73 यात्रियों को जयपुर ले जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान के अलावा इंडिगो की दिल्ली से लखनऊ जा रही

उड़ान संख्या 6ई-6476 में 153 यात्री सवार थे। वहीं 221 यात्रियों से भरी इंडिगो की पुणे से दिल्ली जा रही फ्लाइट 6ई-5321 भी भोपाल डायवर्ट की गई। करीब तीन घंटे बाद तीनों फ्लाइट भोपाल से रवाना हुईं। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि राजा भोज हवाई अड्डा चौबीस घंटे चालू है। साथ ही स्थितियों का प्रबंधन करने के लिए पूरी तरह से तैयार व सक्षम है, ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। 300 मीटर की सबसे कम दूरी से भी कम दृष्यता के चलते यहां किसी भी फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग का सिस्टम भी पिछले साल स्थापित किया गया है।

घर-घर नशा पहुंचाने के लिए गरीब घरों की महिलाओं को मोहरा बना रहे ड्रग तस्कर

गांजा तस्करी में महिलाओं की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत से ज्यादा, साढ़े तीन साल में 81 गिरफ्तार

संजना मौर्या, भोपाल। राजधानी में गांजा तस्करी में ड्रग माफिया अब महिलाओं का ज्यादा इस्तेमाल कर रहा है। पुलिस से बचने ये महिलाएं कपड़े, बर्तन व अन्य सामान बेचने की आड़ में महिलाएं घर-घर नशा पहुंचा रही हैं। महिलाओं पर शक कम होने कारण ये आसानी से पकड़ में भी नहीं आती हैं। साल 2023 से अप्रैल 2026 तक एनडीपीएस एक्ट के तहत राजधानी में 583 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, इनमें 81 महिलाएं और 502 पुरुष शामिल हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि गांजा तस्करी के मामलों में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 14 प्रतिशत है। इनमें 20 साल की युवती से लेकर 60 साल तक की महिलाएं शामिल हैं। गृहिणी, मजदूर वर्ग और झुग्गी बस्तियों में रहने वाली महिलाएं गांजा तस्करी में ज्यादा सक्रिया हैं। रिकॉर्ड के अनुसार महिलाओं की संख्या 2023 के 15 से बढ़कर 2024 में 31 हो गई यानी दोगुना उछाल आया है। हालांकि कुछ मामलों में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 14 प्रतिशत ही है। 2026 के शुरुआती 4 महीनों में ही 16 महिलाएं गांजा तस्करी में गिरफ्तार हो चुकी है। कई मामलों में कुचबंदिया समाज की महिलाओं के नाम बार-बार सामने आए हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि आरोपी एक ही परिवार या समुदाय से जुड़कर नशे का कारोबार चला रही हैं। जो जमानत पर छूटने के बाद दोबारा गांजे की तस्करी करने में जुट जाती हैं।

साल 2023 से अप्रैल 2026 तक गिरफ्तार आरोपी

साल	महिला	पुरुष
2023	15	120
2024	31	176
2025	19	147
2026 (अप्रैल)	16	59
कुल	81	502

केस 1: फेरी की आड़ में तस्करी

15 फरवरी 2026 को क्राइम ब्रांच ने एमपी नगर में सीहोर निवासी 50 वर्षीय सीता बाई कुचबंदिया को गिरफ्तार किया। उसके 10 किलो 270 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 3 लाख रुपये आंकी गई है। गांजा तीन पैकेटों में प्लास्टिक बोरी में छिपाकर रखा गया था। सीता बाई अनपढ़ है और फेरी लगाकर कपड़े बेचने की आड़ में तस्करी कर रही थी।

केस 2: घर से झोले से गांजे की सप्लाई

11 अप्रैल 2026 को स्टेशन बजरिया पुलिस ने द्वारका नगर स्थित एक मकान पर छापा मारकर 40 वर्षीय पुष्पा कुचबंदिया को गिरफ्तार किया। वह अनपढ़ है। तलाशी के दौरान 3.022 किलो गांजा, 31 क्वार्टर देसी शराब और 21,730 रुपए नगद बरामद हुए। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 54,830 रुपए है। आरोपी महिला घर से ही झोले में गांजा छिपाकर सप्लाई करती थी और साथ ही अवैध शराब का कारोबार भी चला रही थी।

केस 3: साड़ी में छिपाकर बेच रही थी नशा

12 अप्रैल 2026 को कमला नगर पुलिस ने गंगानगर झुग्गी क्षेत्र में 32 वर्षीय रेखा गौड़ उर्फ पूजा पति ईश्वर को गिरफ्तार किया। आरोपी महिला साड़ी में छिपाकर 467 ग्राम गांजा बेच रही थी। जब्त गांजे की कीमत करीब 10 हजार बताई गई। पूछताछ में उसने बताया कि वह गांजा अज्ञात व्यक्ति से खरीदकर छोटे-छोटे पैकेट बनाकर बेचती थी।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

चुनाव के बाद झटका तेजी से बढ़ी महंगाई

पिछले करीब दो महीने से पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर जिस तरह की परिस्थितियां पैदा हुई हैं, उसमें रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की आपूर्ति बाधित होने के साथ ही महंगाई की रफ्तार भी तेज हुई है। ऐसे में भारत में भी महंगाई के बेलगाम होने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। मगर ऐसा लगता है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही सरकार ने जरूरी चीजों की कीमतों की लगाम को थाम के रखा हुआ था। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते खाना पकाने के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत में नौ सौ तिरानबे रुपए की भारी बढ़ोतरी कर दी गई। लिहाजा इसका असर खान पान के व्यवसाय पर पड़ना तय है। हो सकता है कि अब एक समोसा 30 रुपए में मिलेगा। रेहड़ी-पटरी पर बिकने वाली चाय का एक कप 20-25 रुपए में मिलेगा। छोले-भटूरे की एक प्लेट के दाम 250 रुपए तक होंगे। मसाला-डोसा 210 रुपए में मिलेगा। एक औसत रेस्तरां और ढाबे पर पीली दाल की आधी प्लेट 110-120 रुपए में मिलेगी। यदि किसी बेहतर रेस्तरां, होटल में गए, तो भोजन की एक थाली 400 रुपए में मिलेगी।

यह कोई नई बात नहीं है। चुनाव सम्पन्न होने के बाद सरकार और तेल कंपनियां गैस, पेट्रोल, डीजल आदि के दाम बढ़ाती ही हैं। देश के पांच राज्यों में चुनाव अभी सम्पन्न ही हुए हैं, तो व्यावसायिक गैस, 5 किलो के गैस सिलेंडर, सीएनजी, पीएनजी आदि के दाम इतने बढ़ा दिए गए हैं कि कारोबारी और आम आदमी की अर्थव्यवस्था ही बिखर जाएगी। हमने कुछ उत्पाद गिनाए हैं, अलबत्ता महंगाई तो चौतरफा होगी। बहुत जल्दी पेट्रोल, डीजल और रसोई की एलपीजी गैस के दाम भी बढ़ा दिए जाएंगे। फिलहाल चूंकि सामान्य घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित है, इसलिए पांच किलो गैस वाले छोटे सिलेंडर उपलब्ध तो कराए जा रहे हैं, लेकिन उसकी कीमत में भी दो सौ इकसठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई और अब इसके लिए उपभोक्ताओं को आठ सौ दस रुपए पचास पैसे देने होंगे। इसके अलावा, विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्य में भी वृद्धि की गई है।

कहने को ताजा बढ़ोतरी का असर आबादी के एक छोटे हिस्से पर पड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन इतना तय है कि इसका दायरा बड़ा होने वाला है। मसलन, केवल वाणिज्यिक गैस सिलेंडर को ही देखें, तो इसकी कीमत अब तीन हजार रुपए से भी ज्यादा हो गई है। जाहिर है, होटल, ढाबे या खाना पकाने का व्यवसाय करने वाले लोग अगर इसका उपयोग करेंगे, तो सीधे-सीधे इसका असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों और लोगों की थाली पर पड़ेगा। संभव है कि कम आय वाले लोगों के व्यवसाय पर भी इसका विपरीत असर पड़े। फिर इस बात की क्या गारंटी है कि जिन कारणों से वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा करने को उचित ठहराया जा रहा है, उसी तरह के दूसरे कारण से आने वाले दिनों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत नहीं बढ़ाई जाएगी। आखिर छोटे सिलेंडर की कीमत में खासी बढ़ोतरी कर ही दी गई है, जिसका उपयोग आमतौर पर स्टूडेंट्स , प्रवासी मजदूर से लेकर आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोग करते हैं। महंगाई का दुश्चक्र आने वाले दिनों में और ज्यादा जटिल होता दिख रहा है। चौतरफा महंगाई की मार सबके लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। सवाल है कि अगर पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से उपजे संकट के बावजूद सरकार ने करीब दो महीने तक तेल और गैस की कीमतों को कमोबेश थाम कर रखा था और इनकी उपलब्धता के वैकल्पिक रास्ते निकाल रही थी, तो अचानक ही उसे महंगाई को इस तरह खुला छोड़ देने की जरूरत क्यों पड़ी! क्या कुछ दिनों की राहत का कारण पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव थे?

चुनाव नतीजे

तृणमूल कांग्रेस से कहां और क्या कमी रह गई या क्यों व कैसे चूक गई

बंग फतह की जंग में कैसे आगे निकली भाजपा

सत्येंद्र प्रताप सिंह

भाजपा चुनावी जंग में क्यों और कैसे जीत गई बंग? आखिर, तृणमूल कांग्रेस से कहां और क्या कमी रह गई या क्यों व कैसे चूक गई जंग में बंग! यह जानने के पहले चुनावी जंग में बंग विजय के लिए खासकर भाजपा की गई तैयारियों पर पहले एक नजर डालते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह दोनों ही चुनावी प्रचार में अंग-बंग-कलिंग का जिक्र करते हुए बंग जीतने की बात करते थे। आखिर यह अंग-बंग-कलिंग है क्या? पहले इसे समझते हैं। अंग-बंग-कलिंग : यह प्राचीन भारत के पूर्वी हिस्से के तीन ऐतिहासिक और समृद्ध साम्राज्य थे। जिसमें अंग (बिहार), बंग (बंगाल) और कलिंग (ओडिशा) शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह ने इसे भारत की ऐतिहासिक समृद्धि के तीन मजबूत स्तंभ बताते हुए चुनावी प्रचार किया। वर्तमान चुनावी परिदृश्य में, यह अंग-बंग-कलिंग शब्द पूर्वी भारत के विकास और भाजपा के लिए प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरे हैं।

भाजपा चुनावी जंग में क्यों और कैसे जीत गई बंग? : आखिर, तृणमूल कांग्रेस से कहां और क्या कमी रह गई या क्यों व कैसे चूक गई जंग में बंग! यह जानने के पहले चुनावी जंग में बंग विजय के लिए खासकर भाजपा की गई तैयारियों पर पहले एक नजर डालते हैं। यूपी और असम को झोली में डाल चुके सुनील बंसल को भाजपा, बंगाल का दायित्व दी। साथ में भूपेंद्र यादव और विप्लव देव जैसे सहयोगी उनकी मदद के लिए। यूपी-बिहार के पूर्व मंत्रियों सुरेश राणा और मंगल पांडेय सरीखे नेताओं को भी इस चुनावी जंग में उतार दी। अमित मालवीय तो शुरू से ही दायित्व में थे। तृणमूल कांग्रेस की भाषा में जिन्हें बहिरागत कहा जाता है।

भाजपा के इन नेताओं में कुछ तो वर्षों से तो कुछ महीनों से बंगाल में डेरा डाले रहे। कुछ ने तो किराए पर फ्लैट भी ले लिया और कुछ आते जाते थे और होटलों में ठहरते थे। कुछ फ्लैट किराए पर लेकर आलीशान गेस्ट हाउस भी बनाए गए, बाहर से आने वाले नेताओं को ठहरने के लिए। पूरे प्रदेश के कोने-कोने में यह नेता चुनावी तैयारी के तहत राजनीतिक जमीन तैयार किए। लगातार अंदुरुनी बैठक की गई ताकि बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत किया जा सके जो कि तृणमूल कांग्रेस से तृणमूल स्तर पर मुकाबला कर सकें।

प्रधानमंत्री मोदी 14 मार्च 2026 को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के समापन पर एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए सौगातों की झड़ी लगा दिए। अगले ही दिन 15 मार्च 2026 को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनावों की घोषणा कर दी। भाजपा की तैयारियों पर सरसरी निगाह के बाद चुनाव आयोग की तैयारियों पर नजर डालते हैं। 27 अक्टूबर 2025 को दूसरे चरण के अंतर्गत पश्चिम बंगाल सहित 12 राज्यों में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की घोषणा हुई थी। बंगाल में एसआईआर 4 नवंबर 2025 को शुरू हुआ था। बंगाल में पिछली बार एसआईआर 2002 में हुआ था। चुनाव आयोग ने बंगाल में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए लगभग पांच सौ वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले किये। इसमें जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस कमिश्नर शामिल हैं। दो सौ के करीब पुलिस इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर, 294 में से 73 आरओ (रिटर्निंग ऑफिसर) भी बदले गए। कइयों के तो कई बार तबादले हुए तो कुछ को तमिलनाडु भेजा गया।

एसआईआर के मामले में : हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुकी तृणमूल कांग्रेस, तबादले के खिलाफ भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाई। चुनाव आयोग की कार्रवाई को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। पहले चरण में 16 जिलों के 152 सीटों पर 93.19 फीसदी मतदान हुआ। दूसरे चरण में 8 जिलों के 142 सीटों पर 92.63 फीसदी मतदान हुआ। पूरे बंगाल में 294 सीटों पर 92.91 फीसदी मतदान हुआ। लगभग 93 फीसदी मतदान आजादी के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान का रिकॉर्ड है। बंगाल विधानसभा चुनाव 2016 में 3 सीट जीतने वाली भाजपा 2021 के चुनाव में 77 सीट जीती थी। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पिछले चुनाव में कांग्रेस और सीपीएम सहित वाममोर्चा का खाता तक नहीं खुला था। भाजपा 2021 में कांग्रेस व वाममोर्चा का वोट प्रतिशत और सीटें छिनने में पूरी तरह कामयाब रही थी। पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को भाजपा से तनिक भी नुकसान नहीं पहुंचा था। जबकि, भाजपा इस विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के मत प्रतिशत और सीटों में सेंध लगाने में पूरी तरह कामयाब रही है। उत्तर बंगाल में मजबूत भाजपा दक्षिण बंगाल में भी पैर जमाने में सफल रही है। बहरहाल, मतदाता सूची में बदलाव साल 2026 के चुनाव का सबसे बड़ा विवादित पहलू रहा। मतदाता सूची में यह बदलाव ही विभिन्न कारणों से रिकॉर्ड मतदान का कारण रहा। यह चौंकाने वाला चुनाव परिणाम का महत्वपूर्ण कारण भी एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद तैयार किया मतदाता सूची रहा।

टीएमसी की कमजोरी: क्यों ढहा ममता का दुर्ग? : तृणमूल कांग्रेस की संभावित हार का विश्लेषण करते समय हमें सत्ता के अहंकार और जमीनी जुड़ाव के टूटने को समझना होगा। 15 साल के शासन के बाद 'एंटी-इंकंबेंसी' या सत्ता विरोधी लहर का होना स्वाभाविक है, लेकिन टीएमसी के मामले में यह लहर 'सिंडिकेट राज' और भ्रष्टाचार के गहरे आरोपों से निर्मित हुई थी। शिक्षक भर्ती घोटाला, राशन वितरण में अनियमितताएं और संदेशखाली जैसी घटनाओं ने ममता बनर्जी की 'मां-माटी-मानुष' की छवि को गहरा आघात पहुँचाया।

टीएमसी की सबसे बड़ी कमजोरी उसका ''कैटल-क्लास'' संगठन बना, जहाँ स्थानीय नेताओं पर वसूली और हिंसा के आरोप लगे। जिस महिला वोट बैंक के भरोसे ममता बनर्जी राजनीति करती रही थीं, उस वर्ग में असुरक्षा की भावना ने सेंध लगा दी।

इसके अतिरिक्त, मुस्लिम मतों के प्रति कथित ''तुष्टिकरण'' की नीति ने बहुसंख्यक आबादी के एक बड़े वर्ग को भाजपा की ओर धकेल दिया, जिससे वोटों का ध्रुवीकरण टीएमसी के नियंत्रण से बाहर चला गया।

खुला मंच

पत्नी से बदला लेने का सुनहरा मौका

भुवन पंत

पति के जीवन में ऐसे बहुत कम सौभाग्यशाली दिन आते हैं जब उसके सामने पत्नी की नजर नीची रहती है। पिछले कुछ दिनों से मैं घर में नजर उठाकर चल रहा हूं। ईश्वर, उस दिन के लिए तेरा लाख-लाख धन्यवाद। उस दिन मैं किचन में पानी पी रहा था और पत्नी आत्मीयता से फोन पर बात कर रही थीं। जाहिर है मायके वालों का ही फोन रहा होगा। पत्नी दूध उबालने जा रही थी। फोन पर बात करते हुए एक पैकेट का सिरा काटा और भगोने में डाला। मैं परम आनंद की अवस्था में अपने सुखमय भविष्य को देख रहा था... इन चार पैकेटों में एक पैकेट मट्ठे (बटरमिल्क) का था, जो मुझे दिख गया था। तीन पैकेट दूध के बाद जब मोबाइल में बतियाती पत्नी ने मट्ठे का पैकेट भगोने में डाला, तो मुझे इतनी खुशी हुई जितनी शायद धनुष-भंग होने के बाद देवी सीता को भी नहीं हुई होगी।

एक बार के लिए तो मेरे मन में आया था कि मैं यह बात पत्नी को बता दूं। लेकिन फिर फ्लैशबैक में चला गया। सैकड़ों बार अगर मैं सताया न गया होता, तो टोक देता कि वह दूध में मट्ठा मिलाने जा रही हैं।

मुझे याद आया बेटे के बारहवीं क्लास मे अच्छे अंक आए थे। दीदी का फोन आया, मैंने बताया 98% मार्क्स हैं। दीदी ने जस्ट-पास वाला रिएक्शन दिया, पत्नी आग-बबूला हो गईं। उन्होंने तुरंत बोलीं, 'दीदी, बेटे के 98.25% हैं। जिस पिता को अपने बच्चों के मार्क्स तक न पता हों, उससे आप और अधिक क्या ही उम्मीद कर सकती हैं?' फिर एक और त्रासदी याद आई । हम एक परिचित के घर जा रहे थे। रास्ते में पत्नी ने एक 'ओरल पावर-पॉइंट प्रेजेंटेशन' दिया कि मुझे इन परिचित के घर में क्या बोलना है, क्या नहीं बोलना है। मैं एक जगह इंस्ट्रक्शन थोड़ा सा मिस कर गया। फिर याद आया कि खरीददारी करते वक्त जब मैं पत्नी के साथ होता हूं, तो मुझे अपनी निरर्थकता तथा लघुता का कितना एहसास होता है।

मुझे इतना याद आ गया तो किचन में क्यों रुकता? मैं दबे पांव स्टडी रूम में चला गया। थोड़ी देर के बाद जब पत्नी ने आकर बताया, तो मैं अपनी बेतहाशा खुशी को बमुश्किल छिपाते हुए चेहरे पर सामान्य सा भाव दिखाया। 'अरे, कोई बात नहीं, गलती इंसान से ही तो होती है,' मैंने पत्नी से कहा। यही बात अगर आज तक पत्नी ने मुझसे एक बार भी बोली होती, तो इस समय हमारे किचन में चाय बन रही होती, न कि कंप्रोमाइज्ड पनीर। अब मैं सुबह-सुबह उठकर भोलेनाथ से नियमित प्रार्थना करता हूं कि, हे भोलेनाथ! बीच-बीच में पत्नी से छोटी-मोटी सौ-दो सौ रुपए तक की गलतियां अवश्य करवा दें।

प्रसंगवश

चिकित्सीय सलाह से लिया जाए गर्भपात का निर्णय

स्वतंत्रता के साथ बड़ी जिम्मेदारी आती है; किसी भी स्वतंत्रता के परिणामस्वरूप लिए गए निर्णयों को उसके संभावित परिणामों के बारे में जागरूकता से सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि महिला को प्रजनन स्वायत्तता प्रदान करके, सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति की नैदानिक समीक्षा की आवश्यक भूमिका को समाप्त कर दिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से नाबालिग बलात्कार पीड़ितों के मामले में अवांछित गर्भधारण की चिकित्सकीय समाप्ति पर समय सीमा को हटाने के लिए गर्भपात कानून में संशोधन करने को कहा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने बलात्कार की शिकार 15 वर्षीय पीड़िता को 30वें सप्ताह के दौरान गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने वाले अदालत के पहले के फैसले के खिलाफ एक याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी नाबालिग लड़की को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने केंद्र सरकार से बलात्कार पीड़िताओं को 20 सप्ताह से अधिक अवधि के बाद भी अनचाहे गर्भ को समाप्त करने की अनुमति देने के लिए कानून में संशोधन करने को कहा। मामले पर मूल फैसले में, जो कि उपचारात्मक अपील पर था, न्यायाधीशों ने टिप्पणी की कि एक महिला के प्रजनन स्वायत्तता के अधिकार की रक्षा के लिए, नाजायज गर्भावस्था को जारी रखने के नाबालिग के अधिकार पर विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने कहा था कि नाबालिग ने गर्भावस्था जारी रखने के लिए स्पष्ट और लगातार अनिच्छा दिखाई है। उन्होंने कहा कि अदालत किसी भी महिला को, चाहे वह नाबालिग ही क्यों न हो, अपनी गर्भावस्था पूरी करने के लिए बाध्य नहीं कर सकती, यदि उसका अन्यथा ऐसा करने का इरादा नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि कानूनी रास्ते बंद कर दिए गए, तो महिलाएं जान जोखिम में डालकर नीम-हकीमों के पास जाने का खतरनाक रास्ता अपना सकती हैं। हालाँकि, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के वकील ने समाप्ति और उपचारात्मक याचिका का यह कह कर कड़ा विरोध किया कि - 30 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करना किशोर माँ के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होगा। वर्तमान में, भारतीय कानून गर्भधारण के 24 सप्ताह तक गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देता है।

इस मामले मे न्यायालय ने भावुक टिप्पणी की कि यह बच्ची से दुष्कर्म का मामला है और यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी जाती है, तो पीड़िता को जीवन भर के लिए मानसिक आघात और पीड़ा झेलनी पड़ेगी। पीठ ने कहा, 'यह एक उपचारात्मक याचिका है। किसी पर अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता। सोचिए कि वह एक बच्ची है, जिसे इस समय पढ़ाई करनी चाहिए, लेकिन हम उसे मां बनाना चाहते हैं। उसने जो पीड़ा और अपमान सहा है, उसकी कल्पना कीजिए।' पीठ ने कहा, 'देश में गोद लेने के लिए बहुत से बच्चे हैं। ...हमें इस पर भी ध्यान देना चाहिए कि यह 15 साल की लड़की का अनचाहा गर्भ है।'

इस संवेदनशील मुद्दे पर संपूर्ण तर्क गर्भकालीन आयु पर निर्भर करता है, जो कि यह तय करने के लिए महत्वपूर्ण है कि गर्भपात सुरक्षित होगा या नहीं। अधिकांश देश, जिन्होंने गर्भपात को वैध कर दिया है, सुरक्षित गर्भपात की अवधि को गर्भधारण के 24 सप्ताह तक सीमित कर देते हैं, इसका मुख्य कारण उसके बाद माँ के जीवन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव हैं। लेकिन, कानूनी गर्भपात का केंद्र जोखिमों का चिकित्सीय मूल्यांकन है। क्या कोई बच्चा या उसके माता-पिता अकेले, सामान्य ज्ञान के साथ, ऐसे जोखिम का उचित मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे? जब कोई नाबालिग जबरन हुए गर्भधारण से छुटकारा पाने की इच्छा व्यक्त करती है, यह उसके माता-पिता और सिस्टम की भूमिका है कि वह उसे अनुमेय अवधि के भीतर सुरक्षित विकल्प प्रदान करे। इस स्तर पर बिना सोचे-समझे निर्णय लेना प्रतिकूल हो सकता है, अगर यह उसके स्वास्थ्य या जीवन से समझौता करता है, जबकि शारीरिक स्वायत्तता के अधिकार की अनुमति देता है।

फुटवियर उत्पादन

विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक होने के बावजूद वैश्विक फुटवियर निर्यात में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम

टेक्निकल टेक्सटाइल बना रहा है स्मार्ट, बेजोड़ फुटवियर उद्योग

गिरिराज सिंह
केंद्रीय वस्त्र मंत्री, भारत सरकार

आत्मनिर्भर भारत का मतलब सिर्फ उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही नहीं, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में नेतृत्व भी हासिल करना है। कुछेक क्षेत्रों ने ही इस अवसर का फुटवियर की तरह स्पष्ट रूप से उपयोग किया है। फुटवियर रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली सबसे आम वस्तुओं में से एक है। इसका इस्तेमाल स्कूली बच्चों, लंबी पाली में काम करने वाले कामगारों और लगातार भागमभाग कर सामान की डिलीवरी करने वालों से लेकर एथलीट तक करते हैं। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक है। इसके बावजूद वैश्विक फुटवियर निर्यात में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है।

यह अंतर क्षमता की कमी के कारण नहीं, बल्कि मटेरियल (सामग्री), डिजाइन और कार्य प्रदर्शन के प्रति दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता के कारण है। इस बदलाव के केंद्र में एक ऐसी श्रेणी भी है जिस पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता, वह है-तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल)। मैंने इसे हाल ही में अपनी आगरा यात्रा के दौरान और अधिक स्पष्टता से समझा। आगरा अपने जूतों और चप्पल के लिए जाना जाता है। वहां के उत्पादन समूहों में घूमते हुए और निर्माताओं से बातचीत करते हुए यह स्पष्ट हो गया कि वहां इनके उत्पादन में नवाचार पहले से ही किया जा रहा है। कई इकाइयाँ ऐसी सामग्रियों का उपयोग कर रही थीं जो बहुत आरामदायक, टिकाऊ और नरम जूते बना रही हैं। लेकिन इनमें से कइयों ने इन्हें टेक्निकल टेक्सटाइल के रूप में नहीं बताया।

दिल्ली में फुटवियर संघ के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह समझ और गहरी हुई। उद्योग जगत के हितधारकों ने उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं के बारे में बताया, जैसे उपभोक्ता अब हलके, बेहतर कुशनिंग वाले, हवादार और टिकाऊ जूते पसंद करते हैं। ये अब केवल महंगे उत्पादों की विशेषताएं नहीं रह गई, बल्कि मानक ज़रूरतें बनती जा रही थीं। इसी चर्चा के दौरान मेरे विभाग ने एक महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रकाश डाला: फुटवियर उद्योग पहले से ही टेक्निकल टेक्सटाइल का व्यापक रूप से उपयोग कर रहा है, भले ही इसे औपचारिक रूप से मान्यता न दी गई हो।

उस अहसास ने पूरी चर्चा का स्वरूप ही बदल दिया। वैश्विक स्तर पर, फुटवियर उद्योग सालाना लगभग 23.9 बिलियन जोड़ी जूतों का उत्पादन करता है, जिसका बाजार आकार करीब 500 बिलियन अमरीकी डॉलर है। भारत वैश्विक उत्पादन में लगभग 12.5 प्रतिशत का योगदान देता है, फिर भी निर्यात में इसकी हिस्सेदारी केवल 2 प्रतिशत है। यह आंकड़ा हमारी क्षमता और वैश्विक स्थिति के बीच के स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। साथ ही, दुनिया भर के लगभग 86 प्रतिशत फुटवियर 'नॉन-लेदर' (गैर-चमड़ा) हैं, जबकि भारत का उद्योग परंपरागत रूप से चमड़े पर केंद्रित रहा है।

देश में भी स्थिति तेजी से बदल रही है। साल 2025 में भारतीय फुटवियर बाजार का आकार 20.67 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच गया, जो बढ़ती आय और उपभोक्ता की बदलती प्रवृत्तियों को दर्शाता है। हालाँकि, एक औसत भारतीय अभी भी साल भर में लगभग 2 जोड़ी जूते ही खरीदता है, जबकि वैश्विक औसत 7 से 8 जोड़ी का है। जैसे-जैसे खरीदने की क्षमता बढ़ेगी, उपभोक्ताओं की पसंद 'आराम' और 'बेहतर प्रदर्शन' होगी। इसे देखते हुए घरेलू बाजार का विस्तार और भी व्यापक होने की उम्मीद है।

यही वह बिंदु है जहाँ तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल) विकास के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण बन जाते हैं। वस्त्र मंत्रालय में, इस परिवर्तन को 'स्मार्ट, टिकाऊ और निर्बाध' फ्रेमवर्क के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। 'स्मार्ट' फुटवियर' तकनीक और डिजाइन के बढ़ते एकीकरण को दर्शाते हैं। डिजिटल टूल्स, एआई आधारित मॉडलिंग और फुट स्कैनिंग के माध्यम से अब बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप समाधान संभव हो पा रहे हैं।यह रुझान व्यापक रूप से उपभोक्ताओं की जरूरतों और फैशन के अनुरूप है। उपभोक्ता स्पष्ट रूप से ऐसे फुटवियर खरीद रहे हैं जो 'आरामदायक' हों और 'देखने में भी सुन्दर' हों और यहीं पर 'तकनीकी वस्त्र' एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

संवहनीयता भी एक निर्णायक कारक बनता जा रहा है। 'पुनर्चक्रित पीईटी प्लास्टिक और 'बायोडिग्रेडेबल' फाइबर जैसे पदार्थ धीरे-धीरे उत्पादन की मुख्यधारा में प्रवेश कर रहे हैं। 3डी बुनाई और उन्नत निर्माण जैसी तकनीकें कचरे को कम कर रही हैं, दक्षता में सुधार कर रही हैं और उत्पादन चक्र को तेज कर रही हैं। इससे निर्माता निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखते हुए उपभोक्ता की बदलती मांगों के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से उत्पादन करने में सक्षम हो रहे हैं।

फुटवियर उद्योग में पहले से ही 20 लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार मिला हुआ है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ हैं; इस वजह से यह समावेशी रोज़गार का एक बड़ा ज़रिया बन गया है। लगभग 2.9 अरब जोड़ी जूतों के सालाना उत्पादन के साथ, भारत में प्रति श्रमिक उत्पादकता लगभग 4 से 5 जोड़ी प्रतिदिन है। इसकी तुलना में, वैश्विक उत्पादन में कहीं ज़्यादा दक्षता देखने को मिलती है, जहाँ मज़दूर प्रतिदिन लगभग 17 से 20 जोड़ी जूते बनाते हैं।आगरा, कानपुर, चेन्नई, रानीपेट, अंबूर और कोलकाता में स्थापित क्लस्टर्स न केवल उत्पादन के केंद्र हैं, बल्कि वे आधार भी हैं जिन पर भारत फुटवियर क्षेत्र में अपनी दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक नेतृत्व को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

टेक्निकल टेक्सटाइल की ओर यह बदलाव किसी नए उद्योग को खड़ा करने के बारे में नहीं है, बल्कि एक मौजूदा उद्योग की पूरी क्षमता को उजागर करने के बारे में है।

फुटवियर क्षेत्र को टेक्निकल टेक्सटाइल्स इकोसिस्टम के दायरे में और ज़्यादा स्पष्ट रूप से लाने से नवाचार को बढ़ावा मिल सकता है, निर्यात बढ़ सकता है और उच्च गुणवत्ता वाले रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को वैश्विक मांग के रुझानों के साथ, खासकर नॉन-लेदर और परफॉर्मेंस-आधारित श्रेणियों में, तालमेल बिठाने में भी मदद मिल सकती है।

वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी बनने की भारत की यात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पारंपरिक उद्योगों, उन्नत सामग्रियों और आधुनिक डिजाइन के संगम का कितनी प्रभावी ढंग से लाभ उठाता है। फुटवियर ऐसा ही एक संगम है। 'टेक्निकल टेक्सटाइल' वह सूत है जो इस अवसर को एक वैश्विक सफलता की कहानी में पिरोने में मदद कर सकता है।

जीवन दर्शन

आलोचना और असफलता के डर से पाएं मुक्ति

जो व्यक्ति डरता है, वह पूरी तरह प्रेम नहीं कर सकता, क्योंकि प्रेम में खुलापन और समर्पण चाहिए। इसी तरह एक कलाकार तभी कुछ नया और मौलिक रच सकता है, जब वह आलोचना और असफलता के डर से मुक्त हो।

जहां डर समाप्त होता है, वहीं जीवन का वास्तविक आरंभ होता है। यह मनुष्य की चेतना के गहरे सत्य की ओर संकेत है। डर मनुष्य के अस्तित्व पर छाई धुंध के समान है, जो उसे उसकी वास्तविक संभावनाओं से दूर रखता है। जब तक यह धुंध बनी रहती है, तब तक व्यक्ति जीवन को पूरी तरह नहीं जी पाता, वह केवल जीने का नाटक करता रहता है। मनुष्य जन्म से निर्भय होता है।

एक छोटा बच्चा जब दुनिया में आता है, तो उसमें कोई डर नहीं होता। वह खुल कर हंसता है, रोता है, जिज्ञासा से हर चीज को छूता है, हर चीज को उत्सुकता के साथ देखता है, गिरता है और फिर उठ जाता है। लेकिन धीरे-धीरे समाज, परिवार और संस्कार उसके भीतर डर भरने लगते हैं। असफलता का डर, अस्वीकृति का डर, मृत्यु का डर। ये सारे डर उसके स्वाभाविक जीवन को सीमित करने लगते हैं। जब व्यक्ति अपने भीतर की चेतना को पहचानना

शुरू कर देता है, तब यह डर अपने आप समाप्त होता चला जाता है। इस अनुभव के बाद जीवन में एक अद्भुत स्वतंत्रता-सी आ जाती है। डर हमें वर्तमान क्षण से दूर ले जाता है। डर के साये में हम या तो अतीत की गलतियों से डरते रहते हैं या भविष्य की अनिश्चितताओं को लेकर चिंतित रहते हैं। इस कारण हम 'अभी' यानी वर्तमान क्षण को खो देते हैं, जबकि जीवन केवल मौजूदा क्षण में ही है। इसलिए जो व्यक्ति वर्तमान में जीना सीख लेता है, वह अपने आप ही निर्भय हो जाता है, उसके भीतर से डर का भाव खत्म हो जाता है, क्योंकि वर्तमान में कोई डर नहीं होता, डर तो हमेशा कल्पना में होता है। जब डर खत्म होता है, तब व्यक्ति जोखिम लेने के लिए तैयार हो जाता है। वह अपनी सच्ची इच्छाओं का अनुसरण करने लगता है, न कि समाज की थोपी गई अपेक्षाओं का। यही वास्तविक जीवन है, जहां व्यक्ति अपने स्वभाव के अनुरूप पूरी जागरूकता के साथ जीवन जीता है। जो व्यक्ति डरता है, वह पूरी तरह प्रेम नहीं कर सकता, क्योंकि प्रेम में खुलापन और समर्पण चाहिए। इसी तरह सृजनात्मकता भी तभी संभव है जब डर न हो। एक कलाकार, एक लेखक, एक संगीतकार तभी कुछ नया और मौलिक रच सकता है, जब वह आलोचना और असफलता के डर से मुक्त हो। जब आप अपने डर को पूरी जागरूकता के साथ देखते हैं, तो पाते हैं कि वह धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। जीवन कोई बाहरी घटना नहीं, बल्कि एक आंतरिक अनुभव है। यह तब प्रकट होता है, जब हम अपनी सीमाओं, अपने भय और अपनी झूठी पहचानों से मुक्त हो जाते हैं। तब जीवन एक उत्सव बन जाता है, एक ऐसा उत्सव जिसमें हर क्षण नया है, ताजा है और संभावनाओं से भरा हुआ है। इस अवस्था में व्यक्ति न तो भविष्य की चिंता करता है, न अतीत का बोझ ढोता है। वह बस जीता है, पूरी तरह, गहराई से और आनंद के साथ। सच्चा जीवन वही है, जो डर की जंजीरों से मुक्त होकर अपनी संपूर्णता में खिलता है।

ओशो

गीता ज्ञान

श्लोक

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः!
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः !!

भावार्थ

दुनिया में कोई भी काम सिर्फ सोचने से पूरा नहीं होता बल्कि कठिन परिश्रम से पूरा होता है. कभी भी सोते हुए शेर के मुँह में हिरण खुद नहीं आता।

स्टेशन रोड पर घुसते ही छूट रही ट्रेन नहीं हो रही परेशान लोगों की सुनवाई

मार्ग पर अतिक्रमण बने यातायात में बाधक, जिम्मेदारों के कानों तक जूं तक नहीं रेंगती

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। एक तरफ जहां राजधानी के दो प्रमुख रेलवे स्टेशन रानी कमलापति एवं भोपाल मुख्य स्टेशन के पहुंच मार्गों से अतिक्रमण हटाकर वहां यात्रियों का आवागमन सुगम बनाने की दिशा में समय समय पर उन इलाकों निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों, नगर निगम एवं ट्रैफिक पुलिस के अलावा दोनो स्टेशन जिन पुलिस थानों के अन्तर्गत आते हैं, वहां के बल ने भी सक्रिय होकर काम किया है, लेकिन अगर बात की जाए राजधानी के तीसरे सबसे बड़े बनने जा रहे स्टेशन संत हिरदाराम नगर की तो वहां के पहुंच मार्ग के प्रति जहां निर्वाचित जनप्रतिनिधि पूरी तरह से निश्क्रिय बने हुए हैं वहीं स्थानीय पुलिस ने भी ध्यान देना छोड़ दिया। नगर निगम तो स्टेशन रोड को अतिक्रमण से मुक्त करने या वैकल्पिक मार्गो का निर्माण करने की दिशा पूरी तरह से निष्क्रिय रहा, वहीं ट्रैफिक पुलिस भी मार्ग के दोनो तरफ अवैध रूप से पार्क होने वाले वाहनों को क्रेन से हटवाने अथवा उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठा रहा है।

छूट जाती है यात्रियों की ट्रेनें

स्टेशन रोड पर शाम के वक्त बहुत ही खराब हालत देखने को मिलती है। शाम 5 से लेकर 7 बजे तक हां महत्वपूर्ण ट्रेनों का आना जाना होता है। इंदौर से कटरा तक जाने वाली मालवा एक्सप्रेस, भोपाल से इंदौर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस, जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस, चैन्नई जयपुर एक्सप्रेस, भोपाल जयपुर एक्सप्रेस से अधिकांश यात्री या तो संत हिरदाराम नगर स्टेशन उतरते हैं, या फिर इन ट्रेनों में सवार होते है इस दौरान शाम 5 से लेकर 7 बजे तक यात्रियों को भारी संख्या में स्टेशन की तरफ जाते व आते देखा जा सकता है लेकिन इस दौरान स्टेशन पर लगने वाले जाम की वजह से अनेक यात्रियों की ट्रेने छूट रही है, जिसकी किसी भी जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं सरकारी अधिकारियों को कोई फिक्र नहीं है।

सुबह भी यही हाल

अगर बात की जाए सुबह 7 से 11 बजे तक की तो इस दौरान भोपाल भोपाल सक्सप्रेस, दाहोद भोपाल एक्सप्रेस, कटरा से आने वाली मालवा एक्सप्रेस, जयपुर भोपाल एक्सप्रेस व इंदौर भोपाल इंटनसिटी एक्सप्रेस ट्रेनों का आगमन होता है। इंदौर व उज्जैन दिशा से आने वाली ट्रेने जिनका भोपाल स्टेशन आखरी स्टापेज है, उसमें सवार 80 फीसदी यात्री संत हिरदाराम नगर में उतरकर बाद में मुख्य मार्ग से अन्य साधनों से गंतव्य तक जाते हैं, इस दौरान भी सुबह 7 से 11 बजे तक स्टेशन रोड पर पैर रखने की जागह नहीं होती है बावजूद इसके प्रशासन इस मार्ग को यातायात के लिए सुगम बनाने एवं वैकल्पिक मार्गो के निर्माण की दिशा में कोई कदम नहीं उठा रहा है।

जल्दबाजी में हो रहे झगड़े

अगर एक नजर स्टेशन रोड चैराहे पर डाली जाए, तो यहां भोपाल से आने व जाने वाली लो-फ्लोर बसों, सीहोर दिशा को चलने वाली नीली मिनी बसें एव टाट मैजिक का इस कदर जमघट लगा रहता है कि स्टेशन जाने वाले यात्रियों को बिलकुल भी जगह नहीं मिलती। रही सही कसर आटो रिक्शा चालकों ने पूरी तर दी है। स्टेशन रोड जो कि साजन सरिता क्लाथ स्टोर से प्रारंभ होता है, वहां से लेकर स्टेशन के गेट तक आटो चालकों की मनमानी देखी जा सकती है पूरे सड़क पर आटो वालों का कब्जा है और वे ट्रेनों से उतरने वाले यात्रियों का हाथ पकड़ पकड़कर अपनी अपनी आटो में बैठाने लगे हैं। इसी तरह प्रवेश मार्ग पर लो-फ्लोर बस परिचालकों का भी यही हाल है, तबकि टाट मैजिक भी किसी से कम नहीं हैं, लेकिन इन पर आज तक स्थानीय पुलिस या ट्रेफिक पुलिस कोई कंट्रोल नही कर पाई है।

अधिकारियों की नहीं टूट रही नींद

स्टेशन रोड के आस पास निवास करने वाले एवं इस रोड से गुजरने वाले अनेक जागरूक नागरिकों ने इन दिनों इस मार्ग की दयनीय हालत के फोटो सोशल मीडिया पर डालना शुरू कर दिया है अनेक नागरिकों ने स्टेशन रोड पर अतिक्रमण व सड़क किनारे अवैध रूप से पार्क हो रहे दो व चार पहिया वाहनों के कारण लग रहे जाम के फोटो अनेक अखबारों के पत्रकारों को भेजकर इसकी खबर अखबारों में छापने का आग्रह किया है, ताकि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, स्थानीय पुलिस, नगर निगम, ट्रेफिक पुलिस का ध्यान जाए और इन विभागों के अधिकारियों की नींद टूटे।

आंदोलन करने जा रहे किसानों को पुलिस ने बैरिकेटिंग कर रोका

ओबेदुल्लागंज। मध्य प्रदेश सरकार की दमनकारी नीतियों आज प्रदेश भर से किसान भोपाल अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर आ रहे थे सरकार द्वारा पुलिस प्रशासन का उपयोग करके किसानों के आंदोलन को उनके घरों पर पुलिस लगाकर और जगह जगह थानों पर और भोपाल आने वाले रास्तो पर बेरेकेटिग कर किसानो को भोपाल आने से रोका गया राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राहुल गौर ने बताया कि एक और तो सरकार किसानो को अनदाता और भगवान कहती है वही दूसरी ओर किसानों को राजधानी तक नहीं आने दिया जाता है।

मंडीदीप के ग्राम पड़ोनिया में 17 मई को तीसरी बार होगी विशाल बैलगाड़ी दौड़

जागरण, मंडीदीप। नगर के समीपस्थ ग्राम पड़ोनिया एक बार फिर ग्रामीण खेल संस्कृति और पशुप्रेम का बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। आगामी 17 मई को यहां तीसरी बार विशाल बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों की शुरुआत सोमवार को भूमि पूजन के साथ की गई, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों और आयोजन समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह विशेष आयोजन सिवनी मालवा के प्रसिद्ध डुंगरिया बैल की स्मृति को समर्पित रहेगा, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर 'एमपी किंग' और 'अखंड हिंद केसरी' जैसी प्रतिष्ठित उपाधियों से सम्मानित किया गया था। अपनी अद्भुत ताकत, फुर्ती और शानदार व्यक्तित्व के कारण डुंगरिया बैल ने लाखों लोगों के दिलों में खास जगह बनाई थी। आयोजन समिति का कहना है कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि पारंपरिक ग्रामीण खेलों को पुनर्जीवित करना, गौवंश संरक्षण को बढ़ावा देना और पशुपालन के महत्व को समाज के

सामने लाना है। किसान मेला भी लगाया जाएगा, जहां कृषि और पशुपालन से जुड़ी उपयोगी जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी। विजेताओं के लिए आकर्षक नगद पुरस्कार घोषित किए गए हैं। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 1 लाख 1 हजार रुपये, द्वितीय को 71 हजार रुपये, तृतीय को 35 हजार रुपये तथा चतुर्थ स्थान पर 21 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। 11-11 हजार रुपये के चार विशेष पुरस्कार भी रखे गए हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 4100 प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है। क्षेत्रभर के गौवंश प्रेमियों, किसानों और खेल प्रेमियों से इस आयोजन में भाग लेने की अपील की है।

मेगा मेडीकल शिविर आयोजित, 378 रोगियों की जांच

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी की चिरायु अस्पताल के सहयोग स्व. जेठानंद लालचंदानी की स्मृति में प्रभु नगर स्थित सिंधी धर्मशाला में एक दिवसीय विशाल निःशुल्क मेडीकल कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 378 से अधिक जटिल बीमारियों से ग्रस्त रोगियों की न केवल अत्याधुनिक मशीनों से जांच की गई बल्कि अनेक मरीजो को दवाओं का वितरण भी किया गया। चिरायु अस्पताल एवं मेडीकल कालेज के प्रबंध संचालक डा. अजय गोयनिका एवं करूणाधाम आश्रम के पीठाधीश शाण्डिल्य जी महाराज खुद यहां पहुंचे और कैम्प के शुभारंभ अवसर पर आयोजित आरती में शामिल हुए। इस

दौरान 31 लोगो ने रक्तदान भी किया। चिरायु मेडीकल कालेज के प्रोफेसर डा. सुरेश भंभानी ने बताया कि शिविर में डा. मगल गिरी डायरेक्टर चिरायु अस्पताल ने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नेत्र, हड्डी, हृदय, चर्म, दंत समेत अन्य रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सेवाएं दी। मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक कर स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना था। इस दौरान 378 लोगों ने परामर्श लिया।

बंगाल विजय पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न, बांटी मिठाइयां

जागरण ओबेदुल्लागंज। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बंगाल विजय के उपलक्ष्य में जगह-जगह जोरदार जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया और उन्होंने आतिशबाजी व मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने विजय जुलूस निकाल कर कई क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं ने हाथों में पार्टी के झंडे लेकर विजय जुलूस निकाला और नारेबाजी की। भाजपा मंडल ने सार्वजनिक स्थानों और पार्टी कार्यालयों पर राहगीरों और कार्यकर्ताओं के बीच मिठाइयां बांटी गई शाम के समय ढोल-नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ताओं ने नृत्य किया।

SUDOKU 26

			6	3				7
5							4	
	1	6	4		8			
		3	1		7	8	2	
	5	8	3		6	7		
			8		4	3	5	
	9							1
3				7	9			

SOLUTIONS 25

1	7	4	2	8	3	5	6	9
6	5	9	4	1	7	8	3	2
2	3	8	6	9	5	7	4	1
9	4	1	3	2	8	6	7	5
3	8	5	7	6	9	1	2	4
7	6	2	5	4	1	9	8	3
4	2	7	9	5	6	3	1	8
8	9	6	1	3	2	4	5	7
5	1	3	8	7	4	2	9	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष :ऑफिस लाइफ प्रोडक्टिव रहेगी और कई अवसर सामने आ सकते हैं। आज प्रेमी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाए। आर्थिक रूप से, आप अच्छा करेंगे। स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

वृषभ :आपका प्रेम संबंध बरकरार रहे और इस सप्ताह आपके जीवन को प्रभावित करने वाली कोई बड़ी व्यावसायिक समस्या न हो।

मिथुन : प्रेम संबंधों को और भी मजेदार बनाने के लिए कुछ बातों पर विचार करें। आज काम में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए विकल्पों पर विचार करें।

कर्क : लव के मामले में अधिक देखभाल की आवश्यकता होती है। आपको ऑफिस में सीनियर्स की एक्सपेक्टेशन को भी पूरा करना चाहिए। धन को सही तरीके से संभालें।

सिंह : जीवन से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। प्रेम और ऑफिस दोनों ही जीवन में वाद-विवाद से बचना अच्छा रहेगा। आज के दिन आपका धन और संपदा का मामला दोनों ही अच्छा है।

कन्या :स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। रोमांटिक कनेक्शन मजबूत होगा। आपका प्रोफेशनल जीवन सफल रहेगा। निवेश करने के लिए ये दिन अच्छा रहेगा।

तुला : दिन प्रेम संबंधों में आश्चर्य की उम्मीद करें और काम में पूरी तरह समर्पित रहें। आपके स्वास्थ्य के साथ-साथ धन में वृद्धि के विकल्प भी हैं। रोमांस से भरपूर दिन बीतेगा।

वृश्चिक : प्रेम संबंधों में उतार-चढ़ाव को दूर करें और नए काम हाथ में लें, जिससे करियर में तरक्की होगी। पैसों से जुड़ी कोई बड़ी समस्या नहीं होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु : कोई गंभीर मेडिकल समस्या आपको परेशान नहीं करेगी। प्यार में खुश रहें और सभी प्रकार के वाद-विवाद से बचें।

मकर : दिन समृद्धि आपके दरवाजे पर दस्तक देगी। आप स्वस्थ भी रहेंगे। ध्यान रखें किसी पिछली घटना से संबंधित कोई वाद-विवाद न हो।

कुंभ : धन का प्रवाह होगा, जिससे आप महत्वपूर्ण फैसले ले सकेंगे। छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्या आपको परेशान कर सकती है।

मीन : समृद्धि आएगी और स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। टीम को संभालते समय सावधान रहें क्योंकि अहंकार से जुड़े छोटे-मोटे मुद्दे लीडरशिप स्किल्स पर असर डाल सकते हैं।

आज का पंचांग: 5 मई मंगलवार 2026। दिशाशूल : उत्तर **पर्व एवं त्योहार** : गणेश चतुर्थी व्रत, **भद्रा** : प्रातः 05:25 मिनट तक। **विशेष** : तृतीया तिथि की वृद्धि विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की तृतीया तत्पश्चात चतुर्थी, ज्येष्ठा नक्षत्र तत्पश्चात मूल नक्षत्र, शिव योग तत्पश्चात सिद्ध योग, वृश्चिक में चंद्रमा तत्पश्चात धनु में।

मंदिर समिति के निर्विरोध अध्यक्ष बने अनिल

जागरण, मंडीदीप। नगर की आस्था और श्रद्धा के प्रमुख केंद्र श्री खेड़ापति माता मंदिर समिति को नया नेतृत्व मिल गया है। समिति के अध्यक्ष पद पर समाजसेवी अनिल चौकसे को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इस निर्णय के साथ मंदिर समिति में उत्साह का माहौल देखा गया और उपस्थित श्रद्धालुओं व गणमान्य नागरिकों ने नए अध्यक्ष का स्वागत किया। समिति के वरिष्ठ सदस्य लड्डू भैया ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष चयन के लिए आयोजित बैठक में नगर के वरिष्ठ सामाजिकजन, मंदिर से जुड़े पदाधिकारी एवं प्रतिष्ठित नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु सर्वसम्मति से विपिन भार्गव को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। उनकी देखरेख में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सहमति के वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में पूर्व नपाध्यक्ष उमेश पाल, बद्री सिंह चौहान दादा भाई,जगदीश सोनी, मुरलीधर धर्मवाणी, निवर्तमान अध्यक्ष चतुर नारायण साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई० डी० नं. 9100000046, आवेदन क्रमांक-11735, आवेदन दिनांक-09/04/2026

क्रमांक 1092/राजस्व/भौविप्रा/26 भोपाल
दिनांक: 27/04/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की वैरागढ़ स्टेडियम योजना स्थित दुकान क्रमांक 46 आवंटी श्री पारूमल केवलानी आत्मज श्री गगन दास केवलानी एवं श्रीमती जानकी बाई केवलानी पत्नी श्री पारूमल केवलानी के संयुक्त नाम पर आवंटित है। आवंटी श्री पारूमल केवलानी का स्वर्गवास दिनांक: 12/12/2011 को हो जाने एवं श्रीमती जानकी बाई केवलानी का स्वर्गवास दिनांक: 11/10/2022 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस पुत्र श्री लक्ष्मण केवलानी, हरीश कुमार केवलानी, पुत्रियां श्रीमती मालती पेसवानी पत्नी श्री सेवाराम पेसवानी एवं श्रीमती गीता भोजवानी पत्नी श्री गोपाल भोजवानी द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं समस्त वारिसो की सहमति/ शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त दुकान क्रमांक 46 का अपने संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्ये/दस्तावेजो के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल

-:जाहिर सूचना :-

भूमि स्थित ग्राम गुरारिया तह. गौहरगंज, जिला रायसेन म.प्र.।

आम सूचनासर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमति रामवती बाई पत्नि श्री गोपाल, जाति परमार, आधार क्रमांक 315730159773, निवासी एच.32, रतनपुर सडक, नहर के पास मिसरोद, भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी ग्राम गुरारिया तह. गौहरगंज, जिला रायसेन म.प्र. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम गुरारिया तह. गौहरगंज, जिला रायसेन, प.ह.नं. 01, तहसील गौहरगंज जिला रायसेन म.प्र.ऋण, पुस्तिका LD क्रमांक 147794, खसरा नं. 135, रकबा 2.023 हेक्टेयर, लगान 11.25 रूपए है जो राजस्व रिकार्ड में विकेता के नाम पर दर्ज हैं। उक्त भूमि क्रय करने का अनुबंध विक्रेता ने मेरे पक्षकार से किया है, जिसकी बयाना राशि का भुगतान कर दिया गया है। अनुबंध निष्पादित करा लिया है, जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन शीघ्र होना है। उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था बैंक, फर्म, सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय को कोई आपत्ति हो या उक्त संपत्ति कहीं दान, बंधक, गिरवी, हस्तान्तरण, विक्रय अनुबंध या किसी व्यक्ति या वारिस का अंश इत्यादि हो तो वह व्यक्ति अथवा संस्था इस सूचना प्रकाशन के 07 सात दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में दस्तावेज के लेकर उपस्थित होकर लिखित आपत्ति दर्ज करायें, तथा उक्त अवधि निकल जानें के उपरांत कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, एवं मेरे पक्षकार द्वारा उक्त वर्णित संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा, ऐसी स्थिति में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवदीय **सरिता शैर्या** अधिवक्ता
Office:-Chitransh Enterprises(Chitransh Typing) Mandideep, Distt Raisen M.P.
मो-9425301684

-: आम-सूचना :-

मैं अपने पक्षकार श्री नंद कुमार दासवानी आत्मज लक्ष्मणदास दासवानी निवासी न्यू 4/43 बैरागढ़ नगर भोपाल (म.प्र.) के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की संपत्ति एक किता आवासीय प्लॉट क्रमांक 3-A, जिसका कुल क्षेत्रफल 2400 वर्गफिट है जो खसरा क्रमांक 25, 26/1/2, 27, 31, 30/1, 30/2, 29/1-ए का अंश भाग होकर ग्राम नयापुरा (राजहर्ष गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित भोपाल), तहसील कोलार (पुराना हुजूर), वार्ड क्रमांक 83 जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है, जिसकी चतुर्थ सीमायें निम्नानुसार है:-पूर्व में-40 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम में-प्लॉट क्रमांक 15, उत्तर में-प्लॉट क्रमांक 04, दक्षिण में-प्लॉट क्रमांक 02 उक्त संपत्ति से सम्बंधित मूल दस्तावेज विक्रय पत्र दिनांक 04.07.1986, पंजीयन क्रमांक A-1, ग्रन्थ क्रमांक 4657, दस्तावेज क्रमांक 936 है। जिसका सम्पूर्ण विवरण उप पंजीयक कार्यालय भोपाल में अंकित एवं दर्ज है, का अंतिम प्रष्ठ (जिस पर पंजीयन क्रमांक एवं दस्तावेज क्रमांक अंकित होते हैं) कही गिरकर गुमख्खो गई है। जिसकी विधिवत सूचना संबंधित थाने में प्रेषित की जा रही है। उक्त संपत्ति केनरा बैंक भोपाल के पक्ष में बंधक रखने हेतु प्रस्तावित है। उक्त गुमे हुए दस्तावेज की मूल प्रति का अंतिम प्रष्ठ जिस किसी को भी मिले कृपया निम्न वर्णित पते पर प्रदान करने का कष्ट करें। यदि उक्त वर्णित संपत्ति अथवा उसके किसी भाग पर किसी व्यक्ति, संस्था, राष्ट्रीयकृत बैंक, निजी बैंक का कोई ऋण भार, दान, बंधक, मुखतार या अनुबंध हो अथवा उक्त संपत्ति से संबंधित कोई दस्तावेज हो अथवा इस अंतरण से किसी के कोई हित प्रभावित हों तो वे इस आम सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में दस्तावेजी साक्ष्य सहित मेरे समक्ष निम्न पते पर लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

Advocate Ramesh Suryavanshi
Advocate Lokesh Suryavanshi
Add.: F-10, Sanchi Complex, Opposite Board office, Shivaji Nagar, Bhopal (M.P.)
Mob.: 9425118602, 7000382908

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रा.नि.मं. 03 बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार जिला भोपाल (म.प्र.)

आवेदन क्रमांक RS/444/0736/1120/2026
ग्राम का नाम: गेंहूखेडा प.ह.नं. 10, तहसील कोलार, जिला भोपाल

सूचना-पत्र

प्रति,
01. श्रीमति मीरा गुप्ता पत्नि श्री अविनाश चन्द्र गुप्ता, निवासी मंशा 31 क्लब ड्राइव महरोली, रोड नई दिल्ली। 02. श्रीमति राधिका अग्रवाल पत्नि श्री राजीव अग्रवाल, निवासी ई-2/ 157, अरेरा कालोनी तहसील कोलार जिला भोपाल (म0प्र0)। 03. श्रीमति मंजू यादव उर्फ छाया यादव पत्नि श्री देवी यादव, निवासी-ग्राम-अकबरपुर तहसील कोलार जिला भोपाल (म.प्र.)। 04. श्रीमति शारदा बाई पत्नि श्री भैरो सिंह, निवासी-ग्राम- अकबरपुर तहसील कोलार जिला भोपाल (म.प्र.) 05. प्रियंका पटेल पुत्री श्रीनिवास पटेल एवं श्री संजीव लोधी पिता श्री लाल सिंह लोधी एवं श्रीमति चंद्रकला घोघरकर पत्नि श्री बिन्दु घोघरकर व अन्य सहखातेदार-ग्राम-मकान नं.-432 बल्लभ नगर सतपुड़ा भवन जिला भोपाल (म0प्र0)। 06. रूही मित्तल पिता श्री मुकुल मित्तल स्वय मुख्यार आम वास्ते मोही मित्तल पिता श्री मुकुल मित्तल व अन्य सहखातेदार निवासी-ई-7/4, एच 143 अरेरा कालोनी भोपाल म0प्र0। 07. श्रीमति आशा जोशी पत्नि स्व0 श्री अलय जोशी, श्री मनूप जोशी पुत्र स्व0 अलय जोशी एवं कु. पूर्वा जोशी पुत्री स्व0 श्री अलय जोशी निवासी-314 वरदान अपार्टमेंट श्यामला हिल्स भोपाल। 08. सर्व साधारण एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारगण। एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री कमलेश अग्रवाल आ. श्री वाय0आर0 अग्रवाल निवासी-ई-2/157, अरेरा कालोनी भोपाल म0प्र0 द्वारा ग्राम गेंहूखेडा प.ह.नं. 10 तहसील कोलार जिला भोपाल (म.प्र.) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 113, 122, 128 क्रमशः रकबा 0.1000 हे. 0.1000 हे. 0.0900 हे. कुल खसरा नंबर 03 कुल रकबा 0.2900 हे. भूमि का सीमांकन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदित उक्त भूमि का सीमांकन मेरे द्वारा दिनांक 08.05.2026 को समय दोपः 3:00 बजे स्थल पर किया जावेगा। पड़ोसी खातेदार होने के कारण एवं उक्त सीमांकन से कोई आपत्ति हो तो नियत दिनांक एवं समय पर स्थल पर भूमि के स्वत्व संबंधी एवं आनुषांगिक दस्तावेज सहित उपस्थित रहकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है। अनुपस्थिति की दशा में सीमांकन कार्य रोका नहीं जावेगा। बाद प्रस्तुत आपत्ति विचार योग्य नहीं होगी। अत्यावश्यक शासकीय कार्य होने की स्थिति में सीमांकन की दिनांक में परिवर्तन किया जा सकता है। पड़ोसी भूमिस्वामी का पता स्पष्ट न होने से आवेदक स्वयं के व्यय पर उक्त सूचना पत्र का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र में कराया जा सकता है। आज दिनांक 27.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

राजस्व-निरीक्षक
तहसील कोलार, जिला-भोपाल

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रा.नि.मं. 03 बैरागढ़ चीचली तहसील कोलार जिला भोपाल (म.प्र.)

आवेदन क्रमांक RS/444/0736/1122/2026
ग्राम का नाम: गेंहूखेडा प.ह.नं. 10, तहसील कोलार, जिला भोपाल

सूचना-पत्र

प्रति,
01. श्री नीरज नेमा पुत्र श्री बसंत नेमा, खातेदार-ग्राम- गेंहूखेडा कोलार भोपाल म0प्र0 । 02. श्री कमलेश अग्रवाल आ0 श्री वाय0आर0 अग्रवाल, निवासी-ई- 2/157, अरेरा कालोनी भोपाल म0प्र0 ।03. श्रीमति लीना बोन्द्रे पत्नि श्री विकास बोन्द्रे, निवासी-34, 35 वरूण नगर राजहर्ष सोसायटी नयापुरा कोलार रोड भोपाल। 04. श्रीमति आशा गुप्ता पत्नि श्री चन्द्रमोहन गुप्ता, खातेदार-ग्राम- गेंहूखेड़ा तहसील कोलार जिला भोपाल म0प्र0। 05. श्रीमति खातून बी बेवा इदुशाह कल्लू शाह परीशाह गुलाम खां इदुशाह, खातेदार-ग्राम- गेंहूखेड़ा तहसील कोलार जिला भोपाल म0प्र0 । 06. श्री अरूण गीते पुत्र श्री एन0एम0 गीते खातेदार-ग्राम- गेंहूखेडा तहसील कोलार जिला भोपाल म0प्र0। 07. श्रीमति सानिया बी बेवा मोहम्मद सिकंदर एवं अन्य सहखातेदार, खातेदार-ग्राम- गेंहूखेडा तहसील कोलार जिला भोपाल म0प्र0 । 08. श्री मो0 अब्दुल सलाम, मो0 अब्दुल हुसैन पुत्रगण मोहम्मद ईशाक, खातेदार-ग्राम- गेंहूखेड़ा तहसील कोलार जिला भोपाल म0प्र0 ।09. श्रीमति सुशीला गरूण पत्नी स्व. श्री दत्तात्रय विनायक गरूण व अन्य सहखातेदार, निवासी 202 ब्लाक नं0 फाईन इन्किलेव कोलार रोड भोपाल म0प्र0। 10. मेसर्स दव्यिवाणी संघ भारतीय कंपनी द्वारा निर्देशक फादर जोश प्रकाश आ0 थामस पी0व्ही0 निवासी डिवाइन रिट्रीट आश्रम डिवाइन नगर गेंहूखेडा भोपाल म0प्र0। 11. सर्व साधारण एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारगण। एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदिका राधिका पुत्री श्री राजीव अग्रवाल निवासी ई-2/157 अरेरा कालोनी भोपाल द्वारा ग्राम गेंहूखेडा प.ह.नं. 10 तहसील कोलार जिला भोपाल (म.प्र.) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 109, 111 क्रमशः रकबा 0.0900 हे. 0.1000 हे. कुल खसरा नंबर 02 कुल रकबा 0.1900 हे. भूमि का सीमांकन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदित उक्त भूमि का सीमांकन मेरे द्वारा दिनांक 08.05.2026 को समय दोपः 03:00 बजे स्थल पर किया जावेगा। पड़ोसी खातेदार होने के कारण एवं उक्त सीमांकन से कोई आपत्ति हो तो नियत दिनांक एवं समय पर स्थल पर भूमि के स्वत्व संबंधी एवं आनुषांगिक दस्तावेज सहित उपस्थित रहकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है। अनुपस्थिति की दशा में सीमांकन कार्य रोका नहीं जावेगा। बाद प्रस्तुत आपत्ति विचार योग्य नहीं होगी। अत्यावश्यक शासकीय कार्य होने की स्थिति में सीमांकन की दिनांक में परिवर्तन किया जा सकता है। पड़ोसी भूमिस्वामी का पता स्पष्ट न होने से आवेदक स्वयं के व्यय पर उक्त सूचना पत्र का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र में कराया जा सकता है। आज दिनांक 27.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

राजस्व-निरीक्षक
तहसील कोलार, जिला-भोपाल

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. 1120200163 आवेदन क्रमांक-11920, आवेदन दिनांक-22//04/2026

क्रमांक 2000/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 04/05/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की इन्द्रपुरी योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक 203 सेक्टर सी श्री निरंजन सिंह आ. श्री हुकुम सिंह के नाम पर आवंटित है। आवंटी द्वारा श्री टी.पी.एस गुलयानी आत्मज श्री नानक सिंह गुलयानी को अपना मुख्तारआम नियुक्त किया है। आवंटी के मुख्तारआम द्वारा उक्त भूखण्ड पर बहुमंजिला निर्माण कर (श्री प्रियांश बिल्डर्स) उक्त भूखण्ड पर निर्माण कर प्रकोष्ठ एवं दुकानों का पृथक-पृथक व्यक्तियों को विक्रय कर दिया गया है। जिसमें प्रकोष्ठ क्रमांक 304 तृतीय तल का क्षेत्रफल 460 वर्गफिट का विक्रय श्रीमती शिरिन लता कुमार पत्नी श्री एन.वाय. कुमार को दिनांक 28/12/1999 को कर दिया गया। जिन्होंने प्राधिकरण में अपने नाम पर नामांतरण न करते हुये सीधे उक्त प्रकोष्ठ श्रीमती किरन राय पत्नी श्री सुनील राय को दिनांक 16/09/2005 को विक्रय कर दिया जिन्होंने अपने नाम न करते हुये सीधे उक्त प्रकोष्ठ का विक्रय श्रीमती शिखा कक्कड़ पत्नी श्री शिवंश कक्कड़ को दिनांक 22/03/2026 को विक्रय कर विक्रय पत्र उप पंजीकृत कार्यालय में पंजीकृत करा लिया। अब क्रेता श्रीमती शिखा कक्कड़ ने आवेदन की छायाप्रति संलग्न कर उक्त प्रकोष्ठ उक्त अपने नाम नामांतरण चाहा गया है।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

JAIPRAKASH POWER VENTURES LIMITED

Regd. Office : Complex of Jaypee Nigrie Super Thermal Power Plant, Nigrie, Tehsil Sarai, District Singrauli - 486 669, (Madhya Pradesh)
Corporate Office: 'JA House' 63, Basant Lok, Vasant Vihar, New Delhi - 110057 (India)
Website: www.jppowerventures.com **Email:** jpvl.investor@jalindia.co.in **CIN :** L40101MP1994PLC042920

STATEMENT OF STANDALONE & CONSOLIDATED AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER/YEAR ENDED 31st MARCH, 2026

(Rs. in Lakhs Except Earning Per Share)

Sr. No.	Particulars	Standalone					Consolidated				
		Quarter Ended			Year Ended		Quarter Ended			Year Ended	
		31.03.2026	31.12.2025	31.03.2025	31.03.2026	31.03.2025	31.03.2026	31.12.2025	31.03.2025	31.03.2026	31.03.2025
		Audited	Unaudited	Audited	Audited	Audited	Audited	Unaudited	Audited	Audited	Audited
1	Total Income from Operations (net)	147,071	121,140	136,634	579,085	570,630	147,079	121,145	136,667	579,161	570,755
2	Net Profit / (Loss) for the period (before tax and exceptional items)	(806)	1,983	20,069	73,809	121,456	198	1,862	20,092	74,742	121,561
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after exceptional items)	(806)	1,983	20,069	73,809	121,456	198	1,862	20,092	74,742	121,561
4	Net Profit / (Loss) for the period (after tax and exceptional items)	(2,335)	489	15,549	44,152	81,073	(1,337)	377	15,567	45,063	81,355
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(2,269)	464	15,540	44,194	81,075	(1,271)	352	15,558	45,105	81,357
6	Equity Share Capital	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346
7	Other Equity				206,172	161,978				207,327	162,221
8	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (in Rs.)										
	Basic :	(0.0262)	0.0048	0.16	0.48	0.89	(0.0153)	0.0036	0.15	0.49	0.89
	Diluted :	(0.0262)	0.0048	0.16	0.48	0.89	(0.0153)	0.0036	0.15	0.49	0.89

Note : The above is an extract of the detailed statement of Quarter/Year ended Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full Quarter/Year ended Financial Results are available on the Stock Exchange websites i.e. **www.bseindia.com** & **www.nseindia.com** and also on the Company's website i.e. **www.jppowerventures.com.**

JAYPEE GROUP

For and on behalf of the Board

Sunil Kumar Sharma
Vice Chairman
DIN 00008125

Place : New Delhi
Dated : 04th May, 2026

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

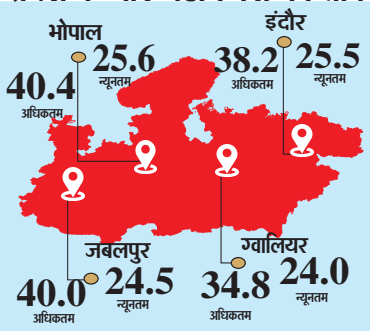

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
32.2 अधिकतम	18.8 न्यूनतम	34.2 अधिकतम	28.0 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
42.7 अधिकतम	21.5 न्यूनतम	34.0 अधिकतम	26.0 न्यूनतम

सूर्यास्त 6:49 PM
सूर्योदय 5:45 AM
चन्द्रोदय 9.22 PM
चन्द्रास्त 7:10 AM

दो लिपिक और शिक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जागरण, दमोह। लोकायुक्त संभाग सागर ने सोमवार को दमोह में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने डीईओ कार्यालय से जुड़े दो लिपिकों और एक माध्यमिक शिक्षक को 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता नवेन्द्र कुमार आठया, जो कि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पटेरा में प्राथमिक शिक्षक (विज्ञान) के पद पर कार्यरत थे, उन्हें निलंबन अवधि से बहाल करने और उनके विरुद्ध चल रही विभागीय जांच को समाप्त करने के बदले में आरोपी 80 हजार रुपए मांग रहे थे। आवेदक ने लोकायुक्त कार्यालय सागर में इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्तटीम ने जाल बिछाया। आरोपी अनिल कुमार साहू (माध्यमिक शिक्षक), मनोज कुमार श्रीवास्तव (सहायक ग्रेड-2) और नीरज कुमार सोनी (सहायक ग्रेड-3) ने जैसे ही दमोह-जबलपुर रोड पर पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने रिश्वत की राशि स्वीकार की, टीम ने उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया।

कान्हा में एक और बाघ की आपसी संघर्ष में गई जान

जागरण, मंडला। जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व की किसली रेंज में सोमवार सुबह एक 4 साल के नर बाघ का शव बरामद हुआ। डिगडोला मेल के नाम से पहचाने जाने वाले इस बाघ का शव मगरनाला क्षेत्र में गश्ती दल को मिला। प्रारंभिक जांच और शरीर पर मिले निशानों के आधार पर वन विभाग ने मौत का कारण दूसरे बाघ के साथ आपसी संघर्ष बताया है। कान्हा टाइगर रिजर्व के उप निदेशक (कोर) प्रकाश वर्मा ने बताया कि बाघ की मौत लगभग 10 से 12 घंटे पहले हुई होगी। सूचना मिलते ही वन अमला, डॉग स्क्वॉयड और प्रबंधन की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मौत के सटीक कारणों की पुष्टि पीएम रिपोर्ट के बाद ही होगी। हाथी गश्ती दल की मदद से क्षेत्र में उस दूसरे बाघ की तलाश की जा रही है, जिससे मृत बाघ का संघर्ष हुआ था। प्रबंधन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि लड़ाई में शामिल दूसरा बाघ घायल तो नहीं है। घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और पीएम के बाद प्रबंधन विस्तृत रिपोर्ट जारी करेगा। अप्रैल माह में छह बाघों की मौत कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत का सिलसिला लगातार जारी है। अप्रैल माह में ही दो बाघिनों और चार शावकों की जान जा चुकी है। इसमें 5 अप्रैल को बाघिन सुनैना और 29 अप्रैल को बाघिन टी-141 व उसके अंतिम शावक की मौत शामिल है।

पायलट ने क्रूज के इंजन पर उठाए सवाल, यात्रियों की संख्या से भी अनजान

दो साल पहले खर्च किए 38 लाख फिर भी बंद हो गया क्रूज का इंजन

जागरण, जबलपुर। नर्मदा नदी के बरगी बांध में 13 लोगों की जान का दुश्मन साबित हुए पर्यटन निगम के क्रूज के इंजन पर उंगलियां उठ गई हैं। क्रूज के पायलट ने दावा किया है कि पानी भरते ही क्रूज का इंजन बंद हो गया था, इसकी गति भी काफी स्लो थी। जबकि दो साल पहले इस क्रूज की मरम्मत में 38 लाख रुपए खर्च किए गए थे। उस मरम्मत के बाद 20 साल पुराने इस क्रूज की उम्र 10 साल बढ़ने का दावा कंपनी ने किया था।

बताया जाता है कि 2024 में इस क्रूज का ओवल ऑल मेंटेनेंस कराया गया था। निगम प्रबंधन का दावा है कि इस मीडियम री-फिट के दौरान इंजन, शॉफ्ट, हल समेत 17 अहम तकनीकी बदलाव किए

गए थे। इस मेंटेनेंस के बाद क्रूज की उम्र 10 साल तक बढ़ गई थी और यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप था। यानी 2034 तक यह क्रूज बेरोकटोक चल सकता था। यह क्रूज वर्ष 2006 में खरीदा गया था। मगर अब क्रूज पायलट के दावे और इंजन बंद होने ने 38 लाख के खर्चे पर ही सवाल उठा दिए हैं। हादसे के बाद इस पायलट महेश पटेल को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। पायलट का कहना है कि क्रूज हादसे में मेरी कोई गलती नहीं थी, तेज हवाओं ने उसे भी क्रू केबिन से बाहर फेंक दिया था। वह भी बमुश्किल बच सका। महेश के मुताबिक उसे हादसे के बाद ही पता चला कि क्रूज में 4-5 लोग बिना टिकट थे। इन्हें भी ऊपर से ही भेजा गया था। जबकि खराब मौसम में क्रूज चलाने या न चलाने का निर्णय भी प्रबंधन के अधिकारी ही लेते हैं। क्रूज पायलट केवल निर्देशों का पालन करते हैं।

बरगी क्रूज हादसा : पिता-पुत्र के शव ले जाने से फ्लाइट ऑपरेटर ने किया मना, स्प्रे डालने के बाद माना

जागरण, जबलपुर। प्रदेश के जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में 13 जानें चली गईं। प्राथमिक जांच में खराब मौसम के अलर्ट की अनदेखी को इसकी मुख्य वजह माना जा रहा है। हद तो तब हो गई जब मृतकों के शव की भी दुर्दशा तक की जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले आर्डिनेंस फैक्ट्री के कर्मचारी कामराज आर और उनके 5 साल के बेटे श्रीतमिल का शव ले जाने से फ्लाइट ऑपरेटर ने मना कर दिया। ऑपरेटर ने कहा कि बॉडी डी-कंपोज हो रही हैं। बदबू आ रही है, इसलिए वह इन्हें नहीं ले जा सकता है। इसका पता लगते ही प्रशासनिक अधिकारी सक्रिय हुए और

ऑपरेटर को समझाकर स्प्रे करवाकर शव फ्लाइट में रखवाए। इसकी वजह से फ्लाइट ने अपने निर्धारित समय से एक घंटे देरी से उड़ान भरी। श्रीतमिल का शव दो मई को मिला था जबकि कामराज की लाश 3 मई की सुबह मिली। रविवार शाम को ही कामराज और श्रीतमिल का शव लेकर खमरिया अस्पताल से एम्बुलेंस डुमना एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई। रांझी पहुंचने पर जानकारी मिली कि त्रिची का मौसम खराब है, विमान लैंड नहीं कर पाएगा। इस पर एम्बुलेंस वापस अस्पताल आ गई और दोनों शव मरचुरी में रखवा दिए गए।

पीड़िता से वसूली पर हास्पिटल का लाइसेंस किया निलंबित

बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे की पीड़िता से इलाज के नाम पर निजी अस्पताल में शुल्क लेने पर जबलपुर सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने गौर चौराहा स्थित नोबल मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का लाइसेंस एक माह के लिए निलंबित कर दिया। साथ ही अस्पताल प्रबंधन को नोटिस देकर सात दिनों में जवाब मांगा है। मालूम हो कि हादसे की घायल वराणसी निवासी सविता वर्मा ने आरोप लगाया था कि इलाज के नाम पर अस्पताल ने उनसे 4700 रुपए ले लिए। इसके बाद कार्रवाई हुई।

बालाघाट : नाबालिग छात्रा से रेप आहत होकर लगा ली फांसी

बाइक से ले जाते दिखे आरोपी, आधी रात को छोड़कर भागे

जागरण, बालाघाट। प्रदेश के बालाघाट जिले में एक युवक ने 15 साल की छात्रा से दुष्कर्म की वारदात के बाद उसे आधी रात सुनसान इलाके में छोड़ दिया। घटना से आहत छात्रा ने खुदकुशी कर ली। नाबालिग का शव घर से कुछ दूरी पर मिला। आरोपी उसे बाइक से ले गया था। इसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। पुलिस जांच के अनुसार, 27 अप्रैल की रात करीब 1 बजे मुख्य आरोपी अजीत बाहेश्वर (22) कक्षा 9वीं की छात्रा के घर आया। उसने छात्रा को बहलाया-फुसलाया। अपने दोस्त की बाइक पर बैठाकर उसे गांव से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में ले गया। युवक ने रात करीब 2 बजे खेत में छात्रा से रेप किया। वारदात के बाद छात्रा ने घर छोड़ने की गुहार लगाई, लेकिन अजीत बाहेश्वर ने अपने दोस्त लवकुश कोहरे को उसे छोड़ने भेज दिया। लवकुश उसे लेकर निकला, लेकिन आधे रास्ते में छोड़कर चला गया। आधी रात में छात्रा डरी-सहमी चलती रही, लेकिन घर पहुंचने की हिम्मत नहीं जुटा पाई तो आरोपी को फोन किया। उसने अजीत को फोन कर मदद मांगी, लेकिन अजीत ने सो रहा हूं कहकर फोन काट दिया और उसे अकेला छोड़ दिया। छात्रा वारदात वाली जगह से घर के करीब पहुंची। तनाव में उसने पुलिया पर लोहे के एंगल से फांसी लगा ली। 28 अप्रैल की सुबह उसका शव फंदे पर लटका मिला। परिजन ने हत्या और दुष्कर्म की आशंका जताई, लेकिन शुरुआती जांच में मामला स्पष्ट नहीं हो सका। रेप के बाद सुसाइड की खबर मिलते ही 2 मई को स्थानीय विधायक अनुभा मुंजारे पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचीं। उन्होंने सख्त कार्रवाई और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। बढ़ते दबाव के चलते पुलिस ने जांच तेज की।

इसी पुल पर छात्रा ने लगाई फांसी।

सीसीटीवी और कॉल रिकॉर्ड से खुला राज

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल कॉल डिटेल्स खंगाले तो घटनाक्रम की कड़ियां जुड़ने लगीं। छात्रा का रात में घर से निकलना, आरोपी के साथ लोकेशन और बाद के फोन कॉल ने केस को नई दिशा दी। इन्हीं साक्ष्यों पर पुलिस ने मामला आत्महत्या से बदलकर दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में दर्ज किया। भरवेली थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह पंद्रो ने बताया कि आरोपी का दोस्त लवकुश कोहरे गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी अजीत बाहेश्वर अभी भी फरार है। पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही हैं। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बारात में नाचने की बात पर चाकूबाजी, दो युवकों की मौत

जागरण, रतलाम। प्रदेश के रतलाम के जीआरपी थाना क्षेत्र स्थित ओल्ड रेलवे क्वार्टर में रविवार देर रात शादी समारोह में नाचने की बात को लेकर हुई चाकूबाजी में दो युवकों की मौत हो गई। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल है। वारदात में आरोपी पक्ष के भी दो

लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतकों की पहचान रेलवे कॉलोनी के रहने वाले आनंद रावत और पीएनटी कॉलोनी के शाहबाज उर्फ आशु खान के रूप में हुई है। जीआरपी थाना प्रभारी सोहन पाटीदार ने बताया कि दोनों पक्ष रात में निकल रही एक ही बारात में शामिल थे। इसी दौरान नाचने की बात को लेकर उनमें कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष बारात से बाहर निकल गए। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। हमले में घायल पीयुष रावत ने बताया कि वह अपने चचेरे भाई आनंद और दोस्त शाहबाज के साथ ओल्ड रेलवे क्वार्टर के सामने शंकर मंदिर के पास खड़ा था। इसी दौरान परिचित रोजर बिन्नी वहां पहुंचा। रोजर ने बताया कि उसका मुन्ना और रोहित खंडकर के साथ विवाद हुआ है। थोड़ी देर बाद ही मुन्ना और रोहित अपने साथियों के साथ वहां पहुंच गए और चाकू घोंप दिए।

आरक्षक ने अपनी जान देकर बच्चियों को डूबने से बचाया

जागरण, मंडला। जिले के मोहगांव थाना इलाके में एक पुलिस कांस्टेबल शिवलाल परस्ते की डूबने से मौत हो गई। यह हादसा देवगांव में नर्मदा और बुदनेर नदी के संगम पर हुआ, जहां कांस्टेबल अपने परिवार के साथ नहाने गए थे। बेटियों को बचाने की कोशिश में वह गहरे पानी में डूब गए, हालांकि बेटियों को सुरक्षित बचा लिया। कांस्टेबल शिवलाल परस्ते पिछले 11 महीने से मोहगांव थाने में तैनात थे। उनकी पत्नी बिछिया इलाके में टीचर हैं और बच्चे अपनी मां के साथ वहीं रहते थे। उनकी पत्नी और बच्चे छुट्टियों में मोहगांव आए थे। सोमवार को पूरा परिवार देवगांव संगम पर घूमने और नहाने गया था। नहाते समय उनका बेटा अचानक गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए उनकी दो बेटियां भी पानी में कूद गईं, लेकिन वे भी डूबने लगीं। यह देखकर कांस्टेबल शिवलाल तुरंत पानी में कूद गए और बच्चियों को बचा लिया।

72 यात्रियों की बुकिंग, भेजा 48 सीटों वाला विमान, रीवा एयरपोर्ट पर हंगामा

सिस्टम में नाम नहीं कहकर रोका, युवती का इंटरव्यू छूटा, अफसरों ने मानी चूक

जागरण, रीवा। प्रदेश के रीवा एयरपोर्ट पर यात्रियों के समक्ष अजीबो गरीब स्थिति उत्पन्न हो गई। कन्फर्म टिकट होने के बावजूद 15 लोगों को फ्लाइट में बैठने से रोक दिया गया। दिल्ली जाने वाली इस फ्लाइट को संचालित करने वाली अलायंस एयर ने 72 यात्रियों की बुकिंग की थी, लेकिन एयरपोर्ट पर केवल 48 सीटों वाला छोटा विमान भेज दिया। अचानक पैदा हुई इस स्थिति से एयरपोर्ट पर हंगामे जैसे हालात बन गए। जानकारी के अनुसार, एयरलाइन ने पहले बड़े विमान के हिसाब से टिकट जारी किए थे। लेकिन आखिरी समय में छोटे विमान के आने से सीटें कम पड़ गईं। इसके चलते 15 यात्रियों को बोर्डिंग से वंचित कर दिया गया, जबकि

उनके पास वैध कन्फर्म टिकट थे।

एयरपोर्ट पर फूटा यात्रियों का गुस्सा

बोर्डिंग से रोके जाने के बाद यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने एयरपोर्ट परिसर में एयरलाइन स्टाफ से जवाब मांगा और अव्यवस्था के खिलाफ विरोध जताया। मौके पर मौजूद कई अन्य यात्रियों ने भी इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। अमरपाटन की शिवानी जैन, जिन्हें दिल्ली में एक जरूरी इंटरव्यू के लिए जाना था, भी इस अव्यवस्था का शिकार हुईं। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें तकनीकी कारणों का हवाला देकर रोका गया और बाद में सीटों की कमी की बात कही। समय पर सूचना न मिलने से वे कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं कर सकीं। हंगामे के बीच एयरलाइन और एयरपोर्ट अधिकारियों ने अपनी गलती स्वीकार की। उन्होंने माना कि विमान बदलने की पूर्व सूचना यात्रियों को नहीं दी गई, जिससे यह स्थिति बनी। अंततः प्रभावित यात्रियों को बिना किसी वैकल्पिक इंतजाम के वापस लौटना पड़ा, जिससे उनकी योजनाएं पूरी तरह प्रभावित हो गईं।

बीटेक की छात्रा दे रही थी बीकॉम की परीक्षा, असली छात्रा का मोबाइल बंद

उज्जैन के विक्रमादित्य विवि में पकड़ाई लेडी मुन्नाभाई

जागरण, उज्जैन। प्रदेश के उज्जैन में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में बीकॉम परीक्षा के दौरान सोमवार को एक लेडी मुन्नाभाई पकड़ाई। दरअसल स्कूल ऑफ स्टडीज इन कॉमर्स में बीकॉम छठे सेमेस्टर की परीक्षा के दौरान असली छात्रा की जगह दूसरी युवती परीक्षा देने पहुंची थी। जांच के दौरान कक्ष क्रमांक 10 की ए-1 सीट पर बैठी छात्रा के दस्तावेजों और फोटो का मिलान किया तो फर्जीवाड़ा सामने आया। पूछताछ में युवती ने अपना नाम प्रिशा साहू, निवासी इंदौर बताया। उसने स्वीकार किया कि वह बीटेक की छात्रा है और असली परीक्षार्थी सपना भदौरिया की जगह परीक्षा देने आई थी। अफसरों ने जब वास्तविक छात्रा से संपर्क करने की कोशिश की, तो उसका मोबाइल बंद मिला। प्रिशा ने बताया कि उसकी पहचान ऋषभ नामक युवक से थी, उसने अपनी बहन सपना की जगह उसे परीक्षा देने बुलाया था। सपना ने उस पर दबाव बनाया और कहा कि पहले परीक्षा दे दो, बाकी बात बाद में तय करेंगे। ऋषभ ने उसे भरोसा दिलाया कि वह पहले भी इस तरह के काम कर चुका है, इसलिए कोई जोखिम नहीं होगा। हैरानी की बात यह रही कि उसे सिर्फ परीक्षा हॉल में बैठकर कुछ भी लिखने को कहा था।

विवि प्रशासन ने जांच की शुरू

मामले की सूचना मिलते ही कुलगुरु अर्पण भारद्वाज मौके पर पहुंचे और इसे गंभीर बताते हुए जांच के निर्देश दिए। फिलहाल आरोपी छात्रा से परीक्षा नियंत्रक कक्ष में पूछताछ की गई है। विवि प्रशासन अब इस मामले को माधव नगर थाना पुलिस को सौंपने की तैयारी में है। शुरुआती जांच से संकेत मिल रहे हैं कि यह एक संगठित सॉल्वर गैंग का हिस्सा हो सकता है, जिससे पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बगीचे में लटके मिले प्रेमी जोड़े के शव

जागरण, मुरैना। जिले से एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां के देवगढ़ थाना क्षेत्र में एक प्रेमी युगल ने पेड़ से लटककर खुदकुशी कर ली। जानकारी अनुसार दोनों के बीच गहरा प्रेम संबंध था और वे शादी करना चाहते थे लेकिन अलग-अलग समाज से होने के कारण उनके परिवार इस रिश्ते के खिलाफ थे। घटना देवगढ़ थाना क्षेत्र के छत्तरपुरा गांव की है। बताया जा रहा है कि युवक और युवती लंबे समय से एक-दूसरे से प्रेम करते थे। उन्होंने अपने परिजनों से शादी की इच्छा जताई थी, लेकिन समाज अलग होने के चलते दोनों परिवार इसकी इजाजत नहीं दे रहे थे। इजाजत नहीं मिलने और भविष्य में अलग होने के डर से दोनों ने आत्मघाती कदम उठा लिया। सोमवार सुबह जब ग्रामीण गांव के बाहर आए तो उन्होंने एक फंदे पर दोनों को लटकते देखा। घटना की खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई ।

विदेश जाने को लेकर दंपति में विवाद

हार्डवेयर कारोबारी ने खुद को मारी गोली

जागरण, इंदौर। शहर में हार्डवेयर कारोबारी सुधीर पाटनी ने अपनी पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना रविवार-सोमवार दरमियानी रात की है। खुदकुशी से पहले बच्चों के पास विदेश जाने को लेकर कारोबारी का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव का पीएम हो चुका है लेकिन बच्चों के विदेश से आने के बाद ही सुधीर का अंतिम संस्कार होगा। जानकारी अनुसार हार्डवेयर कारोबारी पाटनी बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे पॉश टाउनशिप शांति निकेतन में रहते थे। वे शहर के प्रतिष्ठित कारोबारी थे, उनके दोनों बच्चे (बेटा और बेटी) यूएसए में रहते हैं। डीसीपी जोन-2 अमरेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सुधीर पाटनी और उनकी पत्नी के बीच में रात में विवाद हुआ था। इसके बाद पाटनी कमरे में गए और खुद को गोली मार ली। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पाटनी की पत्नी सोमवार दोपहर की फ्लाइट से बच्चों के पास विदेश जाने वाली थीं, लेकिन रात में पाटनी ने पत्नी से कहा कि वह विदेश ना जाएं। इस बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया।

बिजनेस लाइन

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 22 दिनों में ट्रैक पर सभी पांच भारी पोर्टल बीम किये लॉन्च

अहमदाबाद। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए मणिनगर में अहमदाबाद-वडोदरा रेलवे लाइन के ऊपर, सभी पाँच (05) प्रीकास्ट-प्रीस्ट्रेस्ड भारी पोर्टल बीम (गर्डर) को मात्र 22 दिनों के भीतर सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है।

लॉन्चिंग प्रक्रिया 8, 13, 19, 24 और 29 अप्रैल 2026 को पूर्व-नियोजित और चरणबद्ध क्रम में सफलतापूर्वक पूरी की गई। यह कार्य भारतीय रेलवे की सक्रिय पटरियों के ऊपर अत्यंत उच्च स्तर के समन्वय, तीव्र कार्यगति तथा सटीक एवं सुरक्षित निष्पादन के साथ पूरा किया। सबसे भारी बीम, जिसका वजन लगभग 1360 एमटी था, 8 अप्रैल 2026 को लॉन्च किया गया, जो परिचालन रेलवे लाइनों पर किए गए सबसे भारी लिफ्टों में से एक को चिह्नित करता है। पांचों बीमों में से प्रत्येक का वजन 1170 एमटी से 1360 एमटी के बीच था, जिससे यह रेलवे अवसंरचना पर किए गए सबसे जटिल संरचनात्मक संचालन में से एक बन गया। मणिनगर में, बुलेट ट्रेन का एलाइनमेंट मौजूदा रेलवे ट्रैकों से ऊँचाई वाले स्तर पर चौंकाने और सीमित ज्यामिति के साथ क्रॉस करती है, जिसके लिए सावधानीपूर्वक संरचनात्मक योजना की आवश्यकता होती है। दो पियर्स के बीच का अंतराल भी अपेक्षाकृत बड़ा है (लगभग 30 मी से 34 मी), जो सुरक्षित रूप से भार स्थानांतरित करने के लिए पोर्टल बीम जैसी मजबूत और कठोर सहायक प्रणाली की आवश्यकता को और बढ़ाता है। इस स्थान पर पोर्टल बीम को भारी संरचनाओं के रूप में डिज़ाइन किया गया है, ताकि वे भारतीय रेलवे की कई सक्रिय पटरियों—जिनमें अहमदाबाद-वडोदरा की अप डाउन और तीसरी लाइनें शामिल हैं—के ऊपर से गुजर सकें।

सिस्टेक में एआई ओपनर अवॉर्ड 2026 का आयोजन

भोपाल। सागर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सिस्टेक-आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस इंटीग्रेटेड लर्निंग एवं डेवलपमेंट इंस्टीट्यूशन ने एआई ओपनर अवार्ड्स 2026 के साथ कैंपस प्लेसमेंट में उपलब्धि हासिल की है। नवाचार और दूरदर्शी प्रतिभाओं के सम्मान के उद्देश्य से आयोजित अवार्ड्स आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (एआई) के युग में भविष्य के लिए तैयार इंजीनियर्स के निर्माण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पीओडी एआई द्वारा संचालित यह अवॉर्डस सिस्टेक रातीबड़ के विक्रम सभागार में प्रदान किए। यह पहल सिस्टेक के इंटीग्रेटेड लर्निंग एवं डेवलपमेंट को प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट कार्यक्रमों पर विशेष फोकस कर प्रदर्शित करती है, जिसका उद्देश्य अकादमिक ज्ञान और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच की दूरी को कम करना रहा है। छात्रों, शिक्षकों, उद्योग जगत के लीडर्स को यह अवार्ड नई उमरती टेक्नोलॉजी में उत्कृष्टता को मान्यता देने और परिवर्तनकारी विचारों को प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान किया।

एनएसई ने लॉन्च किए इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स

भोपाल। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) ने इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) को एक नए सेगमेंट के तौर पर लॉन्च किया है। यह एक क्रांतिकारी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के पारंपरिक और बड़े गोल्ड मार्केट में पारदर्शिता, सहजता और एक मजबूत सिस्टम लाना है। 4 मई, 2026 को शुरू हुई यह पहल फिजिकल गोल्ड और फाइनेंशियल मार्केट के बीच के सदियों से चले आ रहे अंतर को खत्म करने में मदद करेगी, जहाँ सोने की खरीदी-बिक्री एक सुरक्षित, रेगुलेटेड और टेक्नोलॉजी बेस्ड प्लेटफॉर्म पर हो सकेगी। ईजीआर एक तरह की डिजिटल सिक्योरिटी है, जो फिजिकल गोल्ड के मालिकाना हक को दर्शाती है। यह सोना सेबी द्वारा मान्यता प्राप्त वॉल्ट्स में सुरक्षित रखा जाता है और डिपॉजिटरी के जरिए इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में होल्ड किया जाता है। हर ईजीआर पूरी तरह असली सोने से जुड़ा होता है और इसे एक्सचेंज पर आसानी से ट्रेड किया जा सकता है, जिससे गोल्ड सीधे फॉर्मल फाइनेंशियल सिस्टम का हिस्सा बन जाता है।

हाईवे पर फिल्मी अंदाज में चलते ट्रक से 2 मिनट में लूट

जागरण, शुजालपुर। शुजालपुर-आष्टा नेशनल हाईवे पर सोमवार दोपहर एक फिल्मी अंदाज में ट्रक से सामान लूटने का मामला सामने आया है। यह घटना ग्राम तिलावद और मैना के बीच करीब 12:30 बजे हुई, जब चार नकाबपोश बदमाशों ने तेज रफ्तार ट्रक का पीछा किया। बदमाश दो बिना नंबर की बाइकों पर सवार थे। उनमें से एक बदमाश बाइक से ट्रक के पिछले हिस्से पर चढ़ गया और रस्सी काटकर तिरपाल हटा दिया। दो मिनट के भीतर उसने ट्रक के अंदर रखे दो बड़े बॉक्स नीचे फेंक दिए और फिर खुद भी कूद गया। घटना के समय पीछे आ रही अन्य गाड़ियों के चालक इस लूट को कैमरे में कैद कर रहे थे। वीडियो में बदमाशों के हाथों में हथियार थे, जिन्हें देखकर वे अन्य गाड़ियों को दूर रहने का इशारा कर रहे थे। ट्रक चालक को जब इस घटना का आभास हुआ और उसने गाड़ी रोकी, तब तक बदमाश सामान लेकर फरार हो चुके थे। चौकाने वाली बात यह है कि इस घटना के बावजूद स्थानीय पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिली। तिलावद चौकी प्रभारी घनश्याम बैरागी और पार्वती थाना प्रभारी हरिसिंह परमार ने ऐसी किसी भी घटना की सूचना मिलने से इनकार किया है। यह लूट जैसी घटना दिनदहाड़े होने के बावजूद पुलिस की अनजानगी सवाल खड़ा करती है।

बाजार पर नजर

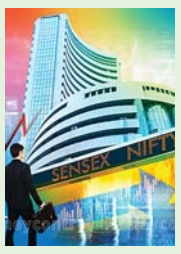

शेयर बाजार में आज

335 ▲ 77,269

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Adani Ports	1,748.60	5.15%
Adani Enterpris	2,515.00	3.21%
Eicher Motors	7,348.50	3.09%
HUL	2,365.80	2.59%
Jio Financial	254.00	2.59%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Bharti Airtel	1,821.70	-3.16%
Kotak Mahindra	363.00	-3.04%
Dr Reddys Labs	1,280.60	-2.70%
ONGC	292.35	-2.22%
TCS	2,425.00	-1.72%

फॉरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	95.0800
€ यूरो	111.41
¥ येन	0.6057
£ पौंड	128.93

बंगाल में नई सरकार से उद्योग जगत को निवेश अनुकूल नीतियों की उम्मीद

बड़े निवेश और औद्योगिकीकरण को गति देने के साथ केंद्र-राज्य संबंधों को मिलेगी नई दिशा

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदर्शन पर उद्योग मंडलों और व्यापार संगठनों ने सोमवार को बधाई दी और उम्मीद जताई कि नई सरकार राज्य के आर्थिक वृद्धि को पटरी पर लाने के लिए औद्योगिकीकरण, बुनियादी ढांचे के निर्माण, निवेश अनुकूल नीतियों और केंद्र-राज्य के बीच मजबूत समन्वय पर ध्यान केंद्रित करेगी। भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष नरेश पचीसिया ने कहा, बंगाल के लिए एक नई शुरुआत का संकेत है, जहां बड़े निवेश, व्यापार विस्तार और औद्योगिकीकरण को गति देने के साथ केंद्र-राज्य संबंधों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने पारदर्शी और सुदृढ़ शासन, व्यवसाय-अनुकूल नीतियों, स्थिर श्रम संबंधों और निवेशकों के बीच राज्य की छवि सुधारने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। पचीसिया ने कहा कि कम समय में निवेशकों का भरोसा बहाल करना पश्चिम बंगाल को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में पुनर्जीवित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

निवेशकों के अनुकूल नीतियों की उम्मीद: बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने भी राज्य में सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड जनादेश मिलने पर बधाई दी। उद्योग मंडल ने बयान में कहा, बीसीसीआई राज्य में ऐसा माहौल बनने की उम्मीद करता है जो निवेशकों के भरोसे, कारोबार सुगमता, औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और नीतिगत स्थिरता को और मजबूत करे। उसने कहा कि राज्य की आर्थिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए रचनात्मक शासन और सहयोगात्मक विकास अहम होंगे।

कपड़ा क्षेत्र में विशेष सहयोग की आशा

बीसीसीआई ने निवेश को गति देने के लिए सरकार और उद्योग के बीच संस्थागत सहयोग, राजकोषीय मजबूती और प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहनों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। पश्चिम बंगाल होजरी एसोसिएशन के अध्यक्ष सुदेश अग्रवाल ने उम्मीद जताई कि नई सरकार कपड़ा क्षेत्र को विशेष समर्थन देगी और केंद्र सरकार की योजनाओं के अनुरूप कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि उद्योग को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, आधुनिक टेक्सटाइल पार्कों के विकास, बेहतर लॉजिस्टिक और एकीकृत मूल्य श्रृंखला के लिए मजबूत केंद्र-राज्य समन्वय की उम्मीद है। अग्रवाल ने कहा, बदलते वैश्विक परिदृश्य में, जहां आपूर्ति श्रृंखलाएं लगातार परिवर्तित हो रही हैं, राज्य के पास एक प्रतिस्पर्धी और भरोसेमंद वस्त्र केंद्र के रूप में उभरने की पर्याप्त क्षमता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि नीतिगत इच्छाशक्ति के साथ समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

एलएनजी की टैंक भंडारण क्षमता बढ़ाने की तैयारी में भारत: पेट्रोनेट

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया संघर्ष और बढ़ते जोखिमों के बीच भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के लिए तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के भंडारण के लिए नए टैंक बनाने की तैयारी में है। पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत अपनी प्राकृतिक गैस जरूरतों का करीब 50 प्रतिशत आयात करता है, जिसका उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण, सीएनजी और रसोई गैस के तौर पर होता है। यह गैस तरलीकृत रूप (एलएनजी) में कतर और अमेरिका जैसे देशों से जहाजों के जरिए लाई जाती है। देश में प्राकृतिक गैस की मुख्य आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ए के सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बाद कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आपूर्ति प्रभावित हुई है, जो कुल आयात का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है।

पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इस स्थिति ने वैकल्पिक स्रोतों की तलाश की जरूरत बताई है। ऐसे समय में पेट्रोनेट कई टर्मिनलों पर नए एलएनजी भंडारण टैंक बनाकर अपनी भंडारण क्षमता बढ़ाने की योजना बना रही है। सिंह ने बताया कि कंपनी ओडिशा के गोपालपुर में दो, केरल के कोच्चि में एक और गुजरात के दहेज में अतिरिक्त भंडारण टैंक स्थापित करने की योजना बना रही है। इन परियोजनाओं को पूरा होने में करीब तीन साल लगेंगे। कुल मिलाकर सात नए टैंक प्रस्तावित हैं।

गैस उपलब्धता बनाए रखने में मिलेगी मदद

सिंह ने कहा कि अतिरिक्त भंडारण क्षमता से आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी गैस की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हमारे पास परिचालन के लिहाज से पर्याप्त भंडारण है लेकिन युद्ध जैसी आपात स्थितियों के लिए नहीं है। पेट्रोनेट के पास देश के 23 एलएनजी टैंकों में से 10 टैंक हैं, जिनके जरिए 2025-26 में 2.65 करोड़ टन एलएनजी का प्रबंधन किया गया। इसमें दहेज टर्मिनल पर आठ और कोच्चि में दो टैंक शामिल हैं। कतर के रास लाफान संयंत्र से एलएनजी की आपूर्ति दो मार्च से ही बाधित है और मार्च-अप्रैल में कोई भी खेप नहीं आई। मई में भी आपूर्ति प्रभावित रहने की आशंका है, जबकि जून को लेकर स्थिति अनिश्चित है। सिंह ने कहा कि आपूर्ति बाधित होने के कारण प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, जैसे घरेलू रसोई गैस और परिवहन के लिए सीएनजी, तक गैस पहुंचाने के लिए औद्योगिक उपभोक्ताओं को आपूर्ति में कटौती करनी पड़ी।

रोहित जैन ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर का पद संभाला

मुंबई, जेएनएन। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि रोहित जैन ने केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर का पदभार संभाल लिया। जैन को विदेशी मुद्रा और वित्तीय-प्रौद्योगिकी समेत 10 विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि जैन ने टी रबी शंकर का स्थान लिया है, जिनका विस्तारित कार्यकाल शनिवार को समाप्त हो गया। जैन की नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, के लिए की गई है। जैन इससे पहले आरबीआई के कार्यकारी निदेशक के पद पर थे। उन्हें केंद्रीय बैंक में 34 वर्ष से अधिक का व्यापक अनुभव है। बयान के मुताबिक, डिप्टी गवर्नर के रूप में जैन बाह्य निवेश एवं परिचालन, वित्तीय बाजार विनियमन, आंतरिक ऋण प्रबंधन, विदेशी विनिमय, वित्तीय-प्रौद्योगिकी, जोखिम निगरानी, सूचना प्रौद्योगिकी, सरकारी एवं बैंक खाते, कॉरपोरेट रणनीति एवं बजट और राजभाषा विभाग को संभालेंगे।

भारत-कनाडा के बीच एफटीए पर दूसरे दौर की वार्ता शुरू

नयी दिल्ली, जेएनएन। भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का दूसरा दौर सोमवार को शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते को आधिकारिक रूप से व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस वार्ता में वस्तुओं, सेवाओं तथा अन्य पारस्परिक रूप से सहमत नीतिगत क्षेत्रों में व्यापार पर चर्चा की जाएगी। अधिकारी ने कहा, पांच दिवसीय वार्ता चार मई से यहां शुरू हुई। वार्ता का पहला दौर मार्च में आयोजित किया गया था। यह दौर महत्वपूर्ण है क्योंकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस माह के अंत तक वार्ता को गति देने के लिए कनाडा की यात्रा करेंगे।

2023 में कनाडा ने रोक दी थी वार्ता: यह वार्ता प्रक्रिया फिर से शुरू होने का संकेत भी है क्योंकि कनाडा ने 2023 में वार्ता को रोक दिया था।

चुनावी परिणामों से शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा

मुंबई, जेएनएन। प्रमुख कंपनियों में लिवाली आने और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 356 अंक की मजबूती रही जबकि निफ्टी 122 अंक चढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 355.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 77,269.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 997.25 अंक उछलकर 77,910.75 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 121.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,119.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल और मारुति सुजुकी के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

बीएचईएल का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ ढाई गुना से अधिक

नई दिल्ली, जेएनएन। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) का 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ ढाई गुना से अधिक होकर 1,290.47 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 504.45 करोड़ रुपये रहा था। बीएचईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 12,553.50 करोड़ हो गई जो 2024-25 की इसी तिमाही में 9,142.64 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बिजली क्षेत्र से राजस्व 9,509.85 करोड़ रहा जो जनवरी-मार्च 2025 में 6,192.41 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा बढ़कर 1,600.26 करोड़ रहा जो 2024-25 में 533.90 करोड़ रुपये था। कुल आय 28,804.79 करोड़ रुपये से बढ़कर 34,589.83 करोड़ रुपये हो गई।

पश्चिम एशिया संकट: बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण आयातित यूरिया और अन्य उर्वरकों की बढ़ती कीमतों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार का उर्वरक सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन से अधिक होने का अनुमान है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह यह कहा। उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर एक अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम जानते हैं कि कीमतें बढ़ी हैं। यूरिया और अन्य उर्वरकों दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा है। निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी, लेकिन अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के बावजूद, खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और 'स्थिर' बनी हुई है। मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा। इसमें यूरिया (40.72 लाख टन), डाई अमोनियम फॉस्फेट (5.39 लाख टन), एनपीके (13.65 लाख टन) और एसएसपी (8 लाख टन) शामिल हैं। इसके अलावा 17 लाख टन का आयात भी किया गया। यह आयात बंदरगाह और विदेश मंत्रालयों के समन्वित प्रयासों से संभव हो पाया। विभाग ने मई महीने के लिए 22 लाख टन यूरिया, 4 लाख टन डीएपी और 8 लाख टन एनपीके के घरेलू उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि यूरिया के कुछ ऐसे संयंत्र जो अस्थायी रूप से बंद हो गए थे, वे अब फिर से चालू होने वाले हैं।

2026 में उर्वरक मांग 390.54 टन होगी

कृषि विभाग ने खरीफ 2026 सत्र के लिए उर्वरकों की आवश्यकता 390.54 लाख टन रहने का अनुमान जताया है। इसके मुकाबले, राज्यों ने पहले ही 195.71 लाख टन उर्वरक का स्टॉक जमा कर लिया है। यह कुल आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत है। अधिकारियों के अनुसार यह 'बेहतर योजना और समय से पहले स्टॉक जमा करने' की रणनीति को बताता है। कृषि मंत्रालय के आकलन के आधार पर राज्यों के हिसाब से मांग का खाका तैयार कर लिया गया है और इसके लिए स्टॉक जमा करने तथा अग्रिम योजना बनाने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है। केंद्रीय स्तर पर जिलों के भीतर इसके पुनर्वितरण की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की ही रहेगी।

एलपीजी की घरेलू खपत अप्रैल में 16 फीसदी घटी

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में संघर्ष की वजह से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के कारण देश में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत अप्रैल में 16 प्रतिशत से अधिक घटकर 22 लाख टन रह गई। सोमवार को जारी नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी मिली। पेट्रोलियम मंत्रालय से जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष अप्रैल में एलपीजी की घरेलू खपत सालाना आधार पर 16.16 प्रतिशत घटकर 22 लाख टन रह गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 26.2 लाख टन थी। मासिक आधार पर भी एलपीजी खपत में गिरावट दर्ज की गई है। मार्च 2026 में एलपीजी की घरेलू खपत 23.79 लाख टन रही थी।

एटीएफ और डीजल खपत सुस्त रही : आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में विमानन ईंधन (एटीएफ) की खपत 1.37 प्रतिशत घटकर 7.61 लाख टन रह गई, जो हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों में कमी का असर दर्शाती है। इस दौरान डीजल की खपत वृद्धि दर में भी सुस्ती रही और यह केवल 0.25 प्रतिशत बढ़कर 82.82 लाख टन रही। मार्च में इसमें 8.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। हालांकि पेट्रोल की खपत अप्रैल में 6.36 प्रतिशत बढ़कर 36.7 लाख टन रही। हालांकि यह वृद्धि मार्च के 7.6 प्रतिशत से कम है। सरकार के स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने के प्रयासों के कारण पिछले कुछ वर्षों में एलपीजी खपत लगातार बढ़ रही थी, लेकिन मौजूदा वैश्विक तनाव का इस पर असर पड़ा है।

60% एलपीजी आयात करता है भारत

भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष छिड़ने के कारण इस मार्ग से आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आने वाली गैस की खेपों में बाधा आई। सरकार ने घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता बनाए रखने के लिए होटल और उद्योगों जैसे वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को आपूर्ति घटा दी है। साथ ही घरेलू सिलेंडर की दो रिफिलिंग के बीच अंतराल भी बढ़ाया गया है।

न्यायालय तहसीलदार राजधानी परियोजना टी.टी. नगर भोपाल
(शेड नं. 06 बारह दफ्तर जवाहर चौक भोपाल)
न.अ.प्र.क्र. 01/अ-20(1)/2026-27

इश्तहार

आवेदक कार्यकारी संचालक एमपीआईडीसी भोपाल द्वारा ग्राम कोटरा सुल्तानाबाद स्थित भूमि खसरा नंबर 154 रकबा 1.0440 हेक्टेयर में से 0.1860 हेक्टेयर भूमि एमपीआईडीसी भोपाल के पक्ष में हस्तांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकरण में **15 दिवस के भीतर** इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के बाद प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।
आज **दिनांक 29.04.2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

पदमुद्रा

तहसीलदार
टी.टी. नगर वृत्त, भोपाल

म.प्र. माध्यम/125603/2026

कर्ज माफी के भ्रामक दावों से सावधान रहें: आरबीआई

मुंबई, जेएनएन। भारतीय रिजर्व बैंक ने कर्ज माफी का झांसा देने वाले अनधिकृत और भ्रामक अभियानों से जनता को सावधान रहने को कहा। साथ ही ऐसे व्यक्तियों या संस्थाओं से दूर रहने की सलाह दी। आरबीआई ने विभिन्न माध्यमों और प्रत्यक्ष संपर्क के जरिए कुछ व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे ऐसे अभियानों के लगातार सामने आने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ऐसे अभियान न केवल आम लोगों को गुमराह करते हैं, बल्कि देश की ऋण प्रणाली के सुचारु संचालन में भी बाधा डालते हैं। इन अभियानों में बैंकों या गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के बकाया ऋण माफ करने के झूठे वादे, कर्ज माफी प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेज जारी करने का दावा और सेवा या कानूनी शुल्क के नाम पर लोगों से पैसे वसूलना शामिल है।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों दें सूचना

आरबीआई ने कहा, यह दोहराया जाता है कि ऐसी सेवाएं देने का दावा करने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं के सभी दावे झूठे और भ्रामक हैं तथा उनके खिलाफ लागू कानूनों के तहत उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। केंद्रीय बैंक ने कहा, ऐसे व्यक्तियों या संस्थाओं से किसी भी प्रकार का संबंध न रखें और उनकी सेवाएं न लें। भ्रामक अभियान की सूचना तुरंत संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दें।

वॉकहार्ट को तिमाही में 164 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली, जेएनएन। दवा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ 31 मार्च, 2026 को समाप्त चौथी तिमाही में 164 करोड़ रुपये रहा। वॉकहार्ट लिमिटेड ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले वित्तवर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 45 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी ने बताया कि परिचालन आय 965 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 743 करोड़ रुपये थी। वॉकहार्ट ने कहा कि चौथी तिमाही में कुल खर्च बढ़कर 843 करोड़ रुपये हो गया।

7.50% से कम ब्याज पर मिल रहा होम लोन

नई दिल्ली, जेएनएन। अगर आप घर खरीदने के लिए होम लोन लेने को प्लान बना रहे हैं, तो आपको देश के प्रमुख बैंकों की ब्याज दरों के बारे में पता होना चाहिए। बैंक ऑफ इंडिया में होम लोन की ब्याज दर 7.80 प्रतिशत से शुरू हो रही है। वहीं भारतीय स्टेट बैंक की ब्याज दर 7.25 प्रतिशत से शुरू है। बैंकों द्वारा दिए जाने वाले होम लोन के लिए यदि आप अप्लाई करना चाहते हैं तो इससे पहले आपका ये जानना बहुत जरूरी है कि किस बैंक से लोन लेना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

प्री-पेमेंट पेनल्टी की जानकारी जरूर लें- कई बैंक समय से पहले लोन अदा करने पर पेनल्टी लगाते हैं। ऐसे में बैंकों से इस बारे में पूरी डिटेल ले लें, क्योंकि समय से पहले लोन अदा करने पर बैंकों को उम्मीद के मुताबिक कम ब्याज मिलता है। ऐसे में उनकी ओर से कुछ टर्म एंड कंडीशन लगाए जाते हैं। इसलिए होम लोन लेते वक्त इस बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें।

अपने सिबिल स्कोर का ध्यान रखें- आपको होम लोन किस ब्याज दर सिबिल स्कोर पर भी निर्भर करती है। किसी भी व्यक्ति का क्रेडिट स्कोर रीपेमेंट हिस्ट्री, क्रेडिट इस्तेमाल का अनुपात, मौजूदा लोन और बिलों के समय पर पेमेंट से पता चलता है। यह स्कोर 300-900 की रेंज में होता है, लेकिन 700 या उससे ज्यादा के स्कोर को कर्जदाता अच्छा मानते हैं।

ऑफर्स का रखें ध्यान- बैंक समय- समय पर लोन लेने वालों को बेहतर ऑफर्स उपलब्ध कराते रहते हैं। ऐसे में आप लोन लेने से पहले सभी बैंकों के ऑफर्स के बारे में पता कर लें। क्योंकि जल्दबाजी में लोन लेना आपके लिए गलत साबित हो सकता है। लोन लेने से पहले सही से छानबीन कर लें। लोन लेते समय लोग अक्सर ईएमआई कम रखने के लिए लंबी अवधि (टेन्योर) चुनते हैं।

पश्चिम मध्य रेल

दिनांक: 04/05/2026

ई-निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:- **निविदा संख्या:** विद्युत-सा-भो-नि-11-2026 **कार्य का नाम:** भोपाल मंडल-DRM भोपाल के कार्यालय में स्थापित पैसेंजर लिफ्ट के लिए 3 वर्षों की अवधि हेतु व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 36 माह। **अनुमानित लागत:** रू. 5,19,401.16/- अग्रिम राशि: रू. 10,400/- **निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:** 20/05/2026, 11:00 Hrs. **निविदा संख्या:** विद्युत-सा-भो-नि-12-2026 **कार्य का नाम:** भोपाल मंडल-रेलवे अस्पताल, निशातपुरा, भोपाल में स्थापित स्ट्रेचर लिफ्ट (ग्राउंड+1 फ्लोर) (M/s शिवालिक एलिवेटर्स निर्मित) के लिए 3 वर्षों की अवधि हेतु व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 36 माह। **अनुमानित लागत:** रू. 7,73,280.00 अग्रिम राशि: रू. 15,500/- **निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:** 20/05/2026, 11:00 Hrs. संपूर्ण निविदा प्रपत्र तथा निविदा से संबंधित पूर्ण जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा सूचना अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। निविदा/निविदायें हेतु मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं है तथा ऐसा कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उसे मान्य नहीं किया जायेगा। इस निविदा में आवश्यक संशोधन यदि लागू हो तो वेबसाइट पर लोड कर दिया जायेगा तथा ऐसे संशोधन कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी लगाये जायेगें जिसे निविदा बंद होने के समय तक देखा जा सकता है। ठेकेदार को निविदा में भाग लेने की पात्रता जानने के लिए एवं निविदा के साथ संलग्न करने दस्तावेज जानने के लिए IREPS पर अपलोड किए गए सभी निविदा दस्तावेजों को सभी शर्तों के साथ ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए। प्रस्ताव के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों आदि को ही निविदा को अंतिम रूप देने के लिए विचार किया जाएगा।

कृते वरि.मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य)
रानी कमलापति स्टेशन के समीप

018/2026

खान-पान से संबंधित शिकायत हेतु टोल फ्री नम्बर 1800111321 पर सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF NATUROPATHY
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार Ministry of Ayush, Govt. of India
निसर्ग ग्राम, येवलेवाडी, पुणे Nisarg Gram, Yewalewadi, Pune - 411048
टेलीफोन- 020-26059682/3
ई-मेल : ninpune@bharatmail.co.in वेबसाईट : www.ninpune.ayush.gov.in

रिक्त पदों की सूचना

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, जो भारत सरकार के आयुष मंत्रालय का एक स्वायत्त निकाय है, निम्नलिखित पदों को भरने का प्रस्ताव करता है ।

अनु. क्रमांक	पद का नाम	वेतन स्तर/पारिश्रमिक	भर्ती का तरीका
1.	लेखाकार (Accountant)	वेतन मैट्रिक्स में लेवल 6 (रू. 35,400-1,12,400), 7वां सीपीसी	प्रतिनियुक्ति/पदोन्नति के आधार पर
2.	प्राकृतिक चिकित्सक (Nature Cure Physician)	रू. 60,000 (समेकित)	अनुबंध पर

उक्त पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, सेवा-शर्तें, आवेदन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया तथा आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट www.ninpune.ayush.gov.in पर उपलब्ध रिक्ति सूचना में दी गई है।

प्रभारी निदेशक

cbc17211/11/0001/2627

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
(A Govt. of M. P. Undertaking)
Office of The Dy. General Manager (O&M) Division, Itarsi
E-mail : mpczdgmitarsi@gmail.com

No. :/DGM/O&M/Veh/260 Itarsi, Dated : 30.04.2026

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following Locations :-

Name of Unit/ Office	Particulars	EMD (Rs.)	Due Date of Submission of Offer	Opening Date & Time
Office of DGM (O&M) Division Itarsi	Vehicle for temporary Foc May 2026 to September 2026 (continuous 01 shift 08:00 Hrs.) for Itarsi Town Zone of O&M Dn. Itarsi. Vehicle Camper type (Double Cabin) with ladder.	1500/-	08.05.2026 Up to 4:00 PM	08.05.2026 at 4:00 PM

Other details, terms and conditions are available on company website : **https://portal.mpcz.in** or the under signed office.

M.P. Madhyam/125606/2026 **DGM (O&M)**

मैच 47: रोहित और रिकल्टन के तूफान में उड़े सुपर जाएंट्स, मुंबई इंडियंस छह विकेट से जीता, लखनऊ की लगातार छठी हार

मुंबई का वानखेड़े में रिकॉर्ड चेज

जेएनएन, मुंबई

सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और रियान रिकल्टन के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से मुंबई इंडियंस ने आईपीएल की तालिका की सबसे निचले पायदान की दो टीम के बीच हुए मुकाबले में सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हराकर नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा। इस जीत से मुंबई के 10 मैच में तीन जीत से छह अंक हो गए हैं और टीम नौवें स्थान पर बनी हुई है। लखनऊ की टीम लगातार छठी हार के बाद नौ मैच में चार अंक के साथ 10वें और अंतिम पायदान पर है। लखनऊ के 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने चोट के बाद वापसी कर रहे रोहित (84 रन) और रिकल्टन (83 रन) के बीच पहले विकेट की 143 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत आठ गेंद शेष रहते चार विकेट पर 229 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। यह वानखेड़े में किसी टीम का सबसे बड़ा आईपीएल चेज हो गया है। निकोलस पूरन (63 रन, 21 गेंद) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श (44 रन, 25 गेंद) के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़े, जिससे सुपर जाएंट्स ने पांच विकेट पर 228 रन बनाए। हिम्मत सिंह (नाबाद 40, 31 गेंद) और एडेन मार्क्रम (नाबाद 31, 25 गेंद) ने अंत में छठे विकेट के लिए 49 गेंद में 68 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया, लेकिन दोनों रन गति में इजाफा करने में नाकाम रहे। मुंबई की ओर से कार्बिन बॉश सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 20 रन देकर दो विकेट चटकाए। गजनफर (50 रन पर एक विकेट), विल जैक्स (34 रन पर एक विकेट) और रघु शर्मा (36 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई को रिकल्टन और रोहित ने शानदार शुरुआत दिलाई। रिकल्टन ने मोहम्मद शमी पर दो चौकों के साथ शुरुआत की, जबकि मोहसिन खान पर भी छक्का जड़ा। रिकल्टन और रोहित ने शमी के अगले ओवर में भी छक्के मारे। रोहित ने आवेश की लगातार गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों के साथ पावरप्ले में टीम का स्कोर बिना विकेट खोए 71 रन तक पहुंचाया। रोहित और रिकल्टन ने सिद्धार्थ (47 रन पर दो विकेट) का स्वागत भी छक्के के साथ किया। रिकल्टन ने आवेश पर छक्के और एक रन के साथ 22 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

33 छक्के इस मैच में लगे, जो वानखेड़े स्टेडियम में एक टी-20 मैच में लगाए गए दूसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं।

■ मुंबई इंडियंस ने पावरप्ले (6 ओवर) में बिना विकेट खोए 71 रन बनाए, जो लखनऊ के खिलाफ पावरप्ले में उनका अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

84 रन रोहित शर्मा ने चोट के बाद वापसी करते हुए बनाए, जो लखनऊ के खिलाफ किसी भी मुंबई के बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है।

■ रोहित और रिकल्टन के बीच यह तीसरी शतकीय साझेदारी थी और ये दोनों आईपीएल में मुंबई के लिए सर्वाधिक शतकीय साझेदारी करने वाली जोड़ी बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर-अंबाती रायडू और पार्थिव पटेल-लेंडल सिमंस जैसी दिग्गज जोड़ियों को पीछे छोड़ दिया है।

16 गेंद में दिल्ली के निकोलस पूरन ने अर्धशतक पूरा किया, जो इस सीजन का सबसे तेज अर्धशतक है। उन्होंने अपनी 63 रनों की पारी (21 गेंद) के दौरान 300 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 8 गगनचुंबी छक्के लगाए। यह लखनऊ के लिए किसी भी बल्लेबाज की सबसे तेज फिफ्टी भी है। उन्होंने अपना ही रिकॉर्ड तोड़। 2023 में उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 15 गेंद में अर्धशतक जड़ा था।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जाएंट्स: 228/5 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
मिचेल मार्श का. नमन बो. बॉश	44	25	4	3
इंग्लिस का. सूर्यकुमार बो. गजनफर	13	5	3	0
पूरन का. रिकल्टन बो. बॉश	63	21	1	8
पंत का. रिकल्टन बो. जैक्स	15	10	1	1
ऐडन मार्क्रम नाबाद	31	25	1	1
अक्षत रघुवंशी का. एंड बो. शर्मा	11	7	0	1
हिम्मत सिंह नाबाद	40	31	2	2

अतिरिक्त: 11, **कुल:** 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन, **विकेट पतन:** 1-29, 2-123, 3-125, 4-148, 5-160, **गेंदबाजी:** दीपक चाहर 4-0-43-0, जसप्रीत बुमराह 4-0-45-0, गजनफर 4-0-50-1, विल जैक्स 2-0-34-1, कॉर्बिन बॉश 2-0-20-2, रघु शर्मा 4-0-36-1.

मुंबई इंडियंस: 229/4 (18.4 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रकलटन का. इंग्लिस बो. मोहसिन	83	32	6	8
रोहित शर्मा का. शमी बो. सिद्धार्थ	84	44	6	7
तिलक वर्मा का. मार्क्रम बो. सिद्धार्थ	11	13	0	0
सूर्यकुमार का. पूरन बो. शमी	12	7	2	0
नमन धीर नाबाद	23	12	3	1
विल जैक्स नाबाद	10	4	0	1

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन, **विकेट पतन:** 1-143, 2-177, 3-189, 4-213, **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 4-0-53-1, मोहसिन खान 4-0-47-1, प्रिंस यादव 3-0-24-0, आवेश खान 3.4-0-56-0, एम सिद्धार्थ 4-0-47-2.

नरेन एक टीम के लिए 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज

हैदराबाद के अरोड़ा को आउट कर बनाया रिकॉर्ड

अहमदाबाद, जेएनएन। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सुनील नरेन आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले विदेशी और कुल मिलाकर तीसरे गेंदबाज बन गए। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के सलील अरोड़ा को आउट करते हुए इस उपलब्धि को हासिल किया। अब नरेन उस खास सूची में शामिल हो गए हैं, जिसमें सिर्फ युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार का नाम है। नरेन आईपीएल में एक ही टीम के लिए 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज भी बन गए हैं। उन्होंने 2012 में डेब्यू के बाद से सिर्फ केकेआर के लिए खेला है। ग्लॉस्टरशायर के डेविड पेन और हैम्पशायर के क्रिस वुड किसी भी फ्रेंचाइजी लीग में यह उपलब्धि हासिल करने वाले अन्य दो खिलाड़ी हैं। उन्होंने टी-20 ब्लास्ट में 200 से अधिक विकेट लिए हैं।

मिडिल ओवर में सबसे घातक

नरेन हर फेज में किफायती रहे हैं, लेकिन मिडिल ओवर्स में उनका असर सबसे ज्यादा दिखता है। सात से 16 ओवर के बीच उनकी इकॉनमी 6.44 है, जो इस फेज में कम से कम 100 ओवर डालने वाले 65 गेंदबाजों में सबसे बेहतर है।

सुनील नरेन आईपीएल करियर

साल	विकेट	इकॉनमी
2012-14	67	16.7
2015-22	85	27.4
2023-26	49	21.9
कुल	201	22.5

आईपीएल में सर्वाधिक विकेट

खिलाड़ी	मैच	विकेट
चहल	183	228
भुवनेश्वर	199	215
नरेन	197	201

15 साल के आईपीएल करियर में नरेन ने कई बड़े टी-20 बल्लेबाजों को गेंदबाजी की है और ज्यादातर के खिलाफ उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने रोहित शर्मा को 137 गेंदों में आठ बार आउट किया है और सिर्फ 145 रन दिए हैं। शेन वॉट्सन ने उनके खिलाफ सिर्फ 33 रन बनाए और पांच बार आउट हुए। एबी डिविलियर्स का औसत भी उनके खिलाफ सिर्फ 13.25 रहा है, जहां उन्होंने 39 गेंदों में 53 रन बनाए और चार बार आउट हुए। वहीं विराट कोहली ने 129 गेंदों में 136 रन बनाए हैं और चार बार आउट हुए हैं।

24 ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने उनके खिलाफ कम से कम 50 गेंदें खेली हैं, जिनमें से 10 तो एक रन प्रति गेंद की रफ्तार भी हासिल नहीं कर सके। इनमें क्रिस गेल, ग्लेन मैक्सवेल, क्विंटन डिकॉक, संजू सैमसन और सबसे अहम एमएस धोनी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। खास तौर पर धोनी का स्ट्राइक रेट 51.94 है, जो आईपीएल में किसी भी गेंदबाज के खिलाफ 50 या उससे ज्यादा गेंद खेलने वाले बल्लेबाजों में सबसे कम है। सिर्फ दो बल्लेबाज ऐसे हैं, जिन्होंने नरेन के खिलाफ 50 से ज्यादा गेंदें खेलीं और 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। क्लासन ने 53 गेंदों में 92 रन बनाए, जबकि डेविड वॉर्नर ने 123 गेंदों में 195 रन बनाए।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

अभिषेक (हैदराबाद)	440
केएल राहुल (दिल्ली)	433
क्लासेन (हैदराबाद)	425

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	17
अंशुल कंबोज (चेन्नई)	17
कगिसो रबाड़ा (गुजरात)	16

बाउंड्री मीटर

866 छक्के

1465 चौके

94 अर्धशतक

457 रन मुंबई और लखनऊ के बीच इस मैच में बने, जो आईपीएल में एक मैच में कुल रनों का रिकॉर्ड है।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	9	6	2	13	0.855
बेंगलुरु	9	6	3	12	1.420
हैदराबाद	10	6	4	12	0.644
राजस्थान	10	6	4	12	0.510
गुजरात	10	6	4	12	-0.147
चेन्नई	9	4	5	8	0.005
दिल्ली	9	4	5	8	-0.895
कोलकाता	9	3	5	7	-0.539
मुंबई	10	3	7	6	-0.649
लखनऊ	9	2	7	4	-1.076

रियाल मैड्रिड ने बढ़ाया बार्सिलोना का स्पेनिश लीग खिताब का इंतजार

विनीसियस जूनियर के दो गोल से एस्पेनयोल को 2-0 से हराया

मैड्रिड, जेएनएन। विनीसियस जूनियर (55वें और 66वें मिनट) ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे रियाल मैड्रिड ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर बार्सिलोना का लगातार दूसरी बार स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा का खिताब जीतने का इंतजार बढ़ा दिया। बार्सिलोना ने ओसासुना को 2-1 से हराकर रियाल मैड्रिड पर 14 अंकों की बढ़त बना ली थी। रियाल मैड्रिड अगर एस्पेनयोल से नहीं जीत पाता तो बार्सिलोना 29वां लीग खिताब अपने नाम कर देता। बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच अब 11 अंक का अंतर रह गया है। अब जबकि इस प्रतियोगिता में चार दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं, तब बार्सिलोना 34 मैच में 88 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 77 अंक हैं। इन दोनों टीमों के बीच अब इस सप्ताह के आखिर में मैच खेला जाएगा, जिसमें जीत दर्ज करने पर बार्सिलोना चैंपियन बन जाएगा। मैड्रिड के कोच अल्वारो

अर्बेलोआ ने कहा, हमारा मुकाबला एक मजबूत प्रतिद्वंदी से है और वे अच्छा खेल रहे हैं। यह मैच प्रशंसकों और हमारे लिए खास है। हम इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करेंगे। एस्पेनयोल इस साल लगातार 17 मैचों में जीत हासिल नहीं कर पाया है, जिसमें 10 हार शामिल हैं।

सीएसके के खिलाफ घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड में सुधार करने उतरेगी दिल्ली

जेएनएन, नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स को अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन हार झेलने के सिलसिले को खत्म करने के लिए मंगलवार को आईपीएल के 48वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले मैच में खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली और चेन्नई दोनों टीम के नौ मैचों में आठ-आठ अंक हैं। अब जबकि उनके पांच मैच बचे हुए हैं, तब छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। इस सीजन जब दोनों टीमें पहली बार चेन्नई में मिली थीं, तो संजू सैमसन ने शतक जड़कर अपनी टीम को इस सीजन की पहली जीत दिलाई थी। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 32 मुकाबलों में सीएसके 20-12 से आगे है, वहीं दिल्ली में हुए अब तक छह मुकाबलों में भी सीएसके की टीम चार मैचों में जीत दर्ज कर चुकी है, जबकि दिल्ली को सिर्फ दो में जीत मिली है। दिल्ली की तरह सीएसके भी नाजुक स्थिति में है और अगर वे इस मैच में जीत हासिल नहीं कर पाते हैं, तो फिर उनका प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होना तय हो जाएगा।

■ दिल्ली के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी फिट होकर सीएसके के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध हैं। एनगिडी को पंजाब के खिलाफ मैच के दौरान चोट लगी थी, जब वह मिड ऑफ पर प्रियांश आर्या का कैच लेने के लिए सिर के बल गिर गए थे और उनसे वह कैच भी छूट गया था। अगर एनगिडी वापिस आते हैं, तो काइल जेमीसन को बाहर बैठना पड़ सकता है, जिन्होंने एनगिडी की अनुपस्थिति में पिछले दो मैचों के अपने आठ ओवरों के स्पेल में 90 रन देते हुए दो विकेट लिए हैं।

■ सीएसक के लिए अभी भी महेंद्र सिंह धोनी उपलब्ध नहीं हैं। घुटने की चोट से उबर रहे धोनी इस सीजन अभी तक एक भी मैच नहीं खेले हैं, हालांकि उन्हें कुछ मैचों खासकर चेन्नई में होने वाले घरेलू मैचों के दौरीन टीम कैंप में देखा।

अंजलि ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

भोपाल, खेप्र। राजस्थान की अंजलि शेखावत ने सोमवार को 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में खेली जा रही चैंपियनशिप में अंजलि क्वालिफिकेशन में 576 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 240.5 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। हरियाणा की कनक बुधवार ने 238.7 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता, जबकि पंजाब की अगम रंजीत कौर ग्रेवाल ने 216 के स्कोर से कांस्य पदक हासिल किया। क्वालिफिकेशन दौर में तेलंगाना की ओलंपियन ईशा सिंह 582 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं थी। हालांकि ईशा सिंह और मध्य प्रदेश की महिमा तुर्ही अग्रवाल ने फाइनल में हिस्सा नहीं लिया। तुर्ही ने 575 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए क्वालिफाई किया था। महिला वर्ग की रजत पदक विजेता कनक ने 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर महिला वर्ग में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 238.4 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता।

जापान की कड़ी चुनौती के लिए भारत तैयार

सुझोऊ (चीन), जेएनएन। भारत को मंगलवार को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप 2026 फुटबॉल टूर्नामेंट में जापान की मजबूत टीम के रूप में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। भारत अपनी शुरुआती हार से उबरकर टूर्नामेंट में वापसी की उम्मीद कर रहा है। भारतीय टीम ग्रुप-बी के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से 0-2 से हार गई थी। अब वे ऐसी स्थिति में हैं जहां हर गोल मायने रखेगा, विशेषकर तब जब जापान ने लेबनान को 13-0 से हराकर तीन

अंक हासिल कर लिए हैं। महिला फुटबॉल की तकनीकी रूप से सबसे बेहतरीन टीम में से एक है जापान इस मुकाबले में अपना शानदार इतिहास लेकर उतर रहा है। उसने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के नौ टूर्नामेंट में सात बार फाइनल में जगह बनाई है और चार बार खिताब जीता है। इस एशियाई दिग्गज टीम ने 2014 में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का खिताब जीतकर वैश्विक स्तर पर भी अपना दबदबा साबित किया था।

इंटर मिलान ने रिकॉर्ड 21वां सीरी ए खिताब जीता

परमा को 2-0 से हराकर तीन मैच शेष रहते बनी चैंपियन

मिलान, जेएनएन। इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन दौर के मैच शेष रहते ही इटालियन लीग फुटबॉल टूर्नामेंट सीरी ए का खिताब अपने नाम कर लिया। इंटर मिलान को ट्रॉफी हासिल करने के लिए केवल एक ड्रॉ की जरूरत थी। उसने परमा पर जीत से 2025 के चैंपियन और दूसरे स्थान पर काबिज नेपोली पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। यह इंटर मिलान का 21वां सीरी ए खिताब है। वह सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में युवेंटस (36) के बाद दूसरे स्थान पर है। इंटर मिलान की तरफ से पहला गोल पहले हाफ में मार्कस थुरम ने किया, जबकि 37 वर्षीय हेनरिक मखितार्यान ने 80वें मिनट दूसरा गोल दागा। इस सत्र में दो ट्रॉफियां जीतने की दौड़ में शामिल इंटर मिलान 10 दिनों में इटालियन कप के फाइनल में लाजियो का सामना करेगा।

खेल एक नजर

उंगली की चोट की स्कैन के लिए इंग्लैंड लौटे फिल सॉल्ट

नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट पिछले महीने उंगली में लगी चोट का स्कैन कराने के लिए इंग्लैंड लौट गए हैं। इस चोट के कारण साल्ट आरसीबी के पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह उनके हमवतन जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ पारी का आगाज किया। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी 18 अप्रैल को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गया था। उनकी बाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से अनुबंधित साल्ट इंग्लैंड के टीम प्रबंधन के अनुरोध पर स्वदेश लौट गए हैं और उनकी उंगली का स्कैन किया गया है।

हार्डी के आलरांउड प्रदर्शन से पेशावर ने पहली बार जीता पीएसएल खिताब

लाहौर, जेएनएन। आरोन हार्डी के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर पेशावर जाल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को फाइनल में पांच विकेट से हराकर 2017 के बाद पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता। हार्डी ने 27 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे पेशावर ने हैदराबाद को 18 ओवर में केवल 129 रन पर आउट कर दिया। पेशावर की तरफ से साइम अयूब (54) ने जुझारू अर्धशतक बनाया। इसके बाद हार्डी ने 39 गेंदों पर 56 रन की नाबाद पारी खेली, जिससे पेशावर ने गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 15.2 ओवर में पांच विकेट पर 130 रन बनाकर जीत दर्ज की। पेशावर की शुरुआत अच्छी

नहीं रही और उसने अपने चार विकेट 40 रन पर खो दिए। इनमें कप्तान बाबर आजम का विकेट भी शामिल था, जो खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद हार्डी ने अब्दुल समद (46) के साथ पांचवें विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी करके अपनी टीम को जीत दिलाई।

फ्रेंच ओपन की पुरस्कार राशि बढ़ी, लेकिन जोकोविच सिनर और सबालेंका सहित शीर्ष टेनिस खिलाड़ी नाखुश

24 मई से पेरिस में शुरू होगा क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट

पेरिस, जेएनएन। महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच, विश्व नंबर एक यानिक सिनर, आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि को लेकर अपनी गहरी निराशा व्यक्त की है। यह क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता इस महीने के आखिर में पेरिस में शुरू होगी। खिलाड़ियों का कहना है कि उनकी कुछ अन्य मांगें भी हैं, जिन पर आयोजकों ने ध्यान नहीं दिया है। इनमें बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य और पेंशन शामिल हैं। खिलाड़ियों की यह मांग तब आई जब फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि रोलां गैरां पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में लगभग 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की

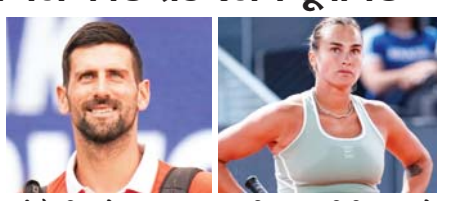

गई है, जिससे कुल पुरस्कार राशि 61.7 मिलियन यूरो (लगभग 686 करोड़ रुपए) हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 मिलियन यूरो अधिक है। फ्रेंच ओपन 24 मई से शुरू होगा। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो (लगभग 31.5 करोड़ रुपए) और उपविजेता खिलाड़ियों को 14 लाख यूरो (15.5 करोड़ रुपए) मिलेंगे।

राजस्व में हिस्सेदारी घटी

खिलाड़ियों ने कहा, फ्रेंच ओपन के राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 2024 में 15.5 प्रतिशत से घट गई है और 2026 में इसके 14.9 प्रतिशत रहने की संभावना है। असली आंकड़े बिल्कुल अलग कहानी बयां करते हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों के अनुसार फ्रेंच ओपन ने 2025 में 395 मिलियन यूरो का राजस्व प्राप्त किया, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक था। इसके बावजूद पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस तरह से खिलाड़ियों का राजस्व में हिस्सा घटकर 14.3 प्रतिशत रह गया है।

विधानसभा उपचुनाव: 5 राज्यों की 7 सीटों में से भाजपा ने 4 और कांग्रेस ने 2 जीतीं

बारामती में सुनेत्रा की 2.18 लाख वोटों से ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के 5 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। महाराष्ट्र के बारामती सीट से एनसीपी उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने 2 लाख 18 हजार वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। जीत का यह अंतर भारत में किसी विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा है। सुनेत्रा पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी हैं, जिनका 28 जनवरी 2026 को विमान हादसे में निधन हो गया था। बारामती अजित पवार की पारंपरिक सीट रही है। महाराष्ट्र की राहुरी सीट से भाजपा के अक्षय कार्डिले जीत गए हैं। भाजपा ने गुजरात, नगालैंड और त्रिपुरा की 1-1 सीट भी जीत ली है। कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे साउथ सीट पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने जीत हासिल की।

- **दावणगेरे साउथ में कांग्रेस के समर्थ 5708 वोटों से जीते:** कर्नाटक के दावणगेरे साउथ विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार समर्थ मल्लिकार्जुन ने 5708 वोटों से जीत हासिल की। उन्हें 69,578 वोट मिले हैं, जबकि भाजपा के श्रीनिवास को 63,870 वोट मिले हैं।
- **बारामती से सुनेत्रा पवार ने जीत के साथ बनाया नया रिकॉर्ड:** बारामती में एनसीपी उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए देश में सबसे बड़ी जीत का नया रिकॉर्ड बना दिया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद सीट से विधायक सुनील कुमार शर्मा के नाम था, जिन्होंने 2022 में 2,14,835 वोटों से जीत दर्ज की थी।
- **राहुरी में भाजपा उम्मीदवार अक्षय की जीत:** महाराष्ट्र के राहुरी में भाजपा उम्मीदवार अक्षय कार्डिले ने बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने एनसीपी (शरद गुट) के गोविंद मोकाटे को 1,07,485 वोटों के अंतर से हराया है। गोविंद मोकाटे को 27,386 वोट मिले।
- **कहां से कौन जीता:** कर्नाटक के बागलकोट सीट से कांग्रेस उम्मीदवार उमेश हुल्लप्पा मेटी ने जीत दर्ज की। गुजरात के उमरेठ से भाजपा प्रत्याशी हर्षदभाई परमार, त्रिपुरा के धर्मनगर सीट से भाजपा प्रत्याशी जहर चक्रवर्ती और नगालैंड के कोरिडांग दाओचियर सीट से भाजपा प्रत्याशी आई. इमचेन ने जीत दर्ज की।

सुनेत्रा की जीत पर एनसीपी (एसपी) ने कहा- जीत उम्मीद के मुताबिक रही

सुनेत्रा पवार की जीत पर एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने कहा कि यह नतीजा उम्मीद के मुताबिक था। उन्होंने कहा कि सुप्रिया सुले कैंपेन के दौरान वहां थीं, रोहित पवार वहां थे। यह पक्का था कि सुनेत्रा पवार यह चुनाव जीतेंगी। बता दें कि उपचुनाव वालीं सभी 7 सीटें पूर्व विधायकों की मौत के कारण खाली हुई थीं। कर्नाटक, नगालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। गुजरात की लिमखेड़ा और महाराष्ट्र के बारामती और राहुरी सीट पर 23 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। कर्नाटक उपचुनाव में जीत को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के राजनीतिक भविष्य और कांग्रेस की आंतरिक एकजुटता के बड़े टेस्ट के रूप में देखा जा रहा है।

जीत पर बोले पीएम

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचें हैं। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। पीएम मोदी ने कहा कि देश ने बता दिया है कि उसे विवाद नहीं विकास चाहिए, विभाजन नहीं विश्वास चाहिए। आजादी के बाद कांग्रेस ने देश के करीब करीब हर राज्य में सरकारें बनाई हैं। ये आजादी के आंदोलन का इमोशन था उसका उन्हें लाभ मिला, लेकिन जैसे जैसे आजादी के आंदोलन का इमोशन खत्म हुआ वैसे वैसे कांग्रेस जनता का भरोसा खोती चली गई। बीते दशकों में देश ने युवाओं की अनेक पीढ़ियां जुड़ी हैं लेकिन गड़ती ही चली गई है।

कांग्रेस देश की संस्कृति को नहीं समझ पाई, देश की संवेदनाओं को नहीं समझ पाई। हमारे लिए भारत सबकुछ है। इसलिए भाजपा अपने विचार विजन और विकास के विश्वास पर खरा उतरकर देश की पसंद बन रही है। भाजपा परिवार की नहीं जमीन से जुड़ी राजनीति करती है। आज हम भारत की राजनीति में एक और बड़ा बदलाव देख रहे हैं ,आज पूरे देश में एक भी राज्य ऐसा नहीं है जहां लेफ्ट पार्टी की सरकार हो। एक भी नहीं है। ये सिर्फ सियासत का बदलाव नहीं है ये सोच का बदलाव है।

मुखर्जी की धरती पर पहली बार खिला 'कमल'

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की सियासत ने एक नया इतिहास लिखा है। हुगली की लहरों से लेकर दार्जिलिंग की पहाड़ियों तक, 'जय श्री राम' के नारे गूंज रहे हैं, जो बता रहे हैं कि बंगाल की सियासी मिजाज में बदलाव आ चुका है। भाजपा के लिए बंगाल विधानसभा चुनाव की जीत केवल एक जीत नहीं है, यह उस 'पितृऋण' की भी अदायगी है, जो भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रति इस विचार के हर कार्यकर्ता पर बकाया था। भाजपा के 'पितामह कहे जाने वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि पर पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ 'कमल' खिला है। भाजपा संस्थापक दीन दयाल उपाध्याय के 'कर्तव्य पथ' उत्तराखंड से उत्तर प्रदेश में पहले ही सरकार बनाकर बनी ली थी, लेकिन श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि बंगाल में 75 साल के बाद जाकर सपना साकार हुआ है।

खूब हुई 'झालमुड़ी' की चर्चा

झाल मुड़ी की लोकप्रियता में आए इस भारी उछाल के पीछे एक दिलचस्प वाकया है। चुनाव प्रचार के दौरान पश्चिम बंगाल के झारग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सड़क किनारे एक छोटी सी दुकान पर रुककर झाल मुड़ी का स्वाद लिया था। प्रधानमंत्री की झाल मुड़ी खाते हुए पोस्ट को मात्र 24 घंटे में 100 मिलियन व्यूज प्राप्त हुए, जिससे यह साधारण सा नाश्ता रातों-रात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया।

शाह की भविष्यवाणी वायरल

विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सोशल मीडिया पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एक पुराना चुनावी भाषण तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में अमित शाह एक चुनावी रैली के दौरान कहते हैं कि 4 मई को सुबह काउंटिंग शुरू होगी, 8 बजे बैलेट बॉक्स खुलेंगे, 9 बजे पहला राउंड पूरा होगा, 10 बजे दूसरा राउंड खत्म होगा और 1 बजे तक दीदी सत्ता से बाहर हो जाएंगी 'टाटा, बाय-बाय'।

बंगाल में सीएम की दौड़ में शुभेंदु समेत पांच और नाम

पश्चिम बंगाल में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की है और सूबे में पहली बार कमल खिला है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये है कि जीत के बाद भाजपा बंगाल की कमान किसके हाथों में देगी और अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा। मुख्यमंत्री की रेस में अग्निमित्रा पॉल और रूपा गांगुली का नाम सामने आ रहा है। शुभेंदु अधिकारी भी प्रमुख दावेदार हैं। वहीं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष, बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष समीक भट्टाचार्य, फैशन डिजाइनर अग्निमित्रा पॉल, सोनारपुर दक्षिण से विधायक रूपा गांगुली का नाम सबसे आगे है। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार कहा था कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो कोई 'बंगाली' ही मुख्यमंत्री बनेगा। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी दावा किया था कि बंगाल का अगला मुख्यमंत्री 'मांसाहारी' होगा। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान महिलाओं की सुरक्षा को सबसे आगे रखा था। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि पार्टी किसी महिला को मुख्यमंत्री बना सकती है। मुख्यमंत्री की रेस में अग्निमित्रा पॉल और रूपा गांगुली का नाम सामने आ रहा है। रूपा गांगुली वहीं अदाकारा हैं, जिन्होंने बी. आर. चोपड़ा की 'महाभारत' में द्रौपदी का किरदार निभाकर घर-घर छा गई थीं। शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद के टॉप दावेदारों में से एक हैं। एक समय में ममता बनर्जी के करीबी रहे शुभेंदु अधिकारी के पास जमीनी पकड़ और मजबूत सांगठनिक नेटवर्क है। हालांकि, नारदा स्टिंग मामले में उनका नाम शामिल रहा, जो मुख्यमंत्री बनने की राह में उनके लिए रुकावट बन सकता है।

केरलम में खुला भाजपा का खाता, 3 सीट जीतीं

तिरुवनंतपुरम। केरलम में भले ही कांग्रेस की सरकार बन रही हो, लेकिन भाजपा ने अपना खाता खोल लिया है। उसने लेफ्ट के गढ़ माने जाने वाली चथन्नूर सीट पर जीत दर्ज की है। भाजपा उम्मीदवार बीबी गोपकुमार ने लेफ्ट उम्मीदवार को 4 हजार वोटों से हराया है। 2021 के विधानसभा चुनाव में लेफ्ट ने इस सीट को 17 हजार से ज्यादा वोटों से जीता था। बीबी गोपकुमार को 50 हजार से ज्यादा वोट मिले। उन्होंने सीपीआई के आर राजेंद्रन को पराजित किया। तीसरे नंबर पर कांग्रेस उम्मीदवार सूरज रवि रहे। वहीं, आम आदमी पार्टी कैंडिडेट अरुण को महज 613 वोट मिले और चौथे नंबर पर रहे। चुनाव आयोग के आंकड़े के अनुसार, दोपहर तीन बजे तक भाजपा को दो सीटों पर बढ़त थी। इसमें से गोपकुमार ने जीत दर्ज की, जबकि नेमम सीट से लड़ रहे राजीव चंद्रशेखर भी आगे चल रहे थे।

ममता और स्टालिन चुनाव हारे

शिबू सोरेन से जयललिता तक और भी कई नाम हैं इस लिस्ट में

पांच राज्यों के चुनाव दो मौजूदा मुख्यमंत्री चुनाव हार गए। प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से और तमिलनाडु की कोलाथुर सीट से मौजूदा सीएम और डीएमके उम्मीदवार एम. के स्टालिन चुनाव हार गए। इस हार से पहले ममता बनर्जी 2021 के विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट से चुनाव हार गई थीं।

पद में रहते चुनाव हारने वाले मुख्यमंत्रियों की बात करें तो 2022 में पुष्कर सिंह धामी विधानसभा चुनाव में खटीमा सीट पर भुवन चंद्र कापड़ी से चुनाव हार गए थे। इसी तरह झारखंड के मुख्यमंत्री रहते 2009 में शिबू सोरेन तमाड़ विधानसभा उपचुनाव में चुनाव हार गए थे। वर्ष 1970 में यूपी के मुख्यमंत्री त्रिभुवन नारायण सिंह (टीएन सिंह) गोरखपुर की मानीराम विधानसभा सीट से उपचुनाव हार गए थे। पहली बार हुआ कि जब कोई मुख्यमंत्री चुनाव हार गया था। तमिलनाडु में जे. जयललिता मुख्यमंत्री रहते 1996 के विधानसभा चुनाव में बरगुर सीट से चुनाव हार गईं थीं। राजस्थान के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास 1952 के प्रथम विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए दो सीटों (जोधपुर शहर और जालौर) से चुनाव हार गए थे। इसके बावजूद वह मुख्यमंत्री बने रहे और बाद में उपचुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे। इसी तरह तमिलनाडु (तत्कालीन मद्रास राज्य) के तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. भक्तवत्सलम 1967 के विधानसभा चुनाव में श्रीपेरंबदूर सीट हार गए थे।

बिहार: विक्रमशिला पुल का स्लैब गिरा, 16 जिलों का आवागमन बंद

प्रशासन की सर्तकता से बड़ा हादसा टला, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर निलंबित

भागलपुर, जेएनएन। बिहार के भागलपुर में 4.7 किमी लंबे विक्रमशिला सेतु का 34 मीटर हिस्सा रविवार देर रात गंगा में गिर गया। राहत की बात रही कि प्रशासन ने पहले ही ट्रैफिक रोक दिया था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस घटना से सीमांचल समेत करीब 16 जिलों की कनेक्टिविटी प्रभावित हुई है और रोजाना करीब 1 लाख लोगों के आवागमन पर असर पड़ा है। पिछले 10 साल में इस पुल की तीन बार मरम्मत हो चुकी है, और हाल ही में मार्च 2026 में भी रिपेयर वर्क हुआ था। पुल यूपी ब्रिज कॉर्पोरेशन ने बनाया था। लापरवाही को लेकर पथ निर्माण विभाग ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सस्पेंड किया है। बिहार राज्य पुल निगम लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर ने बताया, भागलपुर पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन की सजगता से बड़ी घटना होने से बचा है। अगर समय रहते पुलिस प्रशासन सजग नहीं होती तो कई लोगों की जान माल का नुकसान हो जाता। डीपीआर बनाकर हम लोगों ने मेंटेनेंस के लिए भेजा था।

पुल के दोनों ओर बैरिकेडिंग की गई: सिटी डीएसपी-1 अजय चौधरी ने बताया, पुल के पास बैरिकेडिंग कर दी गई है। गाड़ियों को मुंगेर पुल की ओर मोड़ दिया गया। नवगछिया और भागलपुर दोनों ओर पुलिस तैनात की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके। नेशनल हाईवे के एसडीओ सुधीर कुमार ने कहा कि नया स्लैब बनाकर चढ़ाने में कम से कम 15 दिन लगेंगे।

सीमांचल समेत 16 जिलों को जोड़ता है पुल: विक्रमशिला सेतु पर हर दिन करीब एक लाख लोगों की आवाजाही होती है। करीब 50 हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहन इस पुल से गुजरते हैं। सीमांचल समेत 16 जिलों को यह सेतु भागलपुर से जोड़ता है। इसका निर्माण तत्कालीन मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के कार्यकाल में कराया गया था। पुल में लगातार जॉइंट और एक्सपेंशन गैप की समस्या को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं।

पहले गैप बढ़ा फिर पुल धंसा

बताया जा रहा है कि शाम को पहले 10 इंच का जॉइंट सप्पेंशन धंसा। इसके बाद देर रात एक स्लैब गंगा में समा गया। उस समय पुल पर वाहनों की लंबी कतार लगी थी। हालांकि, पुलिस की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। पुल निगम के अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने बताया कि रविवार की रात 12.35 बजे से स्लैब धंसना शुरू हो गया। उससे पहले ही गाड़ियों को वहां से हटा दिया गया था। इस सतर्कता के कारण कोई दुर्घटना नहीं हुई। पुल की मरम्मत के लिए जल्द ही हाई लेवल कमेटी यहां आएगी। इससे पहले आई कमेटी ने पुल की जांच की थी। उसे पुल की स्थिति के बारे में जिला प्रशासन ने पूरी जानकारी दी थी।

दलितों से थाने की सफाई कराने पर भड़के सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाईकोर्ट समेत ओडिशा की विभिन्न अदालतों द्वारा पारित उन आदेशों पर कड़ी नाराजगी जताई है जिनमें आरोपियों को जमानत देने के एवज में पुलिस स्टेशनों की सफाई करने की शर्त रखी गई थी। इन आरोपियों में मुख्य रूप से दलित और आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने ऐसे सभी आदेश रद्द कर दिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इन शर्तों को मानवाधिकारों का उल्लंघन और व्यक्ति की गरिमा पर सीधा प्रहार बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया था।

क्या है पूरा मामला?: हाल ही में आई कई मीडिया रिपोर्टों में खुलासा हुआ था कि ओडिशा की कई अदालतें और स्वयं ओडिशा हाईकोर्ट जमानत देते समय अजीबोगरीब शर्तें लगा रहे हैं। पिछले 6 महीनों में ओडिशा हाईकोर्ट ने ही लगभग 50 ऐसे आदेश पारित किए थे। इनमें से ज्यादातर मामले उन दलितों और आदिवासियों से जुड़े थे, जो राज्य में खनन-विरोधी प्रदर्शनों में शामिल थे। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि साधन संपन्न और अमीर लोगों को जमानत देते समय कभी ऐसी शर्तें नहीं लगाई जाती हैं।

दो नोटिस के बाद भी पुलिस के सामने पेश नहीं हुईं मधु, पहुंची चंडीगढ़ कोर्ट

एफआईआर की कॉपी मांगी

चंडीगढ़, जेएनएन। फेमस राइटर मधु किश्वर को चंडीगढ़ पुलिस द्वारा इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन करने के लिए दूसरा नोटिस दिया जा चुका है, लेकिन वह अब तक पेश नहीं हुई हैं। वहीं, मधु किश्वर पुलिस के सामने पेश होने के बजाय चंडीगढ़ कोर्ट पहुंच गई हैं। मधु किश्वर ने कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने मांग की है कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर की कॉपी उन्हें नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि पुलिस से उन्हें एफआईआर की कॉपी दिलवाई जाए। इस पर कोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस से जवाब मांगा है। वहीं, मिसलीडिंग वीडियो मामले में दर्ज एफआईआर में दिखाई दे रहे दंपति ने इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन कर ली है। इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फर्जी वीडियो प्रसारित करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हसन मोहिउद्दीन सिद्दीकी के रूप में हुई है, जो हैदराबाद (तेलंगाना) का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को हैदराबाद से गिरफ्तार किया। आरोपी फर्जी वीडियो प्रसारित कर लोगों को गुमराह कर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर उसे ट्रेस कर गिरफ्तार किया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर इस पूरे नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

समुद्री जहाज पर चूहों वाला वायरस फैला, हंतावायरस से तीन की मौत

प्राया, जेएनएन। अटलांटिक महासागर में एक क्रूज शिप पर चूहों वाले वायरल (हंतावायरस) संक्रमण का मामला सामने आया है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई है और कम से कम तीन लोग बीमार हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और दक्षिण अफ्रीका स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को इसकी पुष्टि की। एमवी होंडियस नाम के इस क्रूजशिप को फिलहाल अफ्रीकी देश केप वर्डे की राजधानी प्राया में रोका गया है। अभी यात्रियों को उतरने की अनुमति नहीं मिली है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि संक्रमण फैलने के खतरे को नियंत्रित किया जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जहाज पर 6 लोगों में संक्रमण जैसे लक्षण मिले हैं। इनमें से एक मामले की पुष्टि लैब में हो चुकी है। एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल में आईसीयू में भर्ती है, जबकि दो को जहाज से निकालने की तैयारी की जा रही है। यह भी अभी पता नहीं है कि सभी बीमार लोग हंतावायरस से संक्रमित हैं या नहीं।

अगस्ता केस: मिशेल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली, जेएएन। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले के कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जेल से रिहाई की मांग वाली याचिका पर विचार करने के लिए सहमति दे दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र सरकार, सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर उनका पक्ष मांगा है। यह कानूनी विवाद मुख्य रूप से 1999 की भारत-यूएई प्रत्यर्पण संधि की व्याख्या और मिशेल के उस दावे पर केंद्रित है, जिसमें उसने कहा है कि उसकी हिरासत अब अवैध हो चुकी है क्योंकि वह अधिकतम संभावित सजा काट चुका है। ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। वह उन तीन कथित बिचौलियों में से एक है, जिनकी जांच 2010 के हेलीकॉप्टर सौदे में की जा रही है। सीबीआई का आरोप है कि इस सौदे से खजाने को 2,666 करोड़ का नुकसान हुआ।

प्रयोग खतरनाक बीमारी कैंसर अर्ली स्टेज में मिल सकेगी जानकारी, कई देशों में किया जा रहा प्रयोग

अब कुत्ते सूंघकर बताएंगे कैंसर है या नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। कैंसर दुनिया की सबसे खतरनाक बीमारियों में से एक मानी जाती है। कोलोरेक्टल कैंसर जैसी कुछ बीमारियां अक्सर दूसरी या तीसरी स्टेज में जाकर पकड़ में आती हैं और इस स्टेज में डॉक्टरों के लिए मरीज की जान बचाना बहुत मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या हो अगर हम आपसे कहें कि आने वाले टाइम में कुत्तों की मदद से कैंसर की बीमारी का पता बहुत अर्ली स्टेज पर चल जाएगा। दरअसल, इजरायल, अमेरिका, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और ताइवान जैसे कई देशों में इस समय कुत्तों की मदद से कैंसर का पता लगाने को लेकर प्रयोग किया जा रहा है। अगर ये प्रयोग सफल साबित होते हैं, तो वो दिन दूर नहीं जब कुत्ते सूंघकर कैंसर का पता लगा सकेंगे।

भारत में भी हो रहा प्रयोग: इजरायल, अमेरिका, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और ताइवान जैसे देशों के अलावा भारत में भी कुत्तों पर प्रयोग हो रहा है। कर्नाटक के छह अलग-अलग अस्पतालों में ट्रेड कुत्तों की मदद से एक स्टडी की गई है। बेंगलुरु की एक स्टार्टअप कंपनी डॉगनोसिस के द्वारा की गई स्टडी में कुत्तों ने 1502 मरीजों के सैंपल सूंघे और 91 प्रतिशत सटीकता के साथ बता दिया कि किन मरीजों को कैंसर हैं और किन्हें नहीं। डॉगनोसिस की स्टडी शुक्रवार (01 मई, 2026) को जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी में प्रकाशित हुई थी।

बता दें कि डॉगनोसिस के द्वारा की गई यह स्टडी डॉक्टर संजीव कुलगोड की अगुवाई में हुई, जो कर्नाटक के हुब्बली में स्थित रेड ऑन कैंसर सेंटर के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और उसके डायरेक्टर भी हैं।

कुत्तों की नाक होती है सुपर कंप्यूटर: कुत्तों को इंसानों का सबसे वफादार जानवर माना जाता है और इनके अंदर सूंघने की अद्भुत कला होती है। कुत्तों की सूंघने की क्षमता इंसानों से 10 हजार से लेकर एक लाख गुना अधिक तीव्र होती है, जो उन्हें गंध के अणुओं को पकड़ने की अद्भुत शक्ति देती है और यही कारण है कि कुत्ते इंसानों की तुलना में अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। कुत्तों के नाक में लगभग 300 मिलियन गंध रिसेप्टर्स होते हैं, जो उन्हें बीमारी पकड़ने और छिपी हुई वस्तुओं का पता लगाने में सक्षम बनाते हैं। यही वजह है कि उनकी नाक को एक सुपर कंप्यूटर माना जाता है।

सूंघ कर कैसे मदद करेंगे कुत्ते

हॉन्गकॉन्ग के टिमोथी क्वान लो और उनकी टीम ने फ्रंटियर्स इन मेडिसिन में बताया कि कुत्ते इंसानों की शरीर से निकलने वाले कम से भी कम मात्रा के वोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड, जिसे वीओसी भी कहा जाता है, को पहचान लेते हैं। ये गंध शरीर में हो रहे बदलाव या किसी संक्रमण या फिर कैंसर से जुड़ी हो सकती है। किसी मरीज को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी है या नहीं, इसका पता लगाने के लिए सबसे पहले मेडिकल टीम उसको एक मास्क पहनाती है और फिर उसमें 10 मिनट तक सांस लेने के लिए कहती है। तीन महीने तक असरदार रहने वाले इन मास्क की प्रभावकारिता को लैब सेटिंग में कुत्तों के सामने रखा जाता है। कुत्ते शरीर के वीओसी में हुए बदलावों को भांप लेते हैं और सात तरह के कैंसर की पहचान कर लेते हैं। इतना ही नहीं, कुत्ते शुरुआती स्टेज के कैंसर को भी भांप लेते हैं, जिसका पता लगाना आमतौर पर बहुत मुश्किल माना जाता है।

वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 515/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

दैनिक जागरण

भोपाल, 05 मई 2026 **विधानसभा चुनाव** www.dainikjagranmpcg.com

रील लाइफ के हीरो बने तमिलनाडु के रियल 'जननायक'

सादगी, सामाजिक मुद्दों की फिल्मों और जमीनी काम से बनाई जगह

नई दिल्ली, जेएनएन। तमिलनाडु की राजनीति में सिनेमा और सियासत का रिश्ता हमेशा से खास रहा है, जनता अभिनेताओं को सिर्फ पसंद नहीं करती, बल्कि पूजती है। ऐसे माहौल में जब तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलापति विजय ने राजनीति में कदम रखते हुए अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) का ऐलान किया। तब कई लोगों ने इसे महज स्टार पावर का विस्तार माना, लेकिन पहले ही चुनाव में अभी तक रुझानों से जो तस्वीर बनी उसने सबको चौंका दिया। अपनी पार्टी के साथ चुनावी मैदान में उतरते ही विजय ने जो 'विजय' गाथा लिखी है, उसने उन्हें रील लाइफ के हीरो से रीयल लाइफ के 'जननायक' के रूप में स्थापित कर दिया है। विजय ने अपनी सादगी, सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों और बिना शोर-शराबे वाले जमीनी काम के जरिए जनता के दिलों में कमाया है। दरअसल 22 जून 1974 को चेन्नई में जन्मे विजय का सफर किसी फिल्मी चमत्कार जैसा नहीं था। 90 के दशक में उन्होंने रोमांटिक और फैमिली फिल्मों के जरिए अपनी पहचान बनाई। पर सवाल यह है कि राजनीति में महज दो साल में थलापति ने ऐसा क्या चमत्कार किया?

टीवीके ऐसे बनी नंबर-1

- विजय ने तमिझगा वेत्री कझगम के जरिए साफ राजनीतिक पहचान बनाई।
- अपने फैन बेस को संगठित कैडर में बदला, जो उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी।
- युवाओं और पहली बार वोट करने वालों पर टारगेट कर रणनीति बनाई।
- विजय ने सोशल मीडिया और ग्राउंड कैंपेन दोनों का मजबूत कॉम्बिनेशन बनाया।
- शिक्षा, रोजगार और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लगातार उठाया।
- फिल्मों के जरिए पहले से बना 'सिस्टम विरोधी' इमेज राजनीति में काम आया।
- बड़े दलों DMK और एआईएडीएमके के बीच खुद को मजबूत तीसरा विकल्प बनाया।
- फैन क्लब्स को बूथ लेवल नेटवर्क में बदलकर लोगों के बीच छवि और मजबूत की।
- विजय की सादगी और क्लीन इमेज ने लोगों का भरोसा जीता।
- न तीखे बयान, न व्यक्तिगत हमले, इससे उन्हें 'पॉजिटिव पॉलिटिक्स' का चेहरा मान गया।

शिक्षा, युवाओं पर फोकस और 'सिस्टम बदलाव' ने बदली सत्ता

साल 2024 में विजय ने तमिलगा वेत्री कझगम का एलान कर राजनीति में औपचारिक एंट्री की। टीवीके के लॉन्च के लिए उन्होंने न पारंपरिक रैली की और न ही बड़े मंच का सहारा लिया, बल्कि साफ और सटीक मैसेजिंग के साथ शुरुआत की। सिनेमा से दूरी बनाने के फैसले ने उनके इरादों को और मजबूत किया। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख, शिक्षा और युवाओं पर फोकस और 'सिस्टम बदलाव' की बात कर सीधे युवाओं को टारगेट किया। उनका जादू तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों में नजर भी आया।

'लेडी लक' ने बदल दी किस्मतः तृषा के जन्मदिन पर मिली शानदार जीत

एक्टर थलापति विजय ने तमिल राजनीति में हीरो की तरह एंट्री की है। उनकी पार्टी टीवीके ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 100 से ज्यादा सीटों पर बढ़त हासिल कर ली है। यानी विजय का सीएम बनना लगभग तय है।

टीवीके की जीत में विजय के 'लेडी लक' को अहम माना जा रहा है। सोमवार को उसी 'लेडी लक' एक्ट्रेस तृषा कृष्णन का जन्मदिन है, जिनका नाम विजय से जुड़ता रहा है। तृषा तमिलनाडु चुनाव का रिजल्ट आने से पहले तिरुमाला मंदिर पहुंचीं, दर्शन किए और फिर विजय के घर पहुंचीं। 51 साल के विजय आज तमिल फिल्मों के सबसे बड़े स्टार हैं तो तृषा कृष्णन क्वीन ऑफ साउथ

इंडिया कही जाती हैं। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं। यह वही वक्त था जब विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम तलाक के लिए कोर्ट में लड़ाई लड़ रही थीं। रिपोर्ट के अनुसार, संगीता सोर्नालिंगम ने अपनी तलाक याचिका में पति विजय पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था।

आखिरी 'लाल दुर्ग' भी ढहा

देश की सत्ता से अब लेफ्ट हुआ वाम

केरलम विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन भारी बहुमत मिला। इसी के साथ वामपंथी का आखिरी किला भी ध्वस्त होता दिख रहा है। इस हार के साथ ही पूरे देश में पिछले 50 वर्षों में पहली बार ऐसा होगा जब किसी भी राज्य में लेफ्ट की सरकार नहीं बचेगी। यह घटना वामपंथी राजनीति के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखी जा रही है। 1977 में पश्चिम बंगाल में लेफ्ट की सत्ता आने के बाद से यह विचारधारा विभिन्न राज्यों में मजबूत किलों के रूप में स्थापित रही थी। पश्चिम बंगाल में 34 साल तक लगातार शासन करने के बाद 2011 में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने इसे ढहाया था।

पर्दे के 'थलापति' से राजनीति के 'जन नायक' तक

10 साल की उम्र में की थी पहली फिल्म

नई दिल्ली, जेएनएन। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार विजय को उनके फैंस 'थलापति' यूं ही नहीं कहते। 51 साल के विजय को ये सफलता रातों रात नहीं मिली बल्कि उनकी पहली ही फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही थी। लेकिन इसके बावजूद विजय ने हार नहीं मानी और 3 दशक से ज्यादा बेहद सफल फिल्मी करियर के बाद अब वे राजनीति के थलापति बनने के लिए तैयार हैं। थलापति विजय का पूरा नाम है- जोसेफ विजय चंद्रशेखर, जिन्होंने 22 जून 1974 को मद्रास में जन्म लिया। उनके पिता एक फिल्म डायरेक्टर और मां एक प्लैबेक सिंगर हैं। विजय ने अपनी पहली फिल्म 10 साल की उम्र में की बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। इसके बाद 1992 में उन्होंने बतौर लीड एक्टर फिल्म नालैया थीरपू से डेब्यू किया। हालांकि ये एक बड़ी फ्लॉप साबित हुई। इसके बाद विजय के करियर की कमान उनके पिता ने संभाली और उन्हें सेंदूरपंडी में कास्ट किया। यह फिल्म हिट रही। इसके बाद उनके पिता ने उन्हें रसीगन में निर्देशित किया यह भी हिट रही और इसी फिल्म से लोगों ने उन्हें 'थलापति' टाइटल दिया। इसके बाद विजय ने 'देवा' में काम किया जो 100 दिनों तक थिएटर में चली। 2000 के बाद विजय ने वसीगरा, पुढिया गीतई और तिरुमलई जैसी हिट फिल्मों से एक एक्शन हीरो की छवि बनाई। तिरुमलई उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई।

Authorised Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Raisen Road SURJEET BAJAJ 2590000• **Berasia Road** GURU KRIPA BAJAJ 9329148940 • **MP Nagar** OM ADVANCE BAJAJ 9993377326 • **Biaora** YADAV BAJAJ 7987592880 • **Betul** SACHIN BAJAJ 9827063930 • **Chhatarpur** TIKARIYA BAJAJ 7470901984 • **Guna** KK BAJAJ **7303055855** • Harda SURJEET BAJAJ 9926004248 • **Itarsi** SMH BAJAJ 7000805580 • **Raisen** MOTI BAJAJ 8962448444 • **Sehore** SUDERSHAN BAJAJ **8225023340/9826023340**• **Vidisha** SHREE BALAJI BAJAJ 8839791436 • **Ashoknagar** SAHIL BAJAJ 220590.

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।